THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 274 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.11 2079 सोमवार, 19 दिसंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

महाराष्ट्र के समग्र विकास के लिए फडणवीस का सीएम बनना जरूरी

भाजपा नेता बावनकुले ने उठाई मांग

मुंबई,18 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बवनकुले ने एक बार फिर देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की। उनका यह बयान महाराष्ट्र में शीतकालीन सत्र से पहले आया है। उन्होंने कहा कि जब तक मैं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हूं तब तक देवेंद्र फडणवीस को राज्य के "समग्र विकास" के लिए फिर एक बार महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनना चाहिए। >14

तवांग झड़प के बाद नॉर्थ-ईस्ट पहुंचे मोदी ने कहा

विकास में रोड़ा बने लोगों को रेड कार्ड दिखाया

गुवाहाटी,18 दिसंबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के तवांग में भारत-चीन सेना के बीच झड़प के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नॉर्थ-ईस्ट के मेघालय और त्रिपुरा पहुंचे। वे रविवार को शिलॉन्ग में नॉर्थ ईस्टर्न काउंसिल के 50 साल पूरे होने पर गोल्डन जुबली कार्यक्रम में शामिल हुए। मोदी इस कार्यक्रम में मेघालय की ट्रेडिशनल ड्रेस पहनकर पहुंचे। इसके बाद पीएम मोदी ने त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में रोड शो भी किया।

मोदी ने कहा- फुटबॉल में अगर कोई खिलाड़ी खेल भावना से नहीं खेलता है, तो उसे रेड कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया जाता है। ऐसे ही पिछले 8 साल में हमने नॉर्थ-ईस्ट के विकास में रुकावट बनी ताकतों को रेड कार्ड दिखाया है। हम भ्रष्टाचार, पक्षपात, भाई-भतीजावाद, हिंसा, नए प्रोजेक्ट को ठप करने और वोट बैंक की राजनीति को दूर करने के लिए ईमानदारी से कोशिश कर रहे हैं, लेकिन आप जानते हैं कि इन बीमारियों की जड़ें काफी गहरी होती हैं। इसलिए मिलकर इन्हें जड़ से उखाड़ना होगा।

'देश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी नॉर्थ ईस्ट में'

पीएम मोदी ने कहा- हम कतर फीफा वर्ल्ड कप में आज के खेल को देख रहे हैं और मैदान पर विदेशी टीमों को देख रहे हैं, लेकिन मुझे युवाओं पर भरोसा है। इसलिए मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि वह दिन दूर नहीं, जब हम भारत में भी इसी तरह का त्योहार मनाएंगे और तिरंगे का जयकारा लगाएंगे। उन्होंने कहा कि खेलों को लेकर केंद्र सरकार आज एक नई अप्रोच के साथ आगे बढ़ रही है। इसका लाभ नॉर्थ-ईस्ट के युवाओं को हुआ है। देश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी नॉर्थ-ईस्ट में है।

उन्होंने कहा- हमने केंद्र सरकार की प्राथमिकताएं बदलीं, उसका सकारात्मक असर पूरे देश में दिख रहा है। इस साल केंद्र सिर्फ इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 7 लाख करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। 8 साल पहले, यह 2 लाख करोड़ रुपए से भी कम था।

कनेक्टिविटी का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा-डिजिटल कनेक्टिविटी से सिर्फ बातचीत, संवाद ही बेहतर नहीं होता, बल्कि इससे टूरिज्म से लेकर टेक्नोलॉजी तक, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक, हर क्षेत्र में सुविधाएं बढ़ती हैं, अवसर बढ़ते हैं।

पिछली सरकारों की अप्रोच 'डिवाइड' और हमारी 'डिवाइन'

पीएम ने कहा कि केंद्र की पिछली सरकारों की डिवाइड नॉर्थ-ईस्ट अप्रोच थी और हमारी अप्रोच डिवाइन है। पीएम ने कहा- हमारे लिए नॉर्थ-ईस्ट के बॉर्डर एरिया अंतिम मील नहीं मुख्य स्तंभ हैं। हम सीमा से लगे गांवों के विकास के लिए वाइब्रेंट बॉर्डर विलेज प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं।

पिछली सरकारें सोचती थीं कि अगर हम बॉर्डर एरिया का विकास करेंगे, तो दुश्मन देश को लाभ होगा, लेकिन हम बॉर्डर एरिया को मजबूत गढ़ बनाने जा रहे हैं। हम सीमावर्ती गांवों में बेहतर संपर्क, सड़कों आदि पर काम कर रहे हैं।

शाह बोले- 50 से ज्यादा बार यहां आए मोदी

शाह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- हमने प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में एनईसी की बैठक संपन्न की है। अब हर 15 दिन में एक मंत्री नॉर्थ-ईस्ट का दौरा करता है और नरेंद्र मोदी ने पीएम बनने के बाद 50 से ज्यादा बार इस क्षेत्र का दौरा किया है। शाह ने कहा- पहले पूरा पूर्वोत्तर शटडाउन, हड़ताल, बम विस्फोट और गोलीबारी के लिए जाना जाता था। विभिन्न संगठनों के उग्रवादियों ने पूर्वोत्तर के लोगों को प्रभावित किया, स्थानीय पर्यटन और उद्योग भी नहीं बढ़ रहे थे। >14

सौतेली बेटी को फोन पर बात करते देखा, गुस्से में घोंट दिया गला

हैदराबाद में ऑनर किलिंग

हैदराबाद,18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में ऑनर किलिंग का मामला सामने आया है। यहां एक पिता ने अपनी सौतेली बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। दरअसल, मोहम्मद तौफीक ने बेटी यास्मीन को रविवार रात 1 बजे फोन पर किसी से बात करते देख लिया। इससे गुस्साए पिता ने बेटी का गला दबाकर मार डाला। तौफीक शहर के बकरम इलाके में अपनी दूसरी पत्नी और दो सौतेली बेटियों के साथ रहता था। रविवार देर रात 1 बजे यास्मीन के कमरे से आवाज आ रही थी, तौफीक कमरे में गया तो पता

चला कि 17 साल की बेटी फोन पर किसी से बात कर रही थी।

इस पर पिता ने बेटी से मोबाइल छीन लिया और फोन अनलॉक करने को कहा। यास्मीन ने मना किया तो दोनों में खूब कहासुनी हुई। इससे गुस्से में आकर पिता ने बेटी का गला घोंटकर उसकी जान ले ली।

बेटी की हत्या के बाद थाने में किया सरेंडर

बेटी की हत्या के बाद सुबह 6 बजे तौफीक ने थाने में जाकर पुलिस को मामले की जानकारी दी और सरेंडर कर दिया। मुशीराबाद पुलिस इंस्पेक्टर जहांगीर यादव ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हमें भगवान ने देश सुधारने के लिए भेजा : केजरीवाल

मेरा विजन पार्टी नहीं, देश; 2027 में गुजरात में सरकार बनाएंगे

नई दिल्ली,18 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अब देश के विजन की बात की है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी को भगवान ने देश सुधारने के लिए बनाया है। हमारा विजन पार्टी नहीं, देश है। उन्होंने यह भी दावा किया कि 2027 में गुजरात में उनकी सरकार होगी।

रविवार को आम आदमी पार्टी की नेशनल काउंसलिंग मीटिंग हुई। इस दौरान केजरीवाल ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि आप इकलौती पार्टी है, जो 10 सालों में नेशनल पार्टी बन गई है।

केजरीवाल ने करीब 40 मिनट का भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा ने देश के लोगों की हालत इतनी खराब कर दी कि बड़े-बड़े उद्योगपति देश छोड़कर जा रहे हैं। पिछले 5 से 7 साल में 12.5 लाख लोग भारत छोड़कर जा चुके हैं।

4 बकरी वाले के पास 5 लाख की घड़ी कैसे

सवाल पर बीजेपी नेता बोले- हिसाब दूंगा, गड़बड़ी मिली तो सब सरकार का

चेन्नई,18 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में मुख्यमंत्री स्टालिन के मंत्री सैंथिल बालाजी ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई की राफेल वॉच पर सवाल उठाया है। सैंथिल ने ट्वीट में लिखा- सिर्फ 4 बकरियां रखने वाला आदमी 5 लाख की घड़ी कैसे पहन सकता है? इतना ही नहीं उन्होंने घड़ी की रसीद दिखाने को भी कहा।

इस पर अन्नामलाई ने मीडिया के सामने न सिर्फ घड़ी दिखाई बल्कि ये भी कहा कि वे लाइफ टाइम इनकम टैक्स स्टेटमेंट, 10 सालों के बैंक रिकॉर्ड्स, जितनी गायें-भेड़ें, चल अचल संपत्ति है, उन सबका रिकॉर्ड दिखाएंगे। अगर एक पैसा भी इससे ज्यादा उनके पास मिलता है तो सब कुछ सरकार को सौंप देंगे।

ऐसे शुरु हुआ घड़ी पर बवाल

दरअसल, पिछले दिनों अन्नामलाई बेल एंड रॉस की लिमिटेड वर्जन राफेल फ्रेंच फाइटर जेट वॉच पहने नजर आए, जिसे लेकर डीएमके मंत्री सैंथिल बालाजी ने ट्विटर के जरिए अन्नामलाई पर सवाल उठाए। बालाजी ने पूछा- फ्रांस की कंपनी ने 5 लाख की कीमत वाली राफेल घड़ी के सिर्फ 500 आइटम बनाए। 4 बकरियां रखने का दावा करने वाले के पास है ये घड़ी! क्या वह घड़ी की रसीद शेयर कर सकते हैं?

अन्नामलाई ने कहा- घड़ी निजी मामला है। उन्होंने दावा किया भारत के दुश्मन भारत के भीतर ही हैं, जो पाकिस्तान और चीन के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। लेकिन भारत अब पहले जैसा नहीं रहा। यह मोदीजी का भारत है। यह एक ऐसा भारत है जो पलटवार कर सकता है। यही मेरा एकमात्र उत्तर होगा।

राहुल की यात्रा में एंबुलेंस को दिया रास्ता

सीकर के संत ने दिया सम्मेलन बुलाने का सुझाव; पायलट के समर्थन में नारेबाजी

दौसा,,18 दिसंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने आज भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए सीकर के संत नेकी महाराज से मुलाकात की। यात्रा में साथ चलते हुए राहुल ने संत से पूछा कि वह कैसे साधु-संतों को कांग्रेस से जोड़ सकते हैं। राहुल के सवाल पर नेकी महाराज ने कहा कि सभी साधु-संत एक ही विचारधारा के नहीं है, सब अलग-अलग विचारधारा और मत-मतांतर को मानते हैं। नेकी महाराज ने साधु संतों का सम्मेलन बुलाने का सुझाव दिया। सनातन संस्कृति पर चर्चा के दौरान संत ने राहुल से कहा कि वे उनकी विचारधारा से प्रभावित होकर यात्रा से जुड़े हैं। वहीं, आज भी राहुल के सामने पायलट के समर्थन में जमकर नारेबाजी हुई। भारत जोड़ो यात्रा के दौसा में एंट्री होने के बाद से लगातार पायलट समर्थक उत्साहित दिख रहे हैं।

भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में अब लास्ट फेज में है। सोमवार को यात्रा अलवर जिले में एंटर करेगी।

यह राजस्थान में यात्रा का आखिरी जिला है, अलवर जिले से 21 को यात्रा हरियाणा में प्रवेश करेगी। अलवर के मालाखेड़ा में भारत जोड़ो यात्रा की राजस्थान की पहली बड़ी सभा रखी गई है। इस सभा में आसपास के जिलों से भीड़ जुटाने का टारगेट रखा गया है।

डीएनए बदलकर चीन बना रहा सुपर-सोल्जर

बिना नींद और भूख के लड़ने का दावा; बेरहम होकर कत्लेआम मचाएगा

नई दिल्ली,18 दिसंबर (एजेंसियां)। साल 2012 की बात है। फ्रांस की दो महिला वैज्ञानिकों इमैनुएल शार्पेंटिए और जेनिफर डॉडना ने मिलकर "क्रिशपर' नाम की एक टेक्नोलॉजी खोजी।इन महिलाओं ने दावा किया कि क्रिशपर के जरिए इंसान के डीएनए में बदलाव कर मनचाहा बच्चा पैदा किया जा सकता है। ऐसा बच्चा जो कभी बीमार न पड़े। अब अमेरिका का कहना है कि चीन इसी टेक्नोलॉजी के जरिए "सुपर सोल्जर' बना रहा है। एक ऐसा सोल्जर जो बिना नींद और भूख के भी जंग के मैदान में कई दिनों तक लड़ सकेगा।

चीन का सुपर सोल्जर प्लान क्या है?

अमेरिकी इंटेलिजेंस के मुताबिक दो साल पहले 2020 में ही चीन क्रिशपर टेक्नोलॉजी की मदद से सुपर सोल्जर बनाना शुरू कर चुका है। इसके लिए चीन में सैनिकों के डीएनए सैंपल लिए जा रहे हैं।

"वॉल स्ट्रीट जर्नल' अखबार में अमेरिका की खुफिया एजेंसी के तत्कालीन निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने लिखा है- चीन दुनिया में सबसे ताकतवर बनने के लिए सारी सीमाओं को तोड़ने के लिए तैयार है। सुपर सोल्जर इसी का एक हिस्सा है।

नवंबर 2018 की बात है। चीन के एक वैज्ञानिक हे जियांकुई ने कहा कि उसने दुनिया की पहली डिजाइनर बेबी बना ली है। इसके लिए उसने चूहे, बिल्ली और इंसानों के भ्रूण पर रिसर्च की थी। एक इंसान के भ्रूण में डीएनए बदलाव करने के बाद उसने ये दावा किया है।

इस रिसर्च की वजह से जुड़वां बच्चे लूलू और नाना पैदा हुए थे। इन दोनों बच्चों के डीएनए को इस तरह से एडिट किया गया कि एचआईवी ओर कई दूसरी बीमारी का इन बच्चों पर असर न हो।अमेरिका की खुफिया एजेंसी ने कहा कि डिजाइनर बेबी बनाने के 2 साल बाद ही इस टेक्नोलॉजी के जरिए सुपर सोल्जर बनाने का काम चीन ने शुरू कर दिया था।

जंग के दौरान खान-पान, मौसम अन्य वजहों से आम सैनिक बीमार पड़ सकते हैं, लेकिन डीएनए में बदलाव की वजह से सुपर सोल्जर बीमार नहीं पड़ेगा। सुपर सोल्जर में आम इंसानों की तरह इमोशन नहीं होंगे। ऐसे में ये सैनिक ज्यादा क्रूर और बेरहम होगा। सुपर सोल्जर आम सैनिकों की तुलना में अपने शिकार का ज्यादा बेहतर और सटीक निशाना बना सकेगा। सुपर सोल्जर पर बायोकेमिकल का किसी तरह से कोई असर नहीं होगा। ऐसे में केमिकल वॉर में भी सुपर सोल्जर को रोकना मुश्किल होगा। जेनेटिक मॉडिफिकेशन की वजह से ये सैनिक गोली या चोट लगने के बावजूद जंग के मैदान में टिके रहता है। राशन खत्म होने पर लंबे समय तक जंग में टिके रहना किसी देश के सैनिक के लिए मुश्किल होता है, लेकिन सुपर सोल्जर बिना भूख और नींद के भी कई दिनों तक लड़ाई लड़ सकेगा।

भारतीय नौसेना में शामिल हुआ विध्वंसक युद्धपोत मोरमुगाओ

मुंबई, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज मुंबई में स्वदेश निर्मित पी15बी स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक युद्धपोत 'मोरमुगाओ' को भारतीय नौसेना को सौंप दिया। 'मोरमुगाओ' की जरिए भारतीय नौसेना की हिंद महासागर में पहुंच बढ़ेगी तथा देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा और चाकचौबंद होगी। इस कार्यक्रम में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार, गोवा के राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लई, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और अन्य गणमान्य व्यक्ति आईएनएस मोरमुगाओ, एक पी15बी स्टील्थ-गाइडेड विध्वंसक मिसाइल के कमीशनिंग समारोह में शामिल हुए।

यह भारत की समुद्री क्षमता में बढ़ोतरी करेगाः राजनाथ सिंह

मुंबई में भारतीय नौसेना आयोग द्वारा स्वदेशी रूप से निर्माण मिसाइल विध्वंसक आईएनएस मोरमुगाओ के कमीशनिंग समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आईएनएस मोरमुगाओ भारत में निर्मित सबसे शक्तिशाली युद्धपोत में से एक है। यह भारत की समुद्री क्षमता में बढ़ोतरी करेगा। एमडीएसएल द्वारा तैयार यह युद्धपोत हमारी स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता का बड़ा उदाहरण प्रस्तुत करती है। इसमें कोई संदेह नहीं रह जाता है, कि आने वाले समय में हम न केवल अपनी जरूरतों के लिए, बल्कि दुनिया भर की जरूरतों के लिए भी जहाज निर्माण करेंगेः

नौसेना प्रमुख ने बताया एक और मील का पत्थर

इस मौके पर नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि स्वदेशी युद्धपोत निर्माण के इतिहास में आज का दिन एक और मील का पत्थर है क्योंकि हमने विध्वंसक मोरमुगाओ को चालू किया है, खासकर जब हमारी सिस्टर शिप विशाखापत्तनम को एक साल पहले ही भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था। नौसेना प्रमुख ने कहा कि यह उपलब्धि पिछले दशक में युद्धपोत डिजाइन और निर्माण क्षमता में हमारे द्वारा उठाए गए बड़े कदमों का संकेत है। नौसेना में शहरों के नाम पर जहाजों के नाम रखने की परंपरा है जो दोनों के बीच एक स्थायी कड़ी बनाती है।

डिजाइन और निर्माण

इस विध्वंसक युद्धपोत को भारतीय नौसेना के 'वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो' ने डिजाइन किया है और इसका निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुंबई द्वारा किया गया है। आईएनएस मोरमुगाओ का नाम पश्चिमी तट पर गोवा के ऐतिहासिक बंदरगाह शहर के नाम पर रखा गया है। आईएनएम मोरमुगाओ ने पिछले साल 19 दिसंबर को पहली बार समुद्र में उतरा था, इसी दिन गोवा में पुर्तगाली शासन से मुक्ति पाने के 60 साल पूरे हुए थे।

महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद को नजरअंदाज कर रहे पीएम मोदी

सामना में संजय राउत ने उठाए सवाल

मुंबई, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। शिवसेना उद्धव गुट के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है. संजय राउत ने रविवार को कहा कि एक तरफ पीएम मोदी रूस-यूक्रेन युद्ध में मध्यस्थता करते हैं. वहीं, दूसरी तरफ वह महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा मुद्दे पर आंखें मूंद लेते हैं. जो एक अच्छे राजनेता का संकेत नहीं है.

सीमा विवाद मानवता के लिए संघर्ष

राज्यसभा सांसद संजय राउत ने शिवसेना के मुखपत्र सामना में अपने साप्ताहिक कॉलम में साथ ही यह भी कहा कि महाराष्ट्र-कर्नाटक के बीच सीमा विवाद मानवता के लिए संघर्ष है, न कि दोनों राज्यों के लोगों और सरकारों के बीच की लड़ाई है. उन्होंने कहा कि बेलगावी और आसपास के इलाकों में मराठी भाषी लोगों के संघर्ष के बावजूद राज्यों के पुनर्गठन के दौरान इसे कर्नाटक में उनकी इच्छाओं के खिलाफ शामिल किया गया था, जिसे निर्दयता से कुचला नहीं जा सकता है. संजय राउत ने सवाल करते हुए कहा कि अगर केंद्र और सुप्रीम कोर्ट इस मुद्दे को हल नहीं कर सकता है, तो कहां से न्याय मांगा जाए. उन्होंने कहा कि यह अच्छा है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मुद्दे को हल करने की दिशा में पहल की है. लेकिन, सवाल यह है कि क्या केंद्र सरकार तटस्थ रुख अपनाएगी.

संसद में निकाला जाए सीमा विवाद का हल

राज्यसभा सांसद संजय राउत ने मांग करते हुए कहा कि संसद को सीमा विवाद का हल निकालना चाहिए. उन्होंने सुझाव दिया कि सुप्रीम कोर्ट से इस मामले को संसद को फिर से निर्देशित करने की अपेक्षा करने के बजाय यदि संसद जल्द से जल्द इसका समाधान ढूंढती है तो इससे क्या नुकसान होगा. संजय राउत ने कहा कि कर्नाटक के सीएम बोम्मई को महाराष्ट्र के खिलाफ भड़काऊ बयान देने के बजाय विवाद को सुलझाने के लिए बेलगावी में मराठी भाषी लोगों के संगठनों और नेताओं के साथ बातचीत करनी चाहिए थी. बता दें कि महाराष्ट्र लंबे समय से उत्तर कर्नाटक के बेलगावी और उसके आसपास के सीमावर्ती क्षेत्रों पर अपना दावा करता रहा है.

हिमाचल जीत का श्रेय लेने के बाद प्रियंका गांधी ऐसे करेंगी हिमाचली जनता का धन्यवाद

शिमला, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की बंपर जीत के बाद प्रियंका गांधी हिमाचल की जनता का धन्यवाद करने के लिए आभार रैली करने जा रहे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे और महासचिव प्रियंका गांधी को रैली में बुलाने की तैयारी जोरों शोर से चल रही है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला ने बताया इस रैली में सभी सह प्रभारी शामिल होंगे और प्रियंका गांधी सभी का धन्यवाद कर रही थी। 21 दिसंबर को जोरावर स्टेडियम धर्मशाला में आभार रैली आयोजित है।

बेलगावी में शुरू होगा कर्नाटक विधानसभा का शीतकालीन सत्र, हंगामे के आसार

बेंगलुरु, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र और कर्नाटक का सीमा विवाद बढ़ता जा रहा है. वहीं कर्नाटक विधानसभा चुनाव में लगभग पांच महीने का समय बचा है. इस बीच कर्नाटक विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार को बेलगावी में 'सुवर्ण विधान सौध' में शुरू होगा. महाराष्ट्र की सीमा से सटे उत्तरी जिला मुख्यालय शहर में राज्य की वर्तमान सरकार (बीजेपी) का आखिरी सत्र होगा. मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के प्रशासन के लिए यह सत्र महत्वपूर्ण है. क्योंकि चुनावों की घोषणा होने से पहले केवल संयुक्त सत्र और बजट सत्र ही बचेगा. राज्य में अगले साल अप्रैल-मई में चुनाव होने की संभावना है. 30 दिसंबर तक

विधानसभा के चलने वाले शीत सत्र में हंगामा होने के पूरे आसार हैं. क्योंकि सत्तारूढ़ बीजेपी और विपक्षी दल कई मुद्दों को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं.

विपक्षी दल शीतकालीन सत्र में सरकार को घेरेंगे

विपक्षी दलों की ओर से विभिन्न विभागों में कथित भ्रष्टाचार, मतदाताओं से जुड़ी जानकारियों की चोरी से संबंधित घोटाले, सीमा विवाद और सरकार द्वारा इससे निपटने के तरीके, सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं के साथ कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, मेंगलुरु में कूकर विस्फोट और किसानों की मांगों जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की संभावना है. चुनाव का समय करीब आने के मद्देनजर विपक्षी दल सरकार को 2018 के चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा न करने और कई शहरी इलाकों खासतौर से बेंगलुरु में बुनियादी ढांचे की समस्या जैसे मुद्दों पर सरकार को घेर सकते है.

बीजेपी भी विपक्ष पर निशाना साधेगी

विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों के सदस्य पंचमसाली और वोक्कालिंग जैसे विभिन्न समुदायों को आरक्षण देने की मांग भी उठा सकते हैं. सत्तारूढ़ बीजेपी भी विपक्षी दलों पर खासतौर से कांग्रेस पर उसके नेताओं की मेंगलुरु कूकर बम विस्फोट और हिंदू विरोधी टिप्पणियों को लेकर निशाना साधने की योजना बना रही है. यह सत्र उत्तर कर्नाटक में हो रहा है, ऐसे में इसमें क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर अलग से चर्चा हो सकती है. विधानसभा अध्यक्ष विश्वेश्वर हेगड़े कगेरी ने कहा कि सत्र के दौरान छह विधेयकों पर चर्चा हो सकती है.

दोनों राज्यों में चल रहा है सीमा विवाद

बेलगावी महाराष्ट्र की सीमा से लगता है. महाराष्ट्र बेलगावी और आसपास के कुछ स्थानों पर अपना दावा जताता है. पिछले 16 सालों में बेलगावी में 9 शीतकालीन सत्र हुए हैं. इनमें से सात सत्र सुवर्ण सौध में और दो उसके बाहर हुए हैं. सुवर्ण विधान सौध को बेंगलुरु में स्थित राज्य सचिवालय विधान सौध की तर्ज पर बनाया गया है. इसका कदम का मकसद यह संदेश देना है कि बेलगावी कर्नाटक का अभिन्न हिस्सा है.

'भाजपा ने हिंदुत्व एजेंडे को दरकिनार किया'

श्री राम सेना के प्रमुख प्रमोद मुथालिक का तंज

बेंगलुरु, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में चुनावी अखाड़े में उतरने की योजना बना रहे श्री राम सेना के प्रमुख प्रमोद मुथालिक ने भाजपा पर बड़ा हमला बोला है। मुथालिक ने कहा कि भाजपा ने हिंदुत्व एजेंडे को दरकिनार कर दिया है। उडुपी में शनिवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए मुथालिक ने कहा कि वह राज्य विधानसभा में हिंदुओं की आवाज का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं और इस महीने के अंत तक अपनी उम्मीदवारी और निर्वाचन क्षेत्र की घोषणा करेंगे।

मुथालिक का आठ विधानसभा क्षेत्रों में सर्वेक्षण का दावा

मुथालिक ने कहा कि उन्होंने लगभग आठ विधानसभा क्षेत्रों में सर्वेक्षण किया है और वह जल्द ही उस क्षेत्र को अंतिम रूप देंगे जिसमें वह चुनाव लड़ेंगे। उडुपी जिले में करकला, जिसका प्रतिनिधित्व राज्य के ऊर्जा मंत्री वी सुनील कुमार कर रहे हैं, संभावित निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है।

कांग्रेस के कदम पर भाजपाः मुथालिक

मुथालिक ने आरोप लगाया कि सुनील कुमार उनके और अन्य सेना कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने के पीछे हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा कांग्रेस की उसी तर्ज पर प्रतीत होती है जिसने हमेशा हिंदू कार्यकर्ताओं को नीचा दिखाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि करकला के अलावा श्रृंगेरी, बेलगावी दक्षिण, धारवाड़ और तेरदल, जामखंडी (बगलकोट) सीटों पर भी चुनाव लड़ने पर विचार किया जा रहा है। मुतालिक ने आरोप लगाया कि सैकड़ों हिंदू कार्यकर्ताओं को पुलिस ने 'उपद्रवी' बताकर जेल में डाल दिया है। उन्होंने दावा किया कि अगर भाजपा सरकार हिंदू कार्यकर्ताओं के खिलाफ अपना रुख बदलने के लिए तैयार नहीं है, तो वे हिंदू बहुमत का समर्थन खो देंगे

दो और भाषाओं में पक्षियों की जानकारी देगा मर्लिन एप, मराठी और मलयालम में किया लॉन्च

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। पक्षियों की जानकारी स्थानीय भाषाओं में देने वाला एप मर्लिन मराठी व मलयालम में भी लॉन्च कर दिया गया है। अभी तक हिंदी, असमिया, बंगाली, गुजराती, ओडिया और तेलुगु में उपलब्ध एप को अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय ने विकसित किया है। बर्ड काउंट इंडिया क्षेत्रीयता के आधार पर इन जानकारियों का अनुवाद करने में मदद करती है। बर्ड काउंट इंडिया के प्रवीण जे ने कहा, मराठी और मलयालम हमारे अनुवाद प्रोजेक्ट की शुरुआत भर हैं। हम हर क्षेत्रीय भाषा में पक्षियों की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए संबंधित राज्यों के साथ साझेदारी करने की योजना बना रहे हैं।

केरल हाईकोर्ट ने कहा- एंडोसल्फान पीड़ितों की दुर्दशा से बेखबर नहीं रह सकती

कोच्चि, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि न तो सरकार और न ही अदालत एंडोसल्फान पीड़ितों और उनके रिश्तेदारों की दुर्दशा से बेखबर रह सकती है। हाईकोर्ट ने एक एंडोसल्फान पीड़िता के इलाज के लिए परिवार की ओर से लिए गए कर्ज को माफ करने का राज्य सरकार को आदेश दिया। जस्टिस एजी अरुण ने कहा कि इस प्रकार के मामलों में पैतृक एवं सुरक्षात्मक भूमिका सिद्धांत लागू किया जाना चाहिए, जिसके तहत सरकार के पास नाबालिग, मानसिक रूप से अस्वस्थ, शारीरिक रूप से अक्षम और प्राकृतिक आपदाओं के कारण असहाय हुए लोगों समेत उन व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करने की अंतर्निहित शक्ति और अधिकार हैं, जिनके पास स्वयं कार्य करने की कानूनी क्षमता नहीं है। जस्टिस अरुण ने कहा, इस मामले में कर्तव्य व जिम्मेदारी, शक्ति और अधिकार से जुड़े हुए हैं, ऐसे में राज्य परिवार की मदद करने के लिए बाध्य है।

सीएम केजरीवाल की चीनी उत्पादों के बायकॉट की अपील

बोले- दोगुनी कीमत होने पर भी खरीदेंगे स्वदेशी

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जनता से चीनी उत्पादों का बहिष्कार करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हम चीनी उत्पाद नहीं बल्कि स्वदेशी उत्पाद खरीदेंगे भले ही उसकी कीमत चीनी उत्पाद की तुलना में दोगुनी क्यों ना हो। इससे पहले अरुणाचल प्रदेश के तवांग में चीनी सैनिकों से भारतीय सैनिकों की झड़प की खबरों के बीच आप के संयोजक केजरीवाल ने इसकी निंदा की थी। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि हमारी सेना के जवान देश की शान हैं। मैं उनके शौर्य को सलाम करता हूं। साथ ही भगवान से उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

जेव्लिन थ्रो के दौरान छात्र की गर्दन में घुसा भाला, 3 घंटे के ऑपरेशन के बाद निकाला गया

भुवनेश्वर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के बोलनगीर जिले के अगलपुर बॉयज हाई स्कूल में शनिवार को वार्षिक खेलकूद के दौरान एक भयावह घटना में एक छात्र के गले में भाला घुस गया। सूत्रों के अनुसार नौवीं कक्षा का छात्र सदानंद मेहर दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए मैदान में खड़ा था। इससे पहले कि वह कुछ देख या समझ पाता भाला उसकी गर्दन पर जा घुसा। स्कूल की प्रधानाध्यापिका अंबिका महकुद ने कहा कि भाला फेंक प्रतियोगिता के लिए अभ्यास करते समय एक लड़के ने भाला फेंका था जो सदानंद को लगा। सदानंद को भीमा भोई मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों की एक टीम ने तीन घंटे की लंबी सर्जरी के बाद बच्चे को बचाने में कामयाबी हासिल की अस्पताल के डॉक्टर प्रभात रंजन रथ ने कहा कि सदानंद की हालत अब स्थिर बताई जा रही है और उनकी निगरानी की जा रही है। सदानंद के पिता गुरुदेव मेहर ने सफलतापूर्वक सर्जरी करने के लिए डॉक्टरों को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने दुर्घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए लड़के को उचित इलाज मुहैया कराने का निर्देश देते हुए कहा कि इलाज का खर्च मुख्यमंत्री राहत कोष से वहन किया जाएगा।

दिल्ली में शिमला से भी ज्यादा ठंड, 6 डिग्री तक गिरा पारा

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर भारत में ठंड ने सितम ढाना शुरू कर दिया है. पहाड़ी राज्यों में लगातार बर्फबारी हो रही है और यही कारण है कि मैदानी इलाकों में शीतलहर शुरू हो गई है. बीती रात दिल्ली वालों के लिए बेहद ठंडी रही. मौसम विभाग के मुताबिक, शनिवार की रात दिल्ली का पारा शिमला से भी नीचे चला गया था. दिल्ली में न्यूनतम तापमान 6.0 डिग्री सेल्सियस तक रहा, जो सामान्य से दो डिग्री कम है. दिल्ली का अधिकतम तापमान 25 डिग्री तक पहुंचा. अब बात कर लेते हैं शिमला की. शिमला का न्यूनतम तापमान दिल्ली से ज्यादा है. शिमला में बीती रात 7-8 डिग्री तक का न्यूनतम तापमान रहा. अधिकतम तापमान 18 डिग्री रहा.

शिमला और दिल्ली में कैसा रहेगा मौसम?

शिमला में आज भी न्यूनतम तापमान 7.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा. अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहेगा. आज की

रात भी दिल्ली में शिमला से ज्यादा ठंड रहेगी. दिल्ली में आज रात भी 6.0 डिग्री न्यूनतम तापमान रहेगा और दिन में अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहेगा.

मुंबई में रिकॉर्ड तोड़ रहा पारा

एक तरफ उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ रही है तो मुंबई में तापमान ऊपर की ओर जा रहा है. लगातार दूसरे दिन शनिवार को मुंबई में दिन का तापमान देश में सबसे ज्यादा दर्ज किया गया. आईएमडी की सांताक्रूज वेधशाला ने अधिकतम 35.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया.

मुंबई में बढ़ रही गर्मी

तीन दिनों से दिन का तापमान बढ़ रहा है, जिससे मुंबईकरों के लिए गर्मी और बेचैनी बढ़ रही है. गुरुवार को शहर में अधिकतम तापमान 34.9 डिग्री दर्ज किया गया, जो शुक्रवार को बढ़कर 35.6 डिग्री हो गया. मौसम विभाग के अधिकारियों ने पारा बढ़ने का कारण हवा का रुख बताया है.

रिटायर्ड मेजर ने सीएम को लिखा पत्र

कहा- हमारी बस्ती तक जाने के लिए रोड नहीं, हेलीकॉप्टर दो

मुंबई, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के शेवगांव तहसील के सालवडगांव के एक रिटायर्ड आर्मी मेजर दत्तू भापकर ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से अजीबोगरीब मांग की है. रिटायर्ड आर्मी मेजर दत्तू भापकर ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर हेलीकॉप्टर खरीदने के लिए सरकारी अनुदान की मांग की है. रिपोर्ट के मुताबिक, रिटायर्ड आर्मी मेजर दत्तू भापकर ने कहा कि हमारी बस्ती तक जाने के लिए रोड नहीं है, इसलिए हम हेलीकॉप्टर खरीदेंगे. दत्तू भापकर की मानें तो वे निवेदन दे-देकर थक गए है. लेकिन, स्थानीय प्रशासन ने सड़क का इंतजाम नहीं किया. ऐसे में परेशान होकर उन्होंने सीधे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखा है. अपने पत्र में उन्होंने लिखा है, गड्ढों से गुजरकर हम नहीं जा सकते हैं, इसलिए हमें हेलीकॉप्टर दिया जाए, ताकि हम उड़ते हुए गड्ढों को पार कर लें. रिटायर्ड आर्मी मेजर दत्तू भापकर एक किसान भी है. सीएम शिंदे को लिखे गए उनके पत्र की चर्चा पूरे महाराष्ट्र में हो रही है. बताया जा रहा है कि शेवगांव तहसील में सालवड गांव के पास बेहद खराब सड़क है. जिसपर चल पाना मुश्किल है. इसके मद्देनजर दत्तू भापकर ने कई बार स्थानीय प्रशासन को पत्र लिखा था. बावजूद इसके सरकार ने कोई विशेष ध्यान नहीं दिया और ग्रामीणों की परेशानी जस की तस बनी रही. इसी वजह से परेशान होकर पूर्व सैनिक ने सीधे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से हेलीकॉप्टर की मांग कर दी है.

दिल्ली एम्स सर्वर अटैक मामले में सीबीआई को चिट्ठी

इंटरपोल से मांगी डिटेल्स

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली एम्स के सर्वर पर अटैक मामले की जांच जारी है. दिल्ली पुलिस के आईएफएसओ ने इंटरपोल से चीन के हैकर्स के बारे में जानकारी मांगी है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस काम के लिए केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई को चिट्ठी लिखी गई है. ये चिट्ठी दिल्ली पुलिस के आईएफएसओ की ओर से लिखी गई है. सीबीआई को पत्र लिखकर हांगकांग और हेनान से ईमेल आईडी के आईपी एड्रेस के बारे में इंटरपोल से डिटेल्स प्राप्त करने के लिए कहा है, जिनका

इस्तेमाल साइबर हमले शुरू करने के लिए किया गया था. चूंकि सीबीआई नोडल एजेंसी है, इसलिए उन्हें इस बारे में पत्र लिखा गया है.

चीन ने किया था साइबर अटैक

राजधानी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के सर्वर पर हुए साइबर अटैक को लेकर बुधवार (14 दिसंबर) को बड़ा खुलासा हुआ था. केंद्रीय परिवार कल्याण स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक एम्स के सर्वर ये हमला चीन की तरफ से हुआ था. हॉस्पिटल के 100 सर्वरों में 40 फिजिकल और 60 वर्चुअल तौर से हैक कर लिए गए थे. इनमें से 5 सर्वर्स का डेटा हैकर्स से सफलतापूर्वक रिकवर कर लिया गया.

23 नवंबर को एम्स सर्वर पर हुआ था हमला

बता दें कि 23 नवंबर को एम्स के सर्वर पर हमला हुआ था. ये साइबर अटैक हांगकांग की 2 ईमेल आईडी से किया गया था. मामले की जांच कर रही दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की इंटेलीजेंस फ्यूजन स्ट्रैट्रिक आपरेशंस (आईएफएसओ) को ये जानकारी दी गई थी. हमले में इस्तेमाल ईमेल का आइपी एड्रेस हांगकांग आ रहा था. 25 नवंबर को दिल्ली पुलिस की आईएफएसओयूनिट ने जबरन वसूली और साइबर आतंकवाद का केस दर्ज किया था.

सुविचार

अवगुण नांव की पेंद में छेद के समान हैं जो चाहे छोटा हो या बड़ा एक दिन उसे डूबो देगा।

केंद्र ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत तेलंगाना को 5,550 करोड़ जारी किए : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेलंगाना के लोगों के लिए चिकित्सा सेवाएं सुलभ बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। रविवार को एक विज्ञप्ति में किशन रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2014 से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) निधि के तहत तेलंगाना को 5,550 करोड़ रुपये अब तक रुपये जारी किए है। तेलंगाना भर में 175 प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना केंद्र 50 से 80 प्रतिशत कम कीमतों पर दवाइयां प्रदान कर रहे हैं। किशन रेड्डी ने कहा कि एनएचएम शहरों में 225 से अधिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, 10 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, गांवों में 636 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और लोगों को आवश्यक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने वाले 85 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का समर्थन करता है। "पिछले तीन वर्षों के दौरान, तेलंगाना में टीबी उन्मूलन के लिए 146 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। इसी तरह, 1,041 फ्लोरोसिस प्रभावित गांवों में फ्लोरोसिस उन्मूलन के लिए, लोगों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए तेलंगाना को 800 करोड़ रुपये दिए गए थे। इसके अलावा कोविड-19 के दौरान आपातकालीन कोविड प्रतिक्रिया पैकेज चरण-II के तहत तेलंगाना को लगभग 300 करोड़ रुपये जारी किए गए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तेलंगाना के आयुष्मान भारत कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मई, 2021 में 150 करोड़ रुपये जारी किए गए। आयुष्मान भारत कार्यक्रम में शामिल होने की सबसे कम अवधि के भीतर लगभग 5.86 लाख लोगों ने मुफ्त चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के 737 अस्पतालों को आयुष्मान भारत कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। किशन रेड्डी ने कहा, "नरेंद्र मोदी सरकार इस तरह के विभिन्न उपायों के माध्यम से तेलंगाना के लोगों के लिए चिकित्सा सेवाओं को करीब लाने के लिए एक अभूतपूर्व तरीके से काम कर रही है।"

वाईएस शर्मिला ने बिजली शुल्क को लेकर केसीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी के संस्थापक अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने आज केसीआर के मुख्यमंत्री के खिलाफ उन खबरों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की कि राज्य सरकार लगभग 17,000 करोड़ रुपये की वसूली के लिए एक बार फिर से बिजली शुल्क बढ़ाने जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर राज्य के गरीब और आम लोगों पर बोझ डालने जा रहे हैं। शर्मिला ने विभिन्न सरकारी विभागों की लंबित बिजली के बारे में बात करते हुए कहा कि विभिन्न सरकारी विभागों का बिजली बकाया वर्ष 2014 में 1302 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2022 में 20841 करोड़ रुपये हो गया है। मुख्यमंत्री को बिलों के बढ़ने का कारण जनता को बताना चाहिए। लंबित बिलों में वृद्धि तेजी से हो रही है। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग का बकाया वर्ष 2014 के 107 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2020 में 9268 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर सीएम से पूछा कि क्या वे विभिन्न सरकारी विभागों की गलतियों, बिजली लाइन की खराबी और बिलों के संग्रह में अनियमितताओं का परिणाम वित्तीय बोझ को लोगों पर स्थानांतरित करेंगे या उन्हें वसूल कर सुधारेंगे? उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर ने राज्य के लोगों को परेशान करते हुए अपने परिवार के सदस्यों के लिए मकान बनवाए।

नायलॉन मांझे के खिलाफ चलाया गया जागरूकता अभियान

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति के नजदीक आते ही तेलंगाना में आसमान अलग-अलग रंग की पतंगों से सराबोर हो जाएगा। लेकिन जहां लोग बादलों में ऊंची पतंग उड़ाने का आनंद लेते हैं, वहीं इन कागजी पक्षियों के लिए नायलॉन के मांझे का इस्तेमाल असली पक्षियों के लिए काफी खतरनाक साबित हो रहा है। एनिमल वॉरियर्स कंजर्वेशन सोसाइटी पछले कुछ वर्षों से नायलॉन के मांझे के इस्तेमाल के खिलाफ अभियान चला रही है। संस्था ने 2022 में पूरे तेलंगाना में मांझा में फंसे 320 से अधिक पक्षियों को बचाया था। केवल एडब्ल्यूसीएस ही नहीं, बल्कि कई एनजीओ भी पक्षियों के बचाव पर काम कर रहे थे, जिसका मतलब है कि प्रभावित पक्षियों की संख्या कई गुना अधिक हो सकती है। सुनसान जगहों पर नायलन के मांझे में फंसे पक्षी भूख से मर जाते हैं और नायलन के धागे से लगने वाली चोटों से मर जाते हैं क्योंकि उन्हें बचाने वाला कोई नहीं होता। इस वर्ष संस्था ने मांझे के उपयोग को प्रतिबंधित करने के लिए विक्रेताओं, छात्रों और अभिभावकों को कई तरह से संवेदनशील बनाने के लिए एचसीएल फाउंडेशन के साथ सहयोग किया है। वन विभाग द्वारा मांझे के उपयोग पर रोक लगाने के बावजूद विक्रेता इसे बेचना जारी रखे हुए हैं। मांझे से फंसे पक्षियों के बड़े-बड़े पोस्टर छाप रहे एडब्ल्यूसीएस के स्वयंसेवक वेंडरों से मिल रहे हैं। बीएचईएल से अपनी यात्रा की शुरुआत करते हुए आठ एडब्ल्यूसीएस स्वयंसेवकों ने अब तक 50 विक्रेताओं से मुलाकात की है। 1 जनवरी तक कुछ सौ दुकानों को कवर करने का लक्ष्य रखा है। वेंडर्स से मिलने और उन्हें जागरूक करने के अलावा, वॉलंटियर्स वेंडर्स को यह शपथ लेने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहे हैं कि वे नायलोन मांझा नहीं बेचेंगे। सोशल मीडिया पर भी ऐसी ही तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए जा रहे हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचा जा सके। इनके अलावा स्वयंसेवक भी छात्रों को शिक्षित करने के लिए स्कूलों का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने अब तक 12 स्कूलों के 500 से अधिक छात्रों को जागरूक किया है।

हैदराबाद एयरपोर्ट मेट्रो का निर्माण कार्य जोरों पर करने का निर्णय

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद एयरपोर्ट मेट्रो लिमिटेड (एचएएमएल) ने एयरपोर्ट मेट्रो रेल के निर्माण में तेजी लाने का फैसला किया है, जिसकी आधारशिला 9 दिसंबर को रखी गई थी। हवाईअड्डे पर मेट्रो रेल ग्राउंड कार्य जल्द से जल्द शुरू करने और पूर्व-निर्माण गतिविधियों को तेजी से ट्रैक करने के लिए, एचएएमएल ने समानांतर प्रसंस्करण मोड में कई गतिविधियों को शुरू करने का फैसला किया।

कंपनी ने संरेखण को अंतिम रूप देने के लिए जमीनी आंकड़े एकत्र करने के लिए दो सर्वेक्षण टीमों को लगाया है। मेट्रो पिलर और स्टेशनों की लोकेशन, उनकी ऊंचाई, वायाडक्ट की प्रोफाइल आदि तय करने के लिए डेटा महत्वपूर्ण होगा। सर्वेक्षण का काम शुरू करने और सर्वेक्षण टीमों को निर्देश देने के लिए, एचएएमएल के प्रबंध निदेशक एन.वी.एस. रेड्डी और उनके वरिष्ठ इंजीनियरों की टीम ने रविवार को रायदुर्ग मेट्रो स्टेशन से नरसिंगी जंक्शन तक एयरपोर्ट मेट्रो रूट का निरीक्षण किया।

लगभग 10 किमी की पूरी लंबाई में चलकर, रेड्डी ने एचएएमएलए के इंजीनियरों और सर्वेक्षण टीमों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्टेशन के स्थान प्रमुख सड़क जंक्शनों के करीब होने चाहिए और शहर के फैलाव के विकास के लिए एयरपोर्ट मेट्रो कॉरिडोर की योजना बनाई जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि गलियारा न केवल हवाईअड्डे के यात्रियों की सेवा करेगा, बल्कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की इच्छा के अनुसार विपरीत यात्रा के लिए भी काम करेगा, ताकि कम आय वर्ग के लोग भी शहर के बाहरी इलाकों में बेहतर आवास में रह सकें और शहर में 20 मिनट या उसके भीतर कार्यस्थलों तक पहुंच सकें।

श्री रेड्डी ने कहा कि स्टेशन डिजाइन सुविधाएं इस उच्च विकास और उच्च वृद्धि वाले भवन क्षेत्रों में जंक्शनों के विभिन्न दिशाओं से आने वाले यात्रियों की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को पूरा करेंगी, जिसमें सभी दिशाओं में बहु-सशस्त्र स्काईवॉक उतरेंगे। स्टेशनों के पास उपलब्ध सरकारी भूमि पर पर्याप्त पार्किंग सुविधाएं बनाई जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को यह भी बताया कि मौजूदा कॉरिडोर 3 (ब्लू लाइन) को रायदुर्ग स्टेशन से नए एयरपोर्ट मेट्रो रायदुर्ग स्टेशन तक लगभग 900 मीटर तक विस्तारित करते हुए, विस्तारित ब्लू लाइन नए टर्मिनल स्टेशन और एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन को जोड़ने की संभावना का पता लगाया जाएगा। आईकेईए के बाद एलएंडटी बिल्डिंग और अरबिंदो बिल्डिंग के सामने जगह की कमी को देखते हुए ये दो नए स्टेशन एक के ऊपर एक बनाए जा सकते हैं। एयरपोर्ट मेट्रो का नया रायदुर्ग स्टेशन पहले दो स्तरों पर हो सकता है और विस्तारित नया ब्लू लाइन स्टेशन ऊपरी दो स्तरों पर हो सकता है। वह यह भी चाहते हैं कि सर्वेक्षण दल भविष्य के बीएचईएल-लकड़ी का पुल मेट्रो कॉरिडोर स्टेशन के एकीकरण की सुविधा के लिए एक अनोखे तरीके से एयरपोर्ट मेट्रो जैव विविधता जंक्शन स्टेशन की योजना बनाएं। मुख्यमंत्री ने 9 दिसंबर को एयरपोर्ट मेट्रो की आधारशिला रखी, जो सूचना प्रौद्योगिकी जिला हाईटेक सिटी को शमशाबाद में राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से जोड़ेगी। 31 किलोमीटर लंबी परियोजना राज्य सरकार द्वारा 6,250 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जाएगी।

वेंकटपुर आग मामले में पुलिस ने 10 लोगों को हिरासत में लिया

मंचेरियल, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल के मंडमरी के वेंकटपुर में आधी रात को लगी आग के सिलसिले में कथित तौर पर दस लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि पुलिस, जिन्होंने घटना की जांच तेज कर दी है, अभी तक 10 की संलिप्तता की प्रकृति की पुष्टि नहीं कर पाई है, सूत्रों ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों में कोयला खनिक शांतैया की पत्नी सुरजाना भी शामिल है, जो आग के शिकार लोगों में से एक है। अन्य लोगों में सुरजाना के पिता अंजैया, उनकी बेटियां मौनिका और राधिका, बेटे राज कुमार और दीपक कुमार और सुरजाना के प्रेमी लक्ष्मण के साथ उसका दोस्त रमेश भी हैं। हिरासत में लिए गए लोगों में लक्सेटिपेट के दो आदतन अपराधी भी शामिल हैं, जिनसे जांच अधिकारियों द्वारा पूछताछ की जा रही है। यह पता चला है कि मासु पद्मा के साथ अवैध संबंध रखने और अपने बेटे को कोयला खदान की नौकरी देने से इनकार करने के लिए सुरजाना ने शांथैया के खिलाफ शिकायत की। कहा जाता है कि उसने लक्ष्मण को 30 लाख रुपये की जमीन की पेशकश की थी और अन्य जो लक्ष्मण और रमेश शांतैया को खत्म करने के लिए शामिल हुए थे। सृजना और लक्ष्मण ने संयुक्त रूप से पद्मा के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने के लिए शांतैया को खत्म करने की योजना बनाई, वह भी उसके पति शिवैया की जानकारी में्। उन्होंने शिवैया को मारने का फैसला किया क्योंकि उन्होंने अन्य दो को अफेयर जारी रखने की अनुमति दी थी। उन्होंने लक्सेटिपेट से दोनों को नौकरी के लिए एडवांस के रूप में 2 लाख रुपये का भुगतान किया। यह स्पष्ट नहीं है कि पद्मा की भतीजी मौनिका और उनकी बेटियाँ हिमबिन्दु और स्वीटी को भी क्यों मारा गया,पुलिससूत्रों ने कहा।

इस बीच, पुलिस को सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि चार संदिग्धों ने शुक्रवार की रात नासपुर मंडल के कोल केमिकल कॉप्लेस इलाके में एक फ्यूल फिलिंग स्टेशन से प्लास्टिक के दो कैन में 40 लीटर पेट्रोल खरीदा. चारों, एक अन्य व्यक्ति के साथ, फिर वेंकटपुर के लिए एक ऑटो-रिक्शा ले गए और संदेह है कि उन्होंने हत्या की है। पुलिस, जिसने अभी तक 10 व्यक्तियों की हिरासत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, हालांकि कहा कि तीन व्यक्ति हिरासत में हैं। सृजना और लक्ष्मण सहित तीन संदिग्धों को अब तक हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है कि इस वारदात में कितने लोग शामिल थे। अपराध के पीछे पद्मा के साथ शांतैया का अवैध संबंध और अपनी नौकरी और संपत्ति को अपने कानूनी उत्तराधिकारियों को हस्तांतरित करने की अनिच्छा है। एक या दो दिन में अधिक जानकारी का खुलासा किया जाएगा।

पुलिस ने कहा कि झोपड़ी में आग लगाने से पहले जहर देने और छह लोगों की हत्या करने के संदेह को लगभग खारिज कर दिया गया है। वे सोमवार को संदिग्धों को घटनास्थल पर ले जाकर क्राइम सीन रीक्रिएट करने की योजना बना रहे हैं। इस बीच, हालांकि शिवैया और पद्मा सहित चार अन्य लोगों का अंतिम संस्कार शनिवार को ही कर दिया गया था, लेकिन शांतैया का अंतिम संस्कार किया जाना बाकी है। उसके शव को मनचेरियल सरकारी सामान्य अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिया गया है।

तेलंगाना कांग्रेस में जंग तेज

विधायक सीतक्का समेत 13 ने पार्टी के पदों से दिया इस्तीफा

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी की तेलंगाना इकाई में आंतरिक कलह ने रविवार को 13 कांग्रेस नेताओं के साथ एक नाटकीय मोड़ ले लिया, उनमें से अधिकांश जो तेलुगु देशम पार्टी से पार्टी में शामिल हुए थे और हाल ही में पार्टी के पद दिए गए थे, उन्होंने व्यवहार के विरोध में अपने पदों से इस्तीफा दे दिया पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की। उन्होंने एआईसीसी के तेलंगाना प्रभारी मनिकम टैगोर को एक संयुक्त त्याग पत्र भेजा। इस्तीफे के बाद, पार्टी आलाकमान ने इस मुद्दे को हल करने के लिए एआईसीसी के तीन सचिवों को हैदराबाद भेजा है। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी ने 26 जनवरी से शुरू होने वाली 'हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा' को लेकर रविवार को गांधी भवन में एक तैयारी बैठक बुलाई थी। हालांकि, बैठक में भाग लेने वाले वरिष्ठ नेताओं में से कोई भी नहीं शनिवार को कांग्रेस विधायक दल के नेता भट्टी विक्रमार्क के आवास पर पहुंचे. इसके बाद टीडीपी से पूर्व में कांग्रेस में शामिल हुए रेवंत रेड्डी के समर्थकों सहित 13 नेताओं ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि अगर असंतुष्ट वरिष्ठ नेताओं के लिए उनका पद एक मुद्दा था, तो वे पार्टी को एकजुट रखने के लिए पदों को छोड़ने के लिए तैयार थे। पदों से इस्तीफा देने वाले नेताओं में मुलुगु विधायक दानसारी अनसूया उर्फ सीतक्का, वेम नरेंद्र रेड्डी, विजय रामा राव, सी वेंकटेश और येर्रा शेखर शामिल हैं।

चार पेज के त्याग पत्र में उन्होंने कहा कि पार्टी में आंतरिक कलह से राज्य के लोगों में गलत संदेश जा रहा है और इससे अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी की संभावनाओं पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारे लिए राज्य में पार्टी को सत्ता में लाना पदों से ज्यादा महत्वपूर्ण है। पार्टी में आंतरिक कलह का नवीनतम प्रकरण तेज हो गया क्योंकि वरिष्ठ नेताओं ने रेवंत रेड्डी के खिलाफ विद्रोह कर दिया और शनिवार को 'कांग्रेस बचाओ' योजना की घोषणा की। एन. उत्तम कुमार रेड्डी, मधु गौड़ यास्की और दामोदर राजनरसिम्हा सहित वरिष्ठ नेताओं ने भट्टी विक्रमार्क के आवास पर मुलाकात की और कहा कि पार्टी समितियों में हाल ही में नियुक्त किए गए अधिकांश लोग बाहरी और पूर्व टीडीपी नेता थे।

यहां तक कि 2021 में उत्तम कुमार रेड्डी की जगह लेने वाले रेवंत रेड्डी भी 2017 तक टीडीपी के साथ थे। उनकी नियुक्ति के समय भी, नेताओं में इस बात को लेकर काफी असंतोष था कि दिग्गजों की अनदेखी करते हुए शीर्ष पद के लिए एक नवागंतुक को कैसे प्राथमिकता दी गई। हालांकि, ताजा उकसावा तब हुआ जब पिछले हफ्ते आलाकमान ने कार्यकारी और राजनीतिक मामलों की समितियों सहित समितियों को मंजूरी दे दी, जिसमें कई वरिष्ठ शामिल नहीं है। वरिष्ठ नेताओं मालरेड्डी रंगा रेड्डी, अदांकी दयाकर और अन्य ने वरिष्ठ नेताओं के व्यवहार पर कड़ी आपत्ति जताई। दयाकर ने कहा कि वरिष्ठ नेता अनावश्यक रूप से रेवंत रेड्डी को निशाना बना रहे हैं और पार्टी को कमजोर कर रहे हैं। टीपीसीसी के उपाध्यक्ष मल्लू रवि ने कहा कि यह एक आंतरिक मामला है और इसे जल्द ही सुलझा लिया जाएगा।

पूर्व विधायक ने सांसद उत्तम कुमार रेड्डी पर साधा निशाना

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी के नेता और पूर्व विधायक ई. अनिल कुमार ने आज पार्टी सांसद और पूर्व पीसीसी अध्यक्ष एन. उत्तम कुमार रेड्डी पर जमकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उत्तम पार्टी के 12 विधायकों के पलायन के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने उत्तम और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं से पूछा कि जब पार्टी के 12 विधायक प्रतिद्वंद्वी टीआरएस पार्टी में शामिल हो गए तो उन्होंने कांग्रेस पार्टी बचाओ का नारा क्यों नहीं दिया? उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तम ने पिछले विधानसभा चुनावों में उन्हें पार्टी के टिकट से वंचित करने की पूरी कोशिश की और कहा कि सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क द्वारा किए गए प्रयासों के कारण उन्हें पार्टी का टिकट मिला। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उत्तम ने अपने समर्थक गुडुरु नारायण रेड्डी को पार्टी से इस्तीफा देने और प्रतिद्वंद्वी भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर किया। उन्होंने उत्तम से पूछा कि क्या उन्होंने अपने रिश्तेदार पी कौशिक रेड्डी को 8 करोड़ रुपये नहीं दिए? मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, अनिल ने असंतुष्ट नेताओं से पूछा कि क्या पीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी विभिन्न सार्वजनिक समस्याओं पर राज्य सरकार के खिलाफ नहीं लड़ रहे हैं? उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी अगले महीने 26 जनवरी से पदयात्रा करने जा रहे हैं।

हम तेलंगाना में एक साथ चुनाव चाहते हैं : लक्ष्मण

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने कहा कि वे राज्य में विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ कराना चाहते हैं। सीएम केसीआर पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केंद्र सरकार से धन प्राप्त करने के लिए प्रयास नहीं कर रहे हैं और रो रहे हैं कि राज्य को केंद्र सरकार से धन नहीं मिल रहा है।

उन्होंने सीएम से पूछा कि सरकारी जमीनों की बिक्री से उनकी सरकार की कमाई कहां गई? उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम अब राज्य के लोगों पर और बोझ डालने के लिए नए सिरे से कर्ज लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रियों को सम्मान नहीं दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि केसीआर अब अपनी राष्ट्रीय पार्टी के बारे में बात कर रहे हैं क्योंकि वह अपने पूर्व टीआरएस को वीआरएस देने के बाद राज्य के लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहे हैं। उन्होंने बीआरएस पार्टी के गठन को एकदम फ्लॉप सिनेमा करार दिया।

कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने भाई समेत कांग्रेस नेताओं को बीजेपी में शामिल होने का न्यौता दिया

नलगोंडा, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी नेता कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने रविवार को अपने भाई और भोंगिर सांसद कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से तेलंगाना में बीआरएस शासन को खत्म करने के लिए बीजेपी में शामिल होने के लिए कहा। चंदूर में एक संवाददाता सम्मेलन में राजगोपाल रेड्डी ने कहा कि राज्य में कांग्रेस की स्थिति उन्हें परेशान कर रही है। रेवंत रेड्डी के टीपीसीसी अध्यक्ष बनने के बाद कांग्रेस और कमजोर हो गई थी। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेता खुले तौर पर रेवंत रेड्डी के खिलाफ विद्रोह कर रहे थे, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं दामोदर राजनरसिम्हा, बत्ती विक्रमार्क और एन उत्तम कुमार रेड्डी से भाजपा में शामिल होने के लिए कहा। रेवंत रेड्डी पर अपने स्वार्थ के लिए कांग्रेस का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए राजगोपाल रेड्डी ने कहा कि रेवत रेड्डी के अधीन काम करने से बेहतर है कि राजनीति छोड़ दें।

एचपीएस-रमंतापुर का स्वर्ण जयंती समारोह संपन्न

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एचपीएस-रामंतपुर का साल भर चलने वाला स्वर्ण जयंती समारोह एक संगीतमय कार्यक्रम 'द ह्यूमनॉइड' के साथ संपन्न हुआ, जिसमें 700 से अधिक छात्रों की भागीदारी रही। अभिनेता-निर्देशक अदिवि शेष और एमए एंड यूडी के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार और अन्य उपस्थित थे। अरविंद कुमार ने एचपीएस-रमंतापुर को बुनियादी ढांचे और खुले स्थानों, खेल के मैदान, समावेशी शिक्षा, खेल सुविधाओं, हवादार क्लास रूम, मजबूत बुनियादी ढांचे के लिए सर्वश्रेष्ठ में से एक बताया। आदिवासी शेषने कहा कि स्कूल डिज़ाइनर स्कूलों के एक युग में खड़ा था, जो पश्चिम की ओर बढ़ रहा था और इसने माइक्रोसॉफ्ट प्रमुख सत्य नडेला जैसे विश्व स्तर के नेताओं का उत्पादन किया है।

प्रिंसिपल डॉ. एस. नरसिम्हा रेड्डी ने कहा कि एक समाज के रूप में हमें इस तथ्य के प्रति सचेत रहना चाहिए कि आज हम अपने बच्चों को जो मूल्य प्रदान करते हैं, वे भविष्य में हम जिस परिवर्तन की आशा करते हैं, वह लाएंगे। एचपीएस सोसाइटी के तत्वावधान में 1972 में स्थापित, एचपीएस-रामंतपुर उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर से 37.5 एकड़ में फैला हुआ है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पिछले पांच दशकों में अपनी अनूठी संस्कृति और शिक्षा के साथ, स्कूल को उन शानदार दिग्गजों के वंश पर गर्व है, जिन्होंने अपने चुने हुए रास्ते में महान ऊंचाइयों को छुआ है और वैश्विक मानचित्र पर अपनी छाप छोड़ी है।

बंडी संजय आरोप साबित करें तो इस्तीफा देने को तैयार : रोहित रेड्डी

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक पायलट रोहित रेड्डी ने आरोप लगाया कि भाजपा राज्य इकाई के अध्यक्ष बंदी संजय धर्म के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं और राज्य सरकार के खिलाफ झूठ बोल रहे हैं। तांडूर विधायक पायलट रोहित रेड्डी, जिन्होंने बंडी संजय को उन्हें बैंगलोर ड्रग्स मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से नोटिस मिलने की बात साबित करने के लिए रविवार को प्रतिज्ञा लेने के लिए चारमीनार के भाग्यलक्ष्मी मंदिर आने की चुनौती दी थी। रोहित रेड्डी ने कहा कि अगर बंडी संजय साबित करते हैं कि उनके आरोप सही हैं तो मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। अगर उनके पास वास्तव में कोई सबूत है, तो वह शपथ लेने के लिए यहां क्यों नहीं आ रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए, बीआरएस विधायक ने कहा कि मैं वेमुलावाड़ा या तांडूर भद्रेश्वर स्वामी या तेलंगाना के किसी अन्य मंदिर में भाजपा नेता के साथ प्रतिज्ञा करने के लिए तैयार हूं। यदि वह अपना आरोप साबित करते हैं, तो मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि बंदी संजय हिंदुत्व के नाम पर युवाओं को भड़का रहे हैं और केंद्र की भाजपा सरकार जानबूझकर जांच एजेंसियों की मदद से बीआरएस नेताओं को निशाना बना रही है।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in
विदेशी मुद्रा विभाग
6-1-56, सचिवालय मार्ग, सैफाबाद, हैदराबाद-500 004

संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक के लाइसेंस को रद्द किया जाना

विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम- 1999 की धारा 10(3) के अंतर्गत प्रदान किए गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक ने निम्नलिखित कंपनियों के संपूर्ण मुद्रा परिवर्तक (एफएफएमसी) लाइसेंस को स्वैच्छिक समर्पण के कारण निरस्त किया है।

क्र. सं.	पंजीकृत कार्यालय का नाम और पता	लाइसेंस संख्या	जारी करने की तारीख	निरस्ती की तारीख
1.	जेन फॉरेक्स अँड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, 10-2-274/सी/2,(पहली मंजिल), मिश्रा कंपाउंड, वेस्ट मारडपल्ली, सिकंदराबाद - 500 026	FE.HY.FFMC /075/2005-2006	31.03.2006	01.07.2022
2.	श्रीओम हॉलीडेज अँड फॉरेक्स (इं) प्राइवेट लिमिटेड 6-2-969 फ्लॅट नं 104, इंटेक रेसिडेंसी, संत निरंकारी भवन के सामने, खैरताबाद, हैदराबाद - 500004	FE.HY.FFMC /112/2012-2013	17.01.2013	13.10.2022

निरस्ती के परिणामस्वरूप, उपरोक्त कंपनियां मुद्रा परिवर्तन गतिविधियों पर 01 जनवरी 2016 के मास्टर निदेश, जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है और जो भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट (https://www.rbi.org.in) पर उपलब्ध है, के निर्देशानुसार मुद्रा परिवर्तन गतिविधियां या लेनदेन का कार्य नहीं करेंगी।

हस्ता/-
(आर कुमार)
उपमहाप्रबंधक

स्थान: हैदराबाद
दिनांक: दिसम्बर 19, 2022

नए डीजीपी के सामने 3 नई चुनौतियां

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट से क्राइसिस मैनेजर तक रहे भट्टी, अब नया रूप दिखाना होगा

पटना, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। संजीव कुमार सिंघल के 19 दिसंबर को रिटायरमेंट के बाद 1990 बैच के कड़क आईपीएस अधिकारी राजविंदर सिंह भट्टी को बिहार का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बनाया जा रहा है। चंडीगढ़ के मूल निवासी भट्टी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं और बिहार उनके लिए नई जगह नहीं है। वह अपने पुराने कार्यक्षेत्र में लौट रहे हैं, लेकिन इस बार चुनौतियां बिल्कुल नई हैं।

शुरुआती दौर से चर्चित रहे आईपीएस राजविंदर सिंह भट्टी

आईपीएस के रूप में कॅरियर की शुरुआत भट्टी ने बिहार के ही नवगछिया से की थी। नवगछिया में प्रोबेशन के दौरान ही भट्टी इनकाउंटर स्पेशलिस्ट के रूप में चर्चित हो गए थे। इसके बाद ट्रेनिंग के दौरान मुजफ्फरपुर में उनकी थर्ड डिग्री की चर्चा रहती थी। फिर एएसपी बाढ़ के रूप में भट्टी राजधानी तक चर्चा में तब आए, जब उन्होंने बाहुबली अनंत सिंह के विधायक भाई दिलीप सिंह को सदन के सत्र के दौरान ही पटना स्थित आवास से गिरफ्तार किया था। एसपी के रूप में भट्टी की पहली पोस्टिंग मधुबनी में तब हुई थी, जब वहां नरसंहार के बाद सवर्ण जातियां उबल रही थीं। वहां की स्थिति संभालने के बाद पटना में सिटी एसपी के रूप में पदस्थापित किए गए आर. एस. भट्टी ने एक के बाद एक कई चर्चित केस का टाइमलाइन देकर खुलासा किया। भट्टी अपनी पदस्थापना के साथ ही उस जिले के टॉप 10 क्रिमिनल को कंट्रोल करने का टास्क रखने के लिए चर्चित थे।

चुनौती 1.

पहले जैसे कुख्यात अपराधी नहीं, सीसीटीवी भरोसे पुलिस

भट्टी जिस दौर में बिहार में चर्चित रहे थे, उस समय से वर्तमान हालात में बहुत अंतर है। यह अंतर भट्टी के लिए चैलेंज होगा। पहले कुख्यात अपराधियों का जमाना था, लेकिन अब नए लड़कों का गिरोह बड़ी लूट, बैंक डकैती जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहा है। इसके अलावा, पहले जैसी हत्याओं का ट्रेंड भी नहीं है। अब एक-दो लोग छोटे कारणों से बाइक पर निकल हत्या जैसी संगीन वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस के पुराने सिस्टम में मुखबिरों की अहम भूमिका रहती थी, लेकिन कुछ वर्षों में पुलिस की पूरी निर्भरता सीसीटीवी पर है। जहां सीसीटीवी फुटेज मिले, पुलिस सफल होती है और ज्यादातर केस में नहीं मिलने के कारण उद्भेदन तभी होता है जब कांड का कारण किसी तरह सामने आ जाए। ऐसे में बिहार के डीजीपी के रूप में भट्टी को अपराधियों के ताजा ट्रेंड के हिसाब से नए रूप में उतरना होगा।

चुनौती 2.

मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट 'शराबबंदी' पर भारी जहरीली शराब

नए डीजीपी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट 'शराबबंदी' पर बहुत ज्यादा ध्यान देना होगा। भट्टी के लिए यह अलग तरह का चैलेंज इसलिए भी होगा, क्योंकि आबकारी में के. के. पाठक जैसे कड़क आईएएस अधिकारी को लगाने के बावजूद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूर्ण शराबबंदी को सफल नहीं बना सके हैं। चार दिनों के अंदर करीब 7 दर्जन लोगों की जहरीली शराब से मौत पर राज्य सरकार घिरी हुई भी है और लाचार भी दिख रही है। पुलिस थाने से स्पिरिट चोरी होकर जहरीली शराब बनाने की बात भी फिज़ा में है और जहरीली शराब के मृतकों के परिजनों पर ठंड से मौत बताने का पुलिसिया दबाव भी खबरों में है। राज्य सरकार शराबबंदी को सफल बनाने के लिए ड्रोन तक से निगरानी करवा रही है, फिर भी जहरीली शराब से मौतों के सिलसिले के बीच ही शराब से नई जगहों पर भी मौत की खबरें आ रही हैं। ऐसे में पुलिस की छवि सुधारते हुए शराब पर पूरी तरह से रोक का टास्क भी नए डीजीपी के लिए छोटा नहीं है।

चुनौती 3.

दमदार दाग: डीजीपी से कोई फर्जी जज बनकर काम करा ले

वर्तमान डीजीपी सिंघल पर सबसे दूर रहने का आरोप लगता रहा था और इसके अलावा वह पिछले दिनों चर्चा में तब आए थे, जब एक बिजनेसमैन ने फर्जी जज के रूप में बार-बार कॉल कर उनसे अपने आईपीएस मित्र का फेवर करा लिया था। जिस आईपीएस का पिछले डीजीपी ने फेवर किया, वह अबतक पुलिस गिरफ्त से दूर है। किसी डीजीपी से कोई फर्जी जज बनकर काम करा ले, यह शायद ही कहीं और हुआ हो। सिंघल के जाने के बाद भी बिहार पुलिस मुख्यालय पर लगा यह दाग शायद ही हट सके। इस दाग को धूमिल करना भी भट्टी के लिए जरूरी होगा। सीनियर आईपीएस अधिकारियों का कहना है कि इस दाग को धूमिल करते हुए आम लोगों के बीच रहना और कॉम्युनिटी पुलिसिंग जैसे कॉन्सेप्ट को बढ़ाना आर. एस. भट्टी के लिए अलग तरह का चैलेंज होगा।

आईपीएस भट्टी ने शहाबुद्दीन, प्रभुनाथ सिंह, दिलीप कुमार सिंह जैसे बाहुबलियों की गिरफ्तारी में प्रमुख योगदान दिया है।

बदले-बदले से नजर आए ओपी राजभर

बोले- 'जल्द राहुल गांधी से करेंगे मुलाकात'

लखनऊ, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी प्रमुख ओम प्रकाश राजभर अपनी आगे की रणनीति को लेकर अलग-अलग बयान दे रहे हैं. कभी वह बीजेपी में साथ जाने के संकेत देते हैं तो कभी कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तारीफ करने लगते हैं. राजभर ने रविवार को मऊ में एक कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी से मुलाकात करने का इशारा किया है यानी कि आने वाले समय में वह राहुल गांधी से मिल सकते हैं. मऊ में महिला हक अधिकारी रैली आयोजित कर रहे राजभर ने कहा कि मौजूदा समय में राहुल गांधी पसंदीदा नेता बन गए हैं. ओपी राजभर ने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा से वह प्रभावित हैं आने वाले चुनाव में राजनीतिक संभावनाओं पर राजभर ने कहा, 'कोई कहीं भी जा सकता है.' राहुल गांधी सितंबर से 'भारत जोड़ो यात्रा' कर रहे हैं. इस यात्रा में कांग्रेस के बड़े नेताओं और समर्थकों के साथ ही बॉलीवुड जगत की बड़ी हस्तियां भी शिरकत कर रही हैं. इसके अलावा पिछले दिनों आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन भी राहुल गांधी के साथ नजर आए थे. इस यात्रा के बाद से माना जा रहा है कि राहुल गांधी की लोकप्रियता बढ़ रही है.

बीजेपी में जाने के भी दे चुके हैं संकेत

बता दें कि इससे पहले राजभर बीजेपी के साथ जाने के भी संकेत दे चुके हैं. उन्होंने हाल ही में कहा था, ' राजनीति में कोई कसम किसी ने खाई है. क्या यूपी में बीजेपी और सपा का गठबंधन एक होने की संभावना कभी थी? बीजेपी और पीडीपी एक हो सकते हैं. अलगाववाद का नारा पीडीपी को बीजेपी के लोग बताते थे. लेकिन दोनों ने मिलकर कश्मीर में सरकार चलाई थी. राजनीति में नेता बार बार कहता हूं कि नेता दुमुहिया सांप होते हैं. कब क्या बोल देंगे कुछ पता नहीं.' राजभर की महिला हक-अधिकार रैली में बड़ी संख्या में अलग-अलग वर्ग की महिलाओं ने शिरकत की.

मेयर सीट के लिए जब बीजेपी से नहीं मिला टिकट

तो ट्रांसजेंडर प्रियंका ने निर्दलीय लड़ने का किया ऐलान

लखनऊ, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। किन्नर प्रियंका सिंह ने लखनऊ में नगर निकाय चुनाव में मेयर पद के लिए निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है. 19 दिसंबर से वह जनसंपर्क अभियान की शुरुआत करेंगी, जो कि हजरतगंज से होगा. लखनऊ में ऐसा पहली बार होने जा रहा है जब नगर निकाय चुनाव में मेयर पद पर कोई किन्नर प्रत्याशी ने चुनाव लड़ने का ऐलान किया हो. हालांकि प्रियंका सिंह ने भारतीय जनता पार्टी से टिकट मांगा था लेकिन उनकी वहां पर बात नहीं बनी. जिसके बाद उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला लिया है. साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि जिन मुद्दों को लेकर वह लोगों के बीच में जाएंगी उसमें सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है

नगर निगम से जुड़े हुए सभी कर्मचारियों की समस्या का समाधान. उन्होंने बताया कि कर्मचारियों को वेतन समय पर मिले इसका भी पूरा

ध्यान रखा जाएगा. साथ में शहर को साफ सुथरा बनाने पर भी उनका ध्यान होगा. इसके अलावा नगर निगम से जुड़ी हुई लोगों की हर समस्या का समाधान हो सके इस पर भी वह ध्यान देंगी और इन्हीं मुद्दों को जनता के बीच में लेकर जाएंगी.

किन्नर समाज को भी मुख्यधारा से जोड़ने का काम

प्रियंका सिंह ने यह भी बताया कि अगर मेयर पद वह जीत जाती हैं तो किन्नर समाज को भी मुख्यधारा से जोड़ने का काम करेंगी और उनको उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करेंगी. उन्होंने यह भी बताया कि मेयर पद जीतने के बाद नगर निगम में कर्मचारियों के पीएफ में जो घोटाला किया गया है उसकी पूरी जांच की जाएगी और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी और पीएफ का पूरा पैसा कर्मचारियों के खाते में डाला जाएगा.

क्या है प्रियंका का चुनावी नारा

किन्नर प्रियंका सिंह ने बताया कि इस पूरी चुनावी यात्रा के दौरान उनका एक ही नारा होगा कि 'हम साथ हैं सबका विकास है' इसी को लेकर वह आगे बढ़ेंगी.

निकाय चुनाव पर हाई कोर्ट के निर्णय पर टिकी सपा की नजर

संगठन को मजबूत करने पर फोकस

लखनऊ, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी की नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों पर ब्रेक लग गया है। सपा की नजर अब 20 दिसंबर पर टिक गई है इसी दिन हाई कोर्ट नगरीय निकाय चुनाव आरक्षण को लेकर सुनवाई कर रहा है। पार्टी को हाई कोर्ट के निर्णय का इंतजार है। यदि निकाय आरक्षण के कारण चुनाव टला तो सपा सबसे पहले संगठन को मजबूत करने में जुट जाएगी।

लोकसभा चुनाव पर पड़ेगा निकाय चुनाव का असर

पार्टी रणनीतिकारों का मानना है कि निकाय चुनाव खत्म होने के बाद वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव आ जाएंगे। ऐसे में निकाय चुनाव का असर लोकसभा चुनाव पर भी पड़ेगा। यदि हाई कोर्ट ने निकाय आरक्षण की याचिका खारिज कर दी तो आनन-फानन में चुनाव हो जाएंगे, ऐसे में सपा भी तत्काल प्रत्याशी घोषित कर चुनाव में जुट जाएगी। प्रत्याशी तय करने के लिए

पार्टी ने पहले ही प्रत्येक जिले में सभी प्रमुख नेताओं को शामिल करते हुए चुनाव संचालन समिति गठित की है। किंतु हाई कोर्ट ने यदि आरक्षण रद कर दिया तो कम से कम तीन से चार महीने बाद ही चुनाव हो पाएंगे। यदि निकाय चुनाव टलते हैं तो ऐसी परिस्थितियों में सपा पहले संगठन पर फोकस करेगी।

अगर चुनाव टला तो संगठन को मजबूत करेगी सपा

प्रदेश में नगरीय निकायों का कार्यकाल 12 दिसंबर से 19 जनवरी के बीच समाप्त हो रहा है। इस बार 760 नगरीय निकायों में चुनाव होना है।

इसके लिए अनंतिम आरक्षण भी प्रदेश सरकार ने जारी कर दिया है। नगर निगमों के मेयर, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों के अध्यक्ष एवं पार्षदों के आरक्षण को लेकर ही पेंच फंस गया है।

हाई कोर्ट में एक याचिका हुई जिसमें कहा गया है कि सरकार ने निकाय आरक्षण में पिछड़ों के आरक्षण में ट्रिपल टेस्ट का फार्मूला लागू नहीं किया है।

हाई कोर्ट ने प्रदेश सरकार से जवाब मांगा है। इस मामले की अगली सुनवाई 20 दिसंबर को होनी है।

मैनपुरी लोकसभा व खतौली विधानसभा चुनाव में मिली जीत से उत्साहित समाजवादी पार्टी को नगरीय निकाय चुनाव से भी बड़ी उम्मीदें हैं।

पार्टी इस चुनाव के जरिए शहरी मतदाताओं में अपनी पैठ बनाना चाहती है। इसलिए पार्टी इस चुनाव में बड़ी तैयारी के साथ उतरने की रणनीति बना रही है।

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर बोले

2025 का इंतजार क्यों, तेजस्वी को अभी सीएम बनाएं नीतीश

पटना, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) ने एक बार फिर बिहार के सीएम पर निशाना साधते हुए कहा कि नीतीश कुमार को तेजस्वी यादव को तुरंत सीएम बना देना चाहिए। उन्होंने कहा, मेरा सुझाव है कि 2025 का इंतजार करने की क्या जरूरत है, आज जो गठबंधन है, उसमें आरजेडी सबसे बड़ा दल है। नीतीश कुमार को अभी ही तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बना देना चाहिए।

पूर्व पुरातत्वविद का आरोप, 2014 के बाद विभाग हो गया लकवाग्रस्त

अयोध्या में बाबरी मस्जिद के नीचे श्रीराम मंदिर के अवशेषों को सबसे पहले देखने का दावा करने वाले पुरातत्वविद केके मोहम्मद ने एक किताब में आरोप लगाया है कि एएसआई 2014 के बाद पूरी तरह से लकवाग्रस्त बन गया था। पूर्व केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा ने इस आरोप का पूरी तरह खंडन किया है। साथ ही शर्मा ने पुरातत्वविद के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

ट्रेन में युवक की पीट-पीटकर हत्या महिला यात्री का मोबाइल चोरी किया

बरेली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। अयोध्या-दिल्ली एक्सप्रेस में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। यात्रियों को शक था कि उसने एक महिला यात्री का मोबाइल चोरी किया है। जीआरपी की पूछताछ में सामने आया कि करीब 50 किमी तक यात्री युवक को बेरहमी से पीटते रहे। इतना ही नहीं, जब युवक पिटाई से बेसुध हो गया, तो उसे ट्रेन से बाहर फेंक दिया। बरेली जीआरपी ने एक हत्यारोपी को अरेस्ट कर लिया है। फिलहाल पुलिस शव का पोस्टमॉर्टम करा रही है। ताकि केस को मजबूत बनाया जा सके। फिलहाल मृतक की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। इस घटना का वीडियो रविवार को सामने आया है।

पेट्रोल डालकर जिंदा जला दी थी संजलि को

न्याय से 90 गवाह दूर, देश में सुर्खियों में रहा था हत्याकांड

आगरा, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। आगरा में मलपुरा थाने के लालऊ में 18 दिसंबर 2018 को दिल दहलाने वाली घटना ने सुलहकुल नगरी को स्तब्ध कर दिया था। स्कूल से साइकिल पर घर आ रही दसवीं की छात्रा 15 वर्षीय संजलि को सिरफिरे ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। छात्रा 20 दिसंबर को दिल्ली के सफदर जंग अस्पताल में मृत्यु से जूझने के बाद जीवन की लड़ाई हार गई थी।संजलि न्याय से 90 गवाह दूर है। मामले में अब तक वादी और विवेचक समेत 18 लोगों की गवाही हो चुकी है। आगरा समेत पूरे देश में सुर्खियां बनी उक्त चर्चित हत्याकांड का पुलिस ने 24 दिसंबर 2022 को राजफाश करते हुए दो आरोपितों विजय निवासी कलवारी जगदीशपुरा और आकाश निवासी लखनपुर सिकंदरा को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मुख्य आरोपित तयेरे भाई योगेश ने खुदकुशी कर ली थी। सिरफिरे योगेश ने अपने साथियों के साथ साजिश रचने के बाद संजलि से बदला लेने के लिए उसे पेट्रोल डालकर जला दिया था। पुलिस ने 23 मार्च 2019 में विजय और आकाश के विरूद्ध आरोप पत्र न्यायाल में प्रस्तुत किया। जिसमें 108 गवाह बनाए हैं। न्यायालय में 16 अप्रैल 2919 को आरोपितों के विरुद्ध आरोप तय हुए। अभियोजन द्वारा संजलि के माता-पिता, विवेचक समेत 18 लोगों की गवाही कराई जा चुकी है। अगली गवाही अब 19 दिसंबर को है। वहीं, घटना में आरोपित विजय और आकाश फिलहाल जमानत पर हैं। मां अनीता कहती हैं कि संजलि को जिंदा जलाने वाले आरोपितों को सजा मिलने पर ही बेटी की आत्मा को शांति मिलेगी। उन्हें कानून और न्याय व्यवस्था पर पूरा विश्वास है। वह बेटी को तो नहीं बचा सकीं, लेकिन आरोपितों को सजा दिलाना चाहती हैं। जिससे कि कोई अन्य इस तरह का दुस्साहस न कर सके। बेटी की मृत्यु के बाद परिवार पर कई तरह की मुश्किलें आईं। उन्होंने हिम्मत नहीं हारी।

पत्नी के मकान मालिक से थे अवैध संबंध, पति ने पता चलते ही लगा ली फांसी

औरैया, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। औरैया जिले में बिधूना कोतवाली क्षेत्र के गांव चंदैया निवासी एक युवक ने शुक्रवार को पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर दिल्ली स्थित किराए के घर में फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक दिल्ली में रहकर पुताई का काम करता था। परिजनों ने मृतक की पत्नी और मकान मालिक के बीच अवैध संबंध को आत्महत्या की वजह बताया है। शनिवार को शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मचा गया। परिजनों ने मृतक की पत्नी पर हत्या का आरोप लगाया है। रुरुगंज क्षेत्र के गांव चंदैया निवासी नरेश उर्फ नक्शेबाज (32) पुत्र शिवनाथ सिंह की शादी 13 वर्ष पूर्व चौकी क्षेत्र के ही गांव देवराव निवासी महिला के साथ हुई थी। कुछ साल पहले नरेश अपनी पत्नी को लेकर दिल्ली के आनंद बिहार के मौजपुर क्षेत्र में रहने लगा।

पाक मंत्री बिलावल भुट्टो का सिर लाने वाले को दो करोड़ का इनाम

बीजेपी नेता ने किया ऐलान

बागपत, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर किए गए अशोभनीय टिप्पणी को लेकर पूरे देश में बवाल मचा है. जगह-जगह बीजेपी के नेता बिलावल भुट्टों केखिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं. इसी क्रम में बागपत के स्थानीय बीजेपी नेता ने बिलावल भुट्टो का सिर कलम कर लाने वाले को दो करोड़ इनाम देने का ऐलान कर दिया. बीजेपी नेता मनु पाल बंसल ने कहा कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो का सिर कलम कर जो लायेगा, उसे दो करोड़ रुपये का

इनाम दिया जायेगा. बागपत क्लेक्ट्रेट में बीजेपी नेता पाकिस्तान विदेश मंत्री पर कार्यवाही की मांग को प्रदर्शन कर रहे थे. उसी दौरान बीजेपी नेता व जिला पंचायत सदस्य मनुपाल बंसल ने ये बयान दिया. बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अशोभनीय टिप्पणी करने वाले पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो पर कार्रवाई की मांग को लेकर बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे थे. इस दौरान बीजेपी नेताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरने पर बैठे और बिलावल भुट्टो के खिलाफ नारेबाजी की. इसी दौरान बीजेपी के नेता व जिला पंचायत सदस्य मनुपाल बंसल ने कहा कि जो बिलावल भुट्टो का सिर कलम कर लायेगा उसको वे दो करोड़ रूपये का इनाम देंगे.

यूपी के फर्रुखाबाद में मुठभेड़, पुलिस ने 25 हजार के इनामी बदमाश को मार गिराया, दो जवान भी घायल

फर्रुखाबाद, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में रविवार तड़के पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई है। इस दौरान पुलिस ने 25 हजार के इनामी बदमाश को मार गिराया। मुठभेड़ के दौरान दो पुलिस के जवान भी घायल हो गए। मामला कायमगंज थाना इलाके का है। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने रविवार की सुबह एक बयान जारी कर बताया कि फर्रुखाबाद जिले के कायमगंज थाने की पुलिस के साथ रविवार सुबह हुई मुठभेड़ में 25 हजार रुपये के इनामी अपराधी की मौत हो गयी। मुठभेड़ में पुलिस के दो जवान भी घायल हो गए, जिन्हें कायमगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है और दोनों खतरे से बाहर हैं।

बदमाश ने पुलिस पर की फायरिंग

बयान के अनुसार एक अपराधी के मोटरसाइकिल पर आने की सूचना मुखबिर से मिलने के बाद फर्रुखाबाद जिले के कायमगंज थाने की पुलिस और एसओजी ने घेराबंदी की और मोटरसाइकिल सवार अपराधी को रुकने के लिए कहा, तो उसने पुलिसकर्मियों पर गोलियां चला दी। उन्होंने बताया कि पुलिस की जवाबी गोलीबारी में अपराधी गोली लगने से घायल हो गया, जिसे कायमगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया। सीएचसी से उसे राम मनोहर लोहिया, फर्रुखाबाद रेफर कर दिया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अपराधी की पहचान फर्रुखाबाद के चांदपुर निवासी देवेंद्र उर्फ पिंकू के रूप में हुई है।

अपराधी के खिलाफ 19 केस दर्ज थे

वह कायमगंज थाने के एक मामले में वांछित था और उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। 2016 में उसने अपने साथियों के साथ डकैती के दौरान पटियाली (कासगंज जिले में) में एक सेवानिवृत्त उप जिलाधिकारी (एसडीएम) रामावतार गुप्ता की हत्या कर दी थी। देवेंद्र पर वर्ष 2019 में ग्राम चांदपुर फर्रुखाबाद के कोटेदार रामनरेश तिवारी की अपहरण के बाद हत्या का भी आरोप था। पुलिस ने बयान में कहा कि देवेंद्र के खिलाफ 19 मामले दर्ज थे। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

भारतीय क्षेत्र में घुसा पाक ड्रोन

जवानों ने फायरिंग करके दिया मुंहतोड़ जवाब, सर्च ऑपरेशन जारी

गुरदासपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। ताजा मामला पंजाब के गुरदासपुर जिले का है। यहां के डेरा बाबा नानक में बीएसएफ की चंदू वडाला चौकी पर 250 मीटर की ऊंचाई पर भारतीय क्षेत्र में एक पाकिस्तानी ड्रोन देखा गया। हालांकि भारतीय जवानों ने फायरिंग करके इस ड्रोन को वापस पाकिस्तान की तरफ खदेड़ दिया। अब आसपास के इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

अमृतसर में भी जवानों ने पाक के नापाक मंसूबों पर फेरा था पानी

हालही में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के अमृतसर में पाकिस्तानी तस्करों के नापाक मंसूबों पर पानी फेरा था। अमृतसर जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास जवानों

ने ड्रोन से गिराई गई 4.490 किलोग्राम हेरोइन बरामद की थी। बीएसएफ ने इस मामले की जानकारी दी थी। बीएसएफ ने बताया था कि गुरुवार तड़के बीएसएफ के जवानों ने पंजाब के अमृतसर जिले में सीमावर्ती गांव दाओके के आसपास तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान जवानों को खेत में एक पीले रंग का पैकेट मिला। पैकेट को खोलने पर उसमें से 4.490 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई। बताया जा रहा है कि ये हेरोइन ड्रोन के जरिए सीमा पार से भारतीय क्षेत्र में गिराई गई थी। हेरोइन की कीमत करोड़ों में आंकी जा रही थी। वहीं बीएसएफ द्वारा आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। ये भी पता करने की कोशिश की जा रही थी कि इस हेरोइन का रिसीवर कौन था। गौरतलब है कि इन दिनों घने कोहरे की वजह से सीमा पर तस्करों की गतिविधियां बढ़ गई हैं। अक्सर इस दौरान पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियार और ड्रग्स भेजे जाने के मामले सामने आते हैं। मगर हाई टेक्नालॉजी और लगातार गश्त के चलते बीएसएफ काफी हद तक उनके मंसूबों पर पानी फेरती आ रही है।

शिक्षक भर्ती घोटाले में ईडी का लगातार एक्शन

अब तक 110 करोड़ की संपत्ति जब्त

कोलकाता, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। कोलकाता की एक अदालत ने पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में तृणमूल कांग्रेस के विधायक माणिक भट्टाचार्य और अन्य के खिलाफ दाखिल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोप पत्र पर संज्ञान लिया है. ईडी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. ईडी ने धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज मामलों की सुनवाई करने वाली विशेष अदालत के समक्ष दाखिल आरोप पत्र में भट्टाचार्य, उनकी पत्नी सतरूपा भट्टाचार्य, उनके बेटे सौविक भट्टाचार्य, तापस कुमार मंडल (एक शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के मालिक) और एक्यूरे कंसल्टेंसी सर्विसेज व एजुक्लास ऑनलाइन जैसी कंपनियों समेत कुल छह लोगों और संस्थाओं को नामजद किया है. ईडी ने शिक्षक भर्ती घोटाले में 56.15 करोड़ रुपये की संपत्तियों को कुर्क करने के अलावा 49.80 करोड़ रुपये की की नकदी, 5.08 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के सोने और आभूषण जब्त कर चुकी है. मामले में कुल जब्ती और कुर्की 111 करोड़ रुपये है. ईडी इस मामले में धन की हेराफेरी की जांच कर रही है. आरोप है कि भर्ती परीक्षा को पास नहीं करने वाले कई लोगों से लाखों रुपये की रिश्वत लेकर टीचर बना दिया गया था जबकि पद के लायक लोगों की अनदेखी कर दी गयी थी. इस घोटाले में कोलकाता हाईकोर्ट ने कहा है कि जरूरत पड़ी तो शिक्षा मंत्री को भी तलब किया जाएगा. पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग ने उन उम्मीदवारों की सूची जारी की है जिनके नाम की अवैध रूप से सिफारिश की गई थी. आयोग ने उन उम्मीदवारों की नियुक्ति रद्द करने की अनुमति के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. इस मामले में जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने सीधे तौर पर शिक्षा मंत्री के नाम का जिक्र किया था. शुक्रवार को मामले के दौरान उन्होंने कहा कि शायद पता चल जाए कि माध्यमिक शिक्षा परिषद असल गुनहागार है. अगर बोर्ड कुछ नहीं कर सकता तो शिक्षा मंत्री को तलब किया जा सकता है.

कथावाचक नटवरलाल ने युवती से किया दुष्कर्म, घर पर बुलाया, दुपट्टे से मुंह बंद किया और दरिंदगी की

श्योपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में कथावाचक नटवरलाल शास्त्री ने एक 19 साल की युवती को घर पर बुलाकर उसके साथ दरिंदगी की। पीड़ित युवती ने पुलिस से शिकायत की है। पीड़िता ने बताया कि कथा वाचक नटवरलाल शास्त्री ने उसे अपने घर बुलाया और उसके साथ दरिंदगी की। पुलिस ने आरोपी कथावाचक के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। शहर के मधुबन कॉलोनी में रहने वाली 19 वर्षीय युवती ने पास में ही रहने वाले कथावाचक नटवरलाल शास्त्री पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है।

पालघर में नाबालिग के साथ रातभर गैंगरेप, पुलिस ने 8 आरोपियों को किया गिरफ्तार

मुंबई, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुंबई महानगर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पालघर में एक नाबालिग लड़की के साथ कतिथ तौर पर आठ लोगों ने गैंगरेप किया. पीड़िता के मुताबिक, 16 दिसंबर की शाम से लेकर 17 दिसंबर की सुबह 11 बजे तक आरोपियों ने उसके साथ गैंगरेप किया. पुलिस ने मामला दर्ज कर आठों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. पालघर के सातपाटी पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और पॉक्सो कानून की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 376(डी)(ए), 376(3), 366(ए), 341, 342, 323, 504, 506 और पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 6, 8 और 12 के तहत मामला दर्ज किया है.

पीड़िता के पिता ने कहा

शनिवार (17 दिसंबर) को पीड़िता के पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी नहीं मिल रही है. उन्होंने बताया कि फोन करने पर बेटी सिर्फ रो रही है. सूचना मिलने पर पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया तो पीड़िता हरणवाडी इलाके में मिली.

पीड़िता ने बताई ये आपबीती

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार (16 दिसंबर) को आरोपी उसे समंदर किनारे एक बंगले में ले गए थे. उसने बताया कि रात आठ बजे अगली सुबह 11 बजे तक आठ आरोपियों ने

उसके साथ रेप किया. पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है.

सहेलियों के साथ तट पर गई थी पीड़िता

स्थानीय मीडिया के मुताबिक, पालघर के माहिम में 15 वर्षीय किशोरी के साथ एक सुनसान इलाके में गैंगरेप की वारदात की अंजाम दिया गया. पीड़िता अपनी सहेलियों के साथ टेंबी इलाके में समुद्र तट के पास गई थी, जहां आठ आरोपियों ने बारी-बारी से उसके साथ घिनौने अपराध को अंजाम दिया. शनिवार (17 दिसंबर) की सुबह आरोपियों ने डर के मारे पीड़िता को पालघर के हरणवाडी इलाके में छोड़ दिया. इधर पुलिस पीड़िता के मोबाइल की लोकेशन पता लगा रही थी. लोकेशन ट्रेस करते हुए पुलिस पीड़िता के पास पहुंच गई.

इन इलाकों के हैं आरोपी

सभी आरोपी माहिम, हनुमानपाड़ा, टेंबी, सफाले और वडराई इलाके के रहने वाले हैं. इस वारदात का पता लगने के बाद पालघर में सनसनी मच गई है.

जिला अस्पताल के आईसीयू में पतली कमरिया गाने पर कर्मचारियों का डांस, वॉर्ड बॉय निलंबित

दतिया, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। दतिया जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में कर्मचारियों द्वारा फिल्मी गाने पर ठुमके लगाए जाने का मामला सामने आया है। वीडियो वायरल होने के बाद जिला स्वास्थ्य विभाग के सिविल सर्जन ने हरकत में आते हुए कर्मचारियों पर कार्रवाई की, जिसमें अस्पताल के वॉर्ड बॉय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, वहीं अस्पताल में लगे कंपनी के सुरक्षा गार्डों पर कार्रवाई करने के लिए कंपनी को पत्र जारी किया गया है। जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में वॉर्ड बॉय और कुछ गार्ड 'पतली कमरिया' गाने पर ठुमके लगा रहे थे। वीडियो में वॉर्ड बॉय चतुर्भुज शुक्ला, दिलीप और रविंद्र यादव सहित तीन गार्डों के साथ जमकर नाच रहे हैं, जहां यह वीडियो बनाई गई,वह आईसीयू के पास है। अस्पताल के आसपास शोर-शराबे पर प्रतिबंध रहता है। ट्रामा सेंटर में इमरजेंसी मरीजों का आना जाना हर समय रहता है। इसके बावजूद कर्मचारी संवेदनशील जगह पर वीडियो बनाकर मौज मस्ती करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद वीडियो में दिख रहे वॉर्ड बॉय चतुर्भुज शुक्ला को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। सिविल सर्जन डॉ. के सी राठौर ने सिक्योरिटी कंपनी को पत्र जारी कर कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं। जिला सिविल सर्जन डॉ केसी राठौर का कहना है कि संवेदनहीन मामला है कार्रवाई होगी।

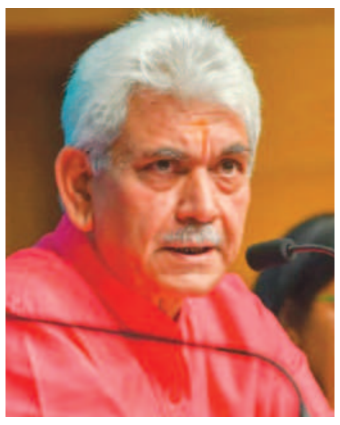

जम्मू कश्मीर: उपराज्यपाल बोले

आतंकी तंत्र को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए निर्णायक कदम उठा रहे

जम्मू, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकी तंत्र को पूरी तरह से ध्वस्त करने के लिए कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर सबसे तेजी से विकसित होने वाले केंद्र शासित प्रदेशों में से एक के रूप में उभरा है। पिछले तीन वर्षों में प्रदेश ने नई आशा और विश्वास के साथ प्रगति की है। जम्मू-कश्मीर के उज्ज्वल भविष्य की पटकथा लिखी जा रही है। आर्थिक विकास को गति देने और युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सहायक योजनाओं और नीतियों को बनाने में उचित कदम उठाए गए हैं। उपराज्यपाल शनिवार को मुंबई में बदलता जम्मू-कश्मीर विषय पर हुए सम्मेलन में बोल रहे थे। उपराज्यपाल ने कहा, पिछले तीन वर्ष में पीएमईजीपी, बुनियादी ढांचे के विकास और परियोजनाओं को पूरा करने में तेजी दिखाई गई है। जम्मू-कश्मीर में विकास की गति के साथ सामाजिक-आर्थिक विकास, प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में प्रगति, पर्यटकों को आवागमन और औद्योगिक निवेश की दिशा में उचित कदम उठाए गए हैं। समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने के लिए सरकार ने कई नई पहल की हैं। जन हितैषी शासन को लागू करने, नए उद्योग स्थापित करने में आ रही दिक्कतों को दूर किया जा रहा है। सभी को समान अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। अनुच्छेद 370, अलगाववाद, आतंकवाद, भाई भतीजावाद, भेदभाव और भ्रष्टाचार ने जम्मू-कश्मीर को विकास से दूर रखा। पिछले तीन साल में जम्मू-कश्मीर विकासात्मक यात्रा में आगे बढ़ा है। भारत एक वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। 21640 नई विर्निर्माण व सेवा इकाइयों के साथ 1.70 लाख नौकरियों को सृजित किया गया है। जम्मू-कश्मीर पसंदीदा फिल्म शूटिंग के रूप में दोबारा उभर रहा है। मुंबई फिल्म उद्योग से सहयोग मिल रहा है। इस दौरान विशिष्ट अतिथियों और प्रमुख वक्ताओं ने जम्मू-कश्मीर में हो रहे परिवर्तनकारी परिवर्तनों पर अपने विचार रखे।

एमपी: गुजरात फॉर्मूला अपनाया तो 48 मौजूदा बीजेपी विधायकों के टिकट पर लटकेगी तलवार

ग्वालियर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात की बंपर जीत के बाद आने वाले 2023 के एमपी के विधानसभा चुनाव में गुजरात फॉर्मूला अपनाया जाने की सम्भवना बढ़ गई है. दरअसल, गुजरात में बीजेपी ने 40 फीसदी मौजूदा विधायकों के टिकट काट दिए थे. नतीजे आए तो भाजपा ने कुल सीटों में से 86 फीसदी सीटें जीतकर इतिहास रच दिया. गुजरात के एतिहासिक नतीजों के बाद आने वाले 2023 के मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में गुजरात फॉर्मूला अपनाया जाने के आसार लग रहे हैं. अगर गुजरात फार्मूला अपनाया जाता है तो यहां पर मौजूदा 122 में से 48 विधायक के टिकट पर तलवार लटक जाएगी. एमपी भाजपा के संगठन ने भी साफ कर दिया है कि यहां पर गुजरात की तर्ज़ पर चुनाव लड़ा जाएगा. यही वजह है कि उपचुनाव में हारने वाले सिंधिया समर्थकों के टिकट पर संकट खड़ा हो गया है.

भाजपा ने शुरू की तैयारी

मध्य प्रदेश में साल 2023 के विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने तैयारियां शुरू कर दी हैं. 2018 में मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने भाजपा को झटका देते हुए 15 साल बाद वापसी हुई थी, लेकिन 2020 में सिंधिया की कांग्रेस से बगावत के बाद भाजपा फिर से सत्ता में काबिज़ हो गई. यही वजह है कि 2023 में भाजपा के लिए चुनाव बड़ी चुनौती है. नेतृत्व और प्रत्याशियों को लेकर बीजेपी में अभी से लॉबिंग शुरू हो गई है. इसी बीच गुजरात में 40 फीसदी पुराने चेहरों के टिकट काटकर बीजेपी के केंद्रीय संगठन ने सभी राज्यों को मैसेज दिया है. मध्य प्रदेश में बीजेपी के नेताओं में भी यह चर्चा छिड़ गई है. संगठन की बैठकों में नेतृत्त्व ने मौजूदा मंत्री विधायकों को ये मैसेज भी दे दिया है. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने साफ तौर पर कहा कि गुजरात फॉर्मूले से अपार सफलता मिली है. लिहाज़ा यहां पर भी 2023 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 51 फीसदी वोट हासिल करने का लक्ष्य रखा है. इसके लिए गुजरात फॉर्मूले के साथ जो भी जीत के अन्य बिन्दुओं पर भी मंथन किया जाएगा. मध्य प्रदेश में अगर गुजरात की तर्ज़ पर चुनाव लड़ा जाता है तो भाजपा 40 फीसदी टिकट बदल सकती है. ऐसे में मौजूदा 122 विधायक मंत्रियों में से 48 के टिकट पर तलवार लटक जाएगी. 111 सीट पर हारे हुए चेहरे भी बदले जा सकते हैं. गुजरात फॉमूले के चलते सिंधिया समर्थक मौजदा मंत्री विधायक और उपचुनाव में हारे हुए लोगों के टिकट पर तलवार लटक जाएगी. इनमें डबरा से इमरती देवी, ग्वालियर से मुन्ना लाल गोयल, करैरा से जसवंत जाटव, मुरैना से एदल सिंह कंसाना, रघुराज कंसाना, गिरिराज दंडौतिया, भिंड गोहद से रणवीर जाटव के टिकट पर तलवार लटकेगी. गुजरात में टिकट कटने के बाद बंपर जीत से सिंधिया समर्थक भी मानसिक रूप से तैयार हैं.

बच्ची को नशीली दवा देती थी महिला, फिर बेटा करता था दुष्कर्म, कोलकाता पुलिस ने दोनों को किया गिरफ्तार

कोलकाता, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। दरअसल, यहां पुलिस ने एक लड़की से कथित दुष्कर्म के मामले में शनिवार को कोलकाता के हरिदेवपुर इलाके से मां-बेटे को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए महिला और उसके बेटे को गिरफ्तार कर लिया तथा उनके खिलाफ पॉक्सो कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, आरोपी महिला के साथ 'ब्यूटीशियन' का कोर्स करने वाली लड़की को अक्तूबर में महिला के घर बुलाया गया और वहां कथित तौर पर उसे नशीला पदार्थ मिला हुआ खाना खिला दिया गया। अधिकारी ने कहा कि लड़की के बेहोश होने के बाद महिला के बेटे ने कथित तौर पर उससे कई बार दुष्कर्म किया। उन्होंने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है।

चंदन गांव के पास भीषण सड़क हादसा, तेज रफ्तार डंपर ने ली तीन लोगों की जान

छिंदवाड़ा, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा नागपुर हाईवे पर चंदनगांव के पास एक तेज रफ्तार डंपर ने छह लोगों को रौंद दिया, जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोगों को छिंदवाड़ा अस्पताल में एडमिट कराया गया था,

घाटी में जमात की एक अरब की संपत्तियां जब्त, एसआईए की कार्रवाई

जम्मू, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी के जिला बारामुला, बांदीपोरा, गांदरबल और कुपवाड़ा में एसआईए की सिफारिश पर संबंधित डीएम की अधिसूचना के बाद जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) की एक अरब रुपये मूल्य की एक दर्जन संपत्तियां जब्त की हैं। साथ ही उनके उपयोग और प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। एसआईए ने बताया कि अलगाववादी गतिविधियों के लिए धन की उपलब्धता को रोकने, राष्ट्र-विरोधी तत्वों और आतंकी नेटवर्क के पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने के लिए उपरोक्त जिलों में संबंधित अधिकारियों द्वारा अधिसूचित किया गया है। उन्होंने कहा कि इन परिसरों/संरचनाओं को वर्जित कर दिया गया है। इसके अलावा संबंधित राजस्व अभिलेखों में इस आशय की रेड एंट्री की गई है। जब्ती की कार्यवाही के दौरान यह पाया गया कि कुपवाड़ा और कंगन के शहरों में लगभग दो दर्जन व्यापारिक प्रतिष्ठान वर्तमान में जेईआई की इन संपत्तियों से किराए पर चल रहे हैं। जांच के बाद निर्णय लिया गया है कि जो इन गतिविधियों से संबंधित नहीं हैं उन्हें काम करने दिया जाए। साथ ही किराएदारों को दंडित नहीं किया जाए। गौरतलब है कि बारामुला, बांदीपोरा, कुपवाड़ा और गांदरबल में संपत्तियां जम्मू-कश्मीर में जमात-ए-इस्लामी से संबंधित संपत्तियों की श्रृंखला में अधिसूचित की जाने वाली संपत्तियों का तीसरा समूह है। एसआईए ने केंद्र शासित प्रदेश में जेईआई की 188 संपत्तियों की पहचान की है, जिन्हें या तो अधिसूचित किया गया है या आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए अधिसूचित किए जाने की प्रक्रिया के तहत हैं। बयान के अनुसार यह पुलिस थाना बटमालू में धारा 10, 11 और 13 के तहत वर्ष 2019 की एफआईआर संख्या 17 की जांच के परिणामस्वरूप है।

नामीबिया के बाद दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों के आने की तैयारी पूरी, 10 जनवरी तक कूनो आएंगे

श्योपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क एक बार फिर सुर्खियों में है। नामीबिया के बाद अब दक्षिण अफ्रीका से चीतों की दूसरी खेप लाई जा रही है। दक्षिण अफ्रीका से आने वाली 12 चीजों को 10 जनवरी को लाया जाएगा। इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई है। देशभर में कूनो अभ्यारण की पहचान चीतों को लेकर हो रही है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि पूरे देश में चीतों को यह जगह बेहद पसंद आ रही है। कूनो अभ्यारण के डीएफओ प्रकाश वर्मा का कहना है कि भारत सरकार और दक्षिण अफ्रीका सरकार के बीच 12 चीते लाने की बातचीत हो चुकी है और उम्मीद जताई जा रही है कि 10 जनवरी तक चीतों की दूसरी खेप मिलने वाली है। इसको लेकर कूनो अभ्यारण में तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। डीएफओ प्रकाश वर्मा ने बताया है दक्षिण अफ्रीका से आने वाले 12 चीतों के लिए अलग से 8 नए बाड़े तैयार हो चुके हैं और 6 बाड़े पहले से बने हुए हैं। यानी दक्षिण अफ्रीका से आने वाले 12 चीतों को कॉरेन्टाइन करने के लिए कूनो में अब तक 14 बाड़े तैयार हैं। गौरतलब है कि नाबिमिया से आये चीते अब कूनो अभ्यारण में पूरी तरह से ढल चुके हैं। अभ्यारण का वातावरण उन्हें पूरी तरह पसंद आ रहा है यही कारण है कि वह अब धीरे-धीरे अपना पेट भरने के लिए खुद शिकार करने लगे हैं। इसलिए अब दक्षिण अफ्रीका से कूनो अभ्यारण में चीतों की दूसरी खेप लाई जा रही है और इसके लिए अंतिम तैयारियां पूरी हो चुकी है।

आउटसोर्स कर्मचारियों से मिले कमलनाथ

बोले- अस्थाई ठेके की परंपरा सैद्धांतिक रूप से गलत

भोपाल, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। मप्र के अलग-अलग विभागों में काम कर रहे आउटसोर्स कर्मचारी आज प्रदेश कांग्रेस कमेटी ऑफिस के बाहर धरना देने पहुंचे। यहां कर्मचारियों से पीसीसी चीफ कमलनाथ ने मुलाकात की। कर्मचारियों से मिलने के दौरान कमलनाथ ने आउटसोर्स और ठेकेदारी की व्यवस्था को गलत बताया। कमलनाथ पीसीसी में आयोजित कांग्रेस के पूर्व मंत्रियों, विधायकों, सांसदों सहित वरिष्ठ नेताओं की बैठक में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। कमलनाथ से कर्मचारियों ने कहा- कि उन्हें प्रशासन धरने की परमिशन नहीं दे रहा है। हमने नीलम पार्क और चिनार पार्क की परमिशन मांगी थी लेकिन हमारी परमिशन रात में कैंसिल कर दी गई। ये सुनकर कमलनाथ ने कहा कि सरकार सबकी आवाज दबाना चाहती है। ये आउटसोर्सिंग और ठेके की परंपरा ही सैद्धांतिक रूप से गलत है। आप लोग सच्चाई का साथ दीजिए। कांग्रेस की सरकार बनने के बाद इस परंपरा को खत्म किया जाएगा। आज रोजगार से ज्यादा रोजगार की सिक्योरिटी बड़ी चिंता है। इस व्यवस्था में आरक्षण भी लागू नहीं होता। कमलनाथ से मुलाकात के बाद मप्र कांग्रेस अस्थाई संविदा कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष बासुदेव शर्मा ने बताया कि सरकारी विभागों में अस्थाई आउटसोर्स प्रथा लागू की गई है। हमारी मांग है कि जो कर्मचारी जिन विभागों में काम कर रहे हैं उन्हें परमानेंट कीजिए। हमने पीसीसी परिसर में एक दिवसीय धरना देकर कमलनाथ जी को अपनी पीड़ा बताई है। 13 सितंबर को हम लोगों ने चिनार पार्क में धरना दिया था हमें गिरफ्तार कर लिया गया।

सुकेश चंद्रशेखर ने जारी किया नया पत्र, लिखा- मुझ पर बनाया जा रहा बीजेपी का नाम लेने का दबाव

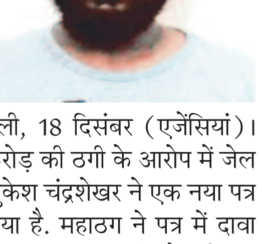

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। दौ सौ करोड़ की ठगी के आरोप में जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने एक नया पत्र जारी किया है. महाठग ने पत्र में दावा किया है कि उस पर अरविंद केजरीवाल की ओर से दबाव बनाया जा रहा है कि वह मीडिया के सामने यह कहे कि उसने पहले जो भी पत्र लिखे थे, बीजेपी के दबाव में आकर लिखे थे. सुकेश ने कहा है कि किसी ने उसे पत्र लिखने के लिए नहीं कहा. उसने अपनी मर्जी से सारे पत्र लिखे थे, जिनमें बताई गईं सभी घटनाएं और दावे सत्य हैं. सुकेश चंद्रशेखर ने आगे कहा है कि उसकी इन चिट्ठियों के सामने आने के बाद एमसीडी चुनाव पर काफी असर पड़ा. आम आदमी पार्टी अपने मंत्री सत्येंद्र जैन के विधानसभा क्षेत्र में सभी वार्ड हार गई और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के विधानसभा क्षेत्र में उसे 4 में से 3 वार्डों में हार का सामना करना पड़ा. सुकेश ने अपने नए पत्र में फिर दोहराया है कि आम आदमी पार्टी के इशारे पर उसे जेल के अंदर धमकाया जा रहा है. यह पत्र एलजी द्वारा गठित एक समिति द्वारा सुकेश के दावों में प्रथम दृष्टया सबूत पाए जाने के ठीक 2 दिन बाद आया है. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और जेल में बंद मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ महाठग सुकेश चंद्रशेखर के आरोपों की जांच के लिए गठित गृह विभाग के प्रिंसिपल सचिव की अगुवाई वाली पैनल ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है. सुकेश के नए पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, 'एक और खुलासा सुकेश की तरफ से हुआ है. हाल ही में एक पैनल ने पाया था की सुकेश के अभी तक के आरोप संवेदनशील हैं. आज तक अरविंद केजरीवाल, जेल में बंद सत्येंद्र जैन को कट्टर ईमानदार कहते हैं. अरविंद केजरीवाल की वसूली कंपनी ठगाई करती है, देश के अंदर और जेल के अंदर.'पिछले कुछ दिनों से सुकेश चंद्रशेखर अपनी ठगी के मामलों से ज्यादा राजनीतिक आरोपों को लेकर चर्चा में है. उसने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उनके मंत्रियों सतेंद्र जैन और मनीष सिसोदिया पर कई आरोप लगाए हैं. सतेंद्र जैन और तिहाड़ जेल के पूर्व महानिदेशक पर भी उसने उगाही के आरोप लगाए थे. मालूम हो कि सतेंद्र जैन इस समय दिल्ली के तिहाड़ जेल में ही बंद है. सुकेश के वकील अनंत मलिक ने हाल ही में मीडिया से कहा था, '14 और 15 नवंबर को सत्येंद्र जैन के खिलाफ उनके मुवक्किल की स्टेटमेंट जेल में रिकॉर्ड की गई थी. स्टेटमेंट रिकॉर्ड होने के बाद से ही सुकेश की मां के फोन पर धमकी भरी कॉल्स आ रही हैं. सुकेश ने कुछ फोन नंबर के स्क्रीन शॉट भी शेयर किए थे, जिनसे उसकी मां के नंबर पर मिस्ड कॉल्स आई थीं. टेलीफोन डाइरेक्टरी वाली एप पर ये नंबर मनीष सिसोदिया और सतेंद्र जैन के नाम दिखाए गए हैं.'

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 19 दिसंबर, 2022

मासूम छात्रों पर अत्याचार

हाल ही में दिल्ली के एक प्राइमरी स्कूल की शिक्षिका को एक छात्रा पर इतना गुस्सा आया कि उसने उसे स्कूल की पहली मंजिल से नीचे फेंक दिया। गनीमत रही कि बच्ची बच गई लेकिन अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। इसके पहले भी उक्त शिक्षिका ने पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक बच्ची को बुरी तरह से पीटा था। यही नहीं एक बच्चे पर कैंची से वार करने की भी वारदात हो चुकी है। ऐसे में सवाल वाजिब है कि क्या ऐसे व्यक्ति को बच्चों को पढ़ाने-लिखाने लायक माना जाना चाहिए? कितना भयानक दृश्य होगा जब दिल्ली में एक प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका ने स्कूल परिसर में खुद पर अपना नियंत्रण खो दिया और उसने बच्ची को छत से नीचे फेंक दिया। बहरहाल, बच्ची किसी तरह जिंदा बच गई है और उसका इलाज चल रहा है। इस घटना ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है कि शिक्षकों की नियुक्ति से पहले जरूरी योग्यताओं की तो जांच पडताल की जाती है लेकिन उसके भीतर पनप रही आंतरिक कुंठा की जांच कैसे की जाए। शिक्षक की भूमिका अदा की बुनियाद ही यही है कि वह अपनी जिम्मेदारियों और बर्ताव को लेकर बेहद सजग और संयत रहेगा। मगर किसी भी स्थिति में अगर एक बच्ची के साथ ऐसी क्रूर घटना होती है तो यह गंभीर चिंता की बात है। खबरों के अनुसार आरोपी शिक्षिका के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया जरूर शुरू कर दी गई है, लेकिन प्रथम दृष्टया तो यही लगता है कि एक सामान्य मनोदशा का व्यक्ति किसी बच्चे के प्रति ऐसा बर्ताव कदापि नहीं कर सकता। एक शिक्षक के लिए बच्चों को पढ़ाने-लिखाने के साथ-साथ उनके साथ पेश आने के सलीके पर भी ध्यान रखना जरूरी होता है। शिक्षकों के लिए यही पेशागत जिम्मेदारी है। वैसे भी कानून स्कूल में बच्चों को पीटना तो दूर, डांटने-फटकने पर भी सख्त मनाही है। यदि कोई शिक्षक इस कानून का पालन न करते हुए बच्चों से दुर्व्यवहार करता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। इसके बावजूद ऐसे शिक्षकों के बेलगाम बर्ताव की खबरें अक्सर आती रहती हैं, जिसमें किसी बच्चे को पीटने या यातना देने की अपनी कुंठा को वे ड्यूटी का हिस्सा समझ लेते हैं। ज्यादा दिन नहीं हुए, जब उत्तर प्रदेश के कानपुर के एक निजी स्कूल में पांचवीं कक्षा के एक छात्र के हाथ पर अध्यापक ने सिर्फ इसलिए छेद करने वाली ड्रिल मशीन चला दी कि वह दो का पहाड़ा नहीं सुना सका था। इसी तरह, कुछ समय पहले राजस्थान में जालौर के एक स्कूल में शिक्षक की पिटाई से एक दलित बच्चे की मौत की खबर सुर्खियों में रही थी। वजह सिर्फ यह थी कि दलित जाति के बच्चे ने स्कूल की मटकी से पानी पी लिया था। सवाल है कि एक शिक्षक की जिम्मेदारी और संवेदनाओं को भूल कर कोई व्यक्ति अगर बच्चों के खिलाफ इस तरह के बर्बर व्यवहार करने लगे तो किस कसौटी पर उसे शिक्षक होने के योग्य कहा जा सकता है! शिक्षक बनने की योग्यता हासिल करने के क्रम में प्रशिक्षण की प्रक्रिया से गुजरने के दौरान न केवल पाठ को पढ़ाने के तौर-तरीके बताए जाते हैं, बल्कि बाल मनोविज्ञान और उसकी परतों को ध्यान में रखते हुए व्यवहारगत सलीकों का भी अध्ययन कराया जाता है। इसके बावजूद अगर कुछ शिक्षक अपनी मानसिक दुर्बलता की वजह से बच्चों के प्रति इस तरह से बर्बरता की हद पार कर जाते हैं तो इसे कैसे देखा जा सकता है। अगर कोई शिक्षक किसी तरह की विपरीत मानसिक परिस्थिति से गुजर रहा हो, तो उसे मनोवैज्ञानिक परामर्श या चिकित्सा का सहारा लेना चाहिए। ऐसे सनकी मानसिक कुंठा के शिकार शिक्षकों की बेवकूफी का खमियाजा मासूम छात्रों को क्यों भुगतना पड़े? इसके लिए कडी से कडी व्यवस्था की जाना जरूरी समझा जाने लगा है।

राष्ट्रपति का साहसिक भाषण

रघु ठाकुर

देश की वर्तमान राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने अनेक कारणों से उम्मीद जगाई है। यह निर्विवाद सत्य है कि राष्ट्रपति पद का चुनाव सत्ताधारी दल या बहुमत वाले दल की जरूरतों के हिसाब से ज्यादा तय होता है न कि योग्यता की कसौटी पर। स्व. ए.पी.जे. कलाम जब राष्ट्रपति बने थे तो उस समय केन्द्र में अटल जी की सरकार के पास अपना पूर्ण बहुमत नहीं था और श्री मुलायम सिंह यादव इत्यादि से राष्ट्रपति पद पर समर्थन हासिल करने के लिये भा.ज.पा. को एक ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता थी जो मुलायम सिंह को तर्क दे सके और भाजपा के अनुकूल रहे। स्व. जार्ज फर्नांडीज़ ने अपनी भूमिका अदा की और अटल जी तथा मुलायम जी के बीच मध्यस्ता की भूमिका निभाते हुये कलाम साहब का नाम तय कराया। स्व. मुलायम सिंह की अल्पसंख्यकों के मध्य मसीहाई छवि बनी रही और उन पर भाजपा के समर्थन का आरोप नहीं लग पाया। और अटल सरकार की भी राजनैतिक आवश्यकता की पूर्ति हो गई। इसमें कोई दो मत नहीं है कि ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सज्जन पढ़े-लिखे, ईमानदार व्यक्ति थे परन्तु राजनैतिक क्षमता के अभाव में वे भी उसी प्रकार सरकार की बात मानते रहे जैसे पूर्ववर्ती कांग्रेस के समय के राष्ट्रपति महोदयों ने किया था। एक बार तो विदेश यात्रा में रहते हुये उन्होंने भी सरकार के कहने पर देर रात विवादस्पद फाईल पर हस्ताक्षर कर दिये थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपने राजनैतिक गणित में काफी माहिर है और पिछली बार उन्होंने श्री रामनाथ कोविंद जी एक पिछड़ी जाति कोरी समाज जो अनुसूचित जाति में शामिल है से आते थे उन्हें देश के अनुसूचित जाति के मतदाताओं को अपने चेहरे के रूप में प्रस्तुत किया और उस वर्ग के वोटों का लाभ भी उन्हें हासिल हुआ। हालांकि राष्ट्रपति बनने के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सामने वे अपने आपको सदैव बौना महसूस करते रहे और यहां तक की कई ऐसे चित्र मीडिया में देखने को मिले जहां प्रधानमंत्री आगे हैं और राष्ट्रपति पीछे हैं। अपने इस प्रयोग के माध्यम से श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अनुसूचित जाति की सूची में से एक बहुसंख्यक जाति को छोड़कर अन्य जातियों का समर्थन हासिल करने की कोशिश की है। अब आगामी समय में उन्हें एस.टी. जाति की आवश्यकता है और इसलिये उन्होंने बहुत चतुराई पूर्वक श्रीमती द्रोपदी मुर्मू का नाम बढ़ाया इससे राष्ट्रपति पद पर जीत भी आसान हुई और आदिवासी मतदाताओं का मन भी डोला। परन्तु श्रीमती मुर्मू ने पद पर आसीन होने के बाद कुछ ऐसे साहसिक बयान दिये हैं जो उनके व्यक्तिगत अनुभवों पर आधारित तो हैं ही साथ में देश की व्यवस्था और सत्ता को भी ललकारते नज़र आते हैं। उनके बयान से ऐसा लगता है कि उनमें आदिवासी समाज की निर्भीकता वाला गुण है। अपनी बात को सफाईपूर्वक रखने के साथ-साथ मर्यादा के भीतर कहने की योग्यता व क्षमता भी उनमें है। एक बयान जो उन्होंने 11 नवम्बर 2022 को म.प्र. में ही स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के बीच दिया था।

म.प्र. में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की संख्या लगभग 4 लाख है और उनके प्रतिनिधि सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये उन्होंने कहा कि निर्भरता महिलाओं को सशक्त बनाती है और आगे जाकर यह भी कहा कि महिलाओं को एक दूसरों को प्रेरित करने, मदद करने, व एक दूसरे के अधिकारों के लिये एक साथ अवाज उठाना चाहिये उनकी यह आखिरी पंक्ति बहुत ही महत्वपूर्ण है और गहराई से समझा जाये तो यह महिलाओं को एकजुट करने तथा महिला एकजुट होकर एक साथ आवाज उठाने यानि संघर्ष करने का भी यह संकेत हो सकता है एक राष्ट्रपति का ऐसा बेवाक बयान और अपील बहुत ही महत्वपूर्ण है और उनके आजाद ख्यालात का इजहार भी है। 26 नवम्बर 2022 संविधान दिवस के दिन उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में आयोजित कार्यक्रम के समापन अवसर पर बोलते हुये और भी महत्वपूर्ण तथा साहसिक बात कही। समस्त उच्च न्यायपालिक यानि सुप्रीम कोर्ट के जज साहबान एवं बड़े-बड़े वकीलों के समक्ष बोलते हुये उन्होंने जो बाते कहीं उनमें निम्न बिन्दु महत्वपूर्ण हैं :- उन्होंने कहा कि संविधान बनाने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के सिपाही थे और इसमें महिला नेता की उभरती भूमिका थी। ऐसी सरकार और पार्टी जो हर क्षण राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी को राष्ट्रपिता मानने को नकारती है उसके सर्वोच्च पद बैठे व्यक्ति को महात्मा गाँधी कहना सत्ता के लिये चुनौती न भी माने तो भी व्यक्तिगत साहस तो मानना ही होगा।

उन्होंने कहा कि कानूनी भाषा को लोकभाषा में सरल रूप से अनुवारित होना चाहिये। यानि स्पष्ट तौर उन्होंने अदालत में अंग्रेजी को न केवल नकारा है बल्कि न्यायिक भाषा लोकभाषण हो और सरल भी हो जो आम आदमी को बोधगम्य हो। इसके कुछ दिन पूर्व सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिकाकर्ता ने अपना पक्ष हिन्दी में रखने का प्रयास किया था। स्पष्ट है सुप्रीम कोर्ट के जज साहब ने कहा कि हमें हिन्दी नहीं आती हमारी भाषा अंग्रेजी हैं, आप चाहे तो आपका पक्ष अंग्रेजी में रखने के लिये आपको वकील उपलब्ध करा सकते हैं। मैं केस के गुण दोष पर चर्चा नहीं कर रहा हूँ। क्या सर्वोच्च न्यायालय के लिए यह कहना उचित है? क्या इसके पहले सर्वोच्च न्यायालय में हिन्दी में याचिका या बहस को स्वीकार नहीं किया गया है? क्या ऐसा कहना राष्ट्रभाषा का अपमान नहीं है? इन जज साहबान को राष्ट्रपति जी ने इशारा कर दिया। राष्ट्रपति जी ने यह भी कहा कि हमारे देश के संविधान की सबसे बड़ी खूबी लोकतंत्र के तीनों स्तंभ कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका की लक्ष्मण रेखायें है।

सभी अपने-अपने दायरे में रहकर एक दूसरे का सम्मान करते हुये अपना काम करते हैं। इस एक कथन से राष्ट्रपति जी ने तीनों स्तंभों को मर्यादा में रहने की सीख दे दी। उन्होंने समूची न्याय व्यवस्था के प्रति संकेत करते हुये कहा कि मुकदमा लड़ने में गरीबों के घर तक बिक जाते हैं, दूसरों की जिंदगी खत्म करने वाले बाहर घूमते हैं। लेकिन आम आदमी मामूली जुर्म में वर्षों जेल में पड़ा रहता है। उन्होंने वर्तमान विकास के ऊपर प्रश्न चिन्ह लगाते हुये कहा कि हम जेलों को खत्म नहीं करते बल्कि विकास के नाम पर जेलों को बढ़ाने की बात करते हैं यह कैसा विकास है? एक प्रकार से उन्होंने विकास की समूची अवधारणा को ही कटघरे में खड़ा किया है। उम्मीद है कि राष्ट्रपति जी के इस भाषण की आवाज दूर तक जायेगी और व्यवस्था उनके संकेतों को समझेगी। सत्ता के कान कितने खुले हैं यह मैं नहीं जानता, परन्तु प्रतिपक्ष अगर चाहे तो राष्ट्रपति के भाषण को देश में आमजन को जगाने के रूप में इस्तेमाल कर सकता है और अपने जन जागरण के दायित्व को पूरा कर सकता है।

जाति व्यवस्था से ज्यादा हीन या श्रेष्ठ मानना है

डॉ सत्यवान सौरभ

जाति भारत में वर्ण व्यवस्था के रूप में पूर्व-आधुनिक युग में उत्पन्न सा मा जि क स्तरीकरण की एक प्रणाली है। वर्ण व्यवस्था केवल उस व्यवसाय पर आधारित है जो ब्राह्मण (पुजारी), क्षत्रिय (गार्ड), वैश्य (व्यापारी), और शूद्र (सीवेज कार्यकर्ता) का काम करता है। जाति जो व्यवसाय की पहचान के रूप में उत्पन्न हुई बाद में जन्म पहचान में बदल गई। स्वतंत्रता के दौरान भारत में जाति व्यवस्था भयानक थी और समाज के हर क्षेत्र पर इसका सबसे बुरा प्रभाव पड़ा और अछूत नामक नया शब्द इस युग में अस्तित्व में आया। भारत के सामाजिक कार्यकर्ताओं और दार्शनिकों ने जाति की इस व्यवस्था की कड़ी आलोचना की। उदाहरण के लिए ज्योतिराव फुले एक सामाजिक कार्यकर्ता ने जाति और इसकी व्याख्याओं का विरोध किया और उन्होंने हिंदू संदर्भ में निर्माता के अस्तित्व के बारे में तर्क दिया। यदि निर्माता ब्रह्मा चाहते कि मनुष्य जाति व्यवस्था के अधीन हों तो क्यों जानवरों और पक्षियों जैसी अन्य प्रजातियां नहीं। विवेकानंद ने जाति की मनुष्य की संस्थाओं में से एक के रूप में आलोचना की, जो व्यक्ति के मुक्त विचार और कार्रवाई की शक्ति को रोकती है। यह शैतानी है और इसे नीचे खत्म होना चाहिए। विवेकानंद के अनुसार विचार और कार्रवाई की स्वतंत्रता, विकास और विकास के जीवन की एकमात्र शर्त है। गांधीजी हालांकि अंबेडकर के जाति और आरक्षण के विचारों से असहमत थे, उन्होंने दावा किया कि जाति ने हिंदू धर्म को विघटन से बचाया है, लेकिन हर दूसरी संस्था की तरह यह एक्सरेस्स से पीड़ित है। वे चार वर्णों को मौलिक, नैऋत्य और आवश्यक मानते हैं। असंख्य जातियों या उपजातियों को एक बाधा माना जाता है। उन्होंने जाति में आनुवंशिकता की अस्वीकृति की वकालत की और तर्क दिया कि किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी अन्य पर श्रेष्ठता की धारणा भगवान और मनुष्य के खिलाफ पाप है, और वर्तमान जाति व्यवस्था वर्णाश्रम का सिद्धांत विरोधी है। और जाति का अपने वर्तमान स्वरूप धर्म के साथ से कोई लेना-देना नहीं है। भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने वाले विपुल लेखक और प्रमुख व्यक्ति अम्बेडकर का जन्म एक अनुसूचित जाति परिवार में हुआ था, जिसे अछूत समुदाय के रूप में वर्गीकृत किया गया था, उन्होंने जाति व्यवस्था की आलोचना की और अछूतों का वर्णन किया क्योंकि वे एक ही धर्म और संस्कृति से संबंधित हैं, फिर भी वे जिस समुदाय में रहते थे, उससे दूर और बहिष्कृत थे। उनके अनुसार अछूत पवित्र हैं और भारत के धर्मनिरपेक्ष कानूनों को मान्यता देते हैं। लेकिन वे समाज से अलग कर दिए जाते हैं और गांवों के बाहरी इलाकों में रहते हैं, जीवित रहने की निम्न स्थिति में आ जाते हैं। जाति व्यवस्था अम्बेडकर ने देखा कि एक व्यक्ति को जन्म से ही अछूत माना जाता था और उसकी निम्न सामाजिक स्थिति तय की गई थी। अम्बेडकर का मत था कि उनके समय में जाति व्यवस्था सार्वभौमिक रूप से निरपेक्ष नहीं थी। अम्बेडकर द्वारा सूचीबद्ध जाति व्यवस्था लोगों को अलग-थलग करती है, निम्न जाति के व्यक्तियों में हीन भावना का संचार करती है और मानवता को विभाजित करती है। इसने भारत के लोगों को भारत के विकास और ज्ञान को साझा करने से रोका और स्वतंत्रता के फल बनाने और आनंद लेने की क्षमता को नष्ट कर दिया। यदि हम धर्म और जाति द्वारा जनसंख्या वितरण के आंकड़ों को देखें तो भारत के प्रमुख धर्म में जाति के सभी वर्गों में सबसे अधिक हिस्सेदारी है, यानी 22.2% एससी, 9% एसटी और 42.8% ओबीसी, जबकि यह अगड़ी जाति का 26% है। कई अन्य धर्मों जैसे मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध धर्म के बाद भी विभिन्न जातियों में उनका वितरण होता है। औपनिवेशिक काल के दौरान अस्पृश्यों की स्थिति आमतौर पर उनके निचले स्तर से ऊपर थी, लेकिन बहुसंख्यकों के पास सीमित गतिशीलता थी। जातियों ने लोगों को केवल विघटित करने और असंख्य विभाजनों का कारण बनने के लिए विभाजित किया जो लोगों को अलग-थलग कर देते थे और भ्रम पैदा करते थे। जाति के अभिशाप ने समाज के लिए कई मानवीय नुकसान साबित किए। स्वतंत्र भारत ने 2005 की संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार जाति-संबंधी हिंसा देखी है, 1996 में दलितों के खिलाफ किए गए हिंसक कृत्यों के लगभग 31440 मामले दर्ज किए गए थे। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में प्रति 10000 दलित लोगों पर हिंसक कृत्यों के 1033 मामलों का दावा किया गया था। 2005 में विकसित देशों में प्रति 10000 लोगों पर हिंसक कृत्यों के 40 और 55 मामलों के बीच अप्रतिवेदित मामलों के संदर्भ में। इस तरह की हिंसा का एक उदाहरण 2006 का खैरलांजी नरसंहार है। (उडुमालपेट) तमिलनाडु के एक 22 वर्षीय दलित व्यक्ति की हत्या की घटना ने हमारे समाज के सबसे बुरे पहलुओं और जाति व्यवस्था के सबसे बुरे प्रभावों को भी सामने ला दिया था। जातिगत गौरव का पुनरुत्थान, व्यक्तिगत अधिकारों के लिए एक बेशर्म उपेक्षा जब वे हेगेमोनिक आदेश के साथ संघर्ष में हैं और जाति की शुद्धता और प्रदूषण की धारणा में एक कालानुक्रमिक विश्वास है। इस मामले में भाड़े के लोगों के एक समूह ने वी शंकर नाम के व्यक्ति को बेरहमी से परेशान किया और उसकी पत्नी कौशल्या की मौके पर ही हत्या कर दी और दूसरे को सड़क किनारे घायल कर दिया। यह न केवल कानून के भय की कमी को दर्शाता है बल्कि यह एक बेचैन करने वाले विश्वास को भी प्रदर्शित करता है कि कोई भी उन्हें चुनौती देने या उनका पीछा करने की हिम्मत नहीं करेगा। इस तरह की हत्याओं को अक्सर ऑनर किलिंग कहा जाता है क्योंकि उनकी प्रेरणा इस विचार से उत्पन्न होती है कि एक महिला अपने समुदाय के बाहर एक पुरुष से शादी करती है, जिससे परिवार में बदनामी होती है। दलितों के लिए आरक्षण सामाजिक सुधार प्रदान नहीं करता है। अभी भी दलित छात्र नाममात्र के विविध और समावेशी परिसरों में वास्तविक रूप से पृथक जीवन जीते हैं।

जाति का न केवल समाज पर सबसे बुरा प्रभाव पड़ता है बल्कि देश की राजनीति और अर्थव्यवस्था में भी जाति अपनी भूमिका निभाती है। ग्रामीण क्षेत्र में अपनी जातिगत पहचान और भूमि के वितरण में असमानता से निर्धारित एक व्यक्ति का सामाजिक वर्ग सदियों से जारी है।

आप के निशाने पर कांग्रेस

राज कुमार सिंह

सत्ता तो थी ही नहीं, पर आम आदमी पार्टी ने एक और राज्य में कांग्रेस के पैरों तले से जमीन छीन ली। बात गुजरात की हो रही है,जहां पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सत्तारूढ. भाजपा को कडी. टक्कर दी थी। पाटीदार आंदोलन के साये में हुए उन चुनावों में 182 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा 99 सीटों पर सिमट गयी थी और कांग्रेस 77 सीटें जीतने में सफल रही थी। कई राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना था कि अगर कांग्रेस ने समय से चुनावी बिसात बिछायी होती तो शायद भाजपा को उसके महानायक नरेंद्र मोदी के गृह राज्य में ही मात देने का करिश्मा कर पाती। पर अब हालिया विधानसभा चुनावों में भाजपा जिस तरह 27 साल बाद भी सत्ता बरकरार रखते हुए 156 सीटें जीतने का इतिहास रचने में सफल रही है, उससे तो कांग्रेस की राजनीतिक सोच और चुनावी समझ पर ही सवालिया निशान लग गया है। मुफ्त - रेवडि.यों की राजनीति में माहिर आप को 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में एक प्रतिशत मत भी नहीं मिले थे। उसके बावजूद वह वहां स्थानीय चुनावों समेत हर संभव मौके पर हाथ- पैर मारती रही, लेकिन भाजपा से मात्र 22 सीटें पीछे रह गयी कांग्रेस पिछले पांच साल में जमीन पर कहीं नजर नहीं आयी। कांग्रेस की राजनीतिक निष्क्रियता का अंदाजा इसीसे लगाया जा सकता है कि पिछले विधानसभा चुनावों में अल्पेश ठाकुर, हार्दिक पटेल और जिग्नेश मेवानी की जिस युवा तिकडी. की बदौलत वह भाजपा को जबर्दस्त चुनौती देने में सफल रही थी, उसके पहले दो चेहरे इस चुनाव में भाजपा के पाले में खडे. नजर आये। हार्दिक पटेल को तो कांग्रेस ने प्रदेश का कार्यकारी अध्यक्ष भी बनाया था। बेशक आप किसी को बंधक बना कर नहीं रख सकते। राजनेता भी समय और सुविधा के अनुसार पाला बदलते ही हैं। आखिर गोवा में शपथपत्र भरने के बावजूद कांग्रेस के आठ विधायक चुनाव के कुछ महीने बाद पाला बदल ही गये। इसलिए असल सवाल समय और राजनीति की नब्ज पर कांग्रेस की पकड. का है। हार्दिक तो चुनाव से कुछ पहले ही गये, पर अल्पेश तो बहुत पहले चले गये थे। न भी जाते तो पिछले चुनाव में बहुमत से मात्र 15 सीटें पीछे रह गये दल को अगले चुनाव के लिए जैसी मेहनत और तैयारी करनी चाहिए थी, वह करती कांग्रेस कभी नजर नहीं आयी। गुजरात कांग्रेस में मची भगदड. का यह भी एक बडा. कारण रहा। देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल को अपनी दशा-दिशा की चिंता न भी हो, पर उसके नेताओं-कार्यकर्ताओं को तो रहेगी ही। पिछले चुनाव परिणाम के मद्देनजर सामान्य राजनीतिक समझ के अनुसार भी कांग्रेस की प्राथमिकता में गुजरात सबसे ऊपर होना चाहिए था। इसलिए भी कि वह मोदी का गृह राज्य है, जहां के प्रतिकूल जनादेश का संदेश दूरगामी साबित होता, पर कांग्रेस की अगंभीरता का आलम यह रहा कि बहु प्रचारित भारत जोडो. यात्रा तो वहां से गुजरी ही नहीं, खुद राहुल गांधी भी महज एक दिन का समय निकाल कर दो रैलियां करने गये। उसके विपरीत आप ने न सिर्फ स्थानीय सामाजिक समीकरणों को समझ कर बिसात बिछायी और कांग्रेस के आदिवासी मतों में सेंध लगाने में सफल रही, बल्कि अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसौदिया समेत उसके पास उपलब्ध तमाम दिग्गज वहां प्रचार करते नजर आये। संभव है कि आप मीडिया का ज्यादा आकर्षण पा गयी हो, पर जो जमीन पर दिखेगा, उसे ही दिखाया जायेगा। मीडिया कवरेज दे सकता, पर वोट नहीं दिलवा सकता—इस वास्तविकता से मुंह चुराना राजनीतिक परिपक्वता तो हरगिज नहीं। गुजरात में अपने शर्मनाक प्रदर्शन के लिए कांग्रेस अरविंद केजरीवाल की आप और असदुद्दीन ओवेसी की एआईएमआईएम द्वारा वोट काटे जाने को जिम्मेदार ठहराते हुए उन पर भाजपा की मदद का आरोप लगा रही है, पर यह अर्धसत्य ही है। एआईएमआईएम 13 सीटों पर लड.ने के बावजूद खाता नहीं खोल पायी। उसका मत प्रतिशत भी ऐसा नहीं रहा कि हार-जीत में निर्णायक भूमिका निभा सके। हां, आप अवश्य 13 प्रतिशत मत हासिल करते हुए पांच सीटें जीतने में सफल रही। स्वाभाविक ही आप और एआईएमआईएम को मिले मत भाजपा विरोधी मतों का हिस्सा रहे होंगे। यह भी कि अगर ये दोनों दल चुनाव मैदान में नहीं होते तो कांग्रेस की ऐसी दुर्गति नहीं होती, पर तब भी भाजपा सत्ता से बेदखल तो हरगिज नहीं हो जाती। भाजपा को हराने के लिए तो पहले कांग्रेस को कमर कसनी थी, जो उसने नहीं कसी—कारण जो भी रहे हों। कांग्रेस की यह सोच स्वयं में अलोकतांत्रिक है कि भाजपा विरोधी मतों में बंटबारा रोकने की खातिर अन्य दलों को चुनाव मैदान में नहीं उतरना चाहिए।

गुजरात मॉडल का मतलब शिवराज फार्मूले में बदलाव

नरेंद्र तिवारी

मध्यप्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में गुजरात मॉडल अपनाए जाने का बहुत शोर सुनाई दे रहा है। ऐसी आवाजें भाजपा के अंदर से ही सुनाई दे रहीं है। गुजरात मॉडल का इतना हल्ला होने का मूल कारण भाजपा द्वारा 14 माह पूर्व गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री सहित मंत्रिमंडल में व्यापक फेरबदल और फिर विधानसभा चुनाव में सत्ता विरोधी मतदान से बचने के लिए 5 मंत्रियों सहित करीब 36 मौजूदा विधायकों का टिकिट काट दिए जाने के क्रांतिकारी परिवर्तन के बाद ऐतिहासिक सफलता हासिल करना है।

भाजपा नैतृत्व को लगता है, उक्त परिवर्तन गुजरात राज्य में सफल रहा जिसने सत्ता विरोधी लहर को खत्म करते हुए गुजरात मे बीजेपी की प्रचंड विजय का रास्ता तैयार किया है। गुजरात की प्रचंड विजय से प्रफुल्लित भाजपा आलाकमान और नेतागण इस मॉडल को पूरे देश मे प्रयोग करने की बात कहने लगे है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने मध्यप्रदेश के हरदा में गुजरात मॉडल को पूरे देश मे लागू करने की बात कही। प्रदेश के मैहर विधानसभा के विधायक नारायण त्रिपाठी ने मध्यप्रदेश में गुजरात मॉडल के प्रयोग की वकालत करतें हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष को सत्ता और संगठन दोनों में गुजरात मॉडल लागू करने संबन्धी पत्र लिखकर दिया है। अब सवाल यह उठता है कि मध्यप्रदेश में गुजरात मॉडल के प्रयोग को लेकर भाजपा संगठन से ही क्यों मांग उठ रही है ? क्या प्रदेश में 2003, 2008 ओर 2013 विधानसभा में सफलता का शिवराज फार्मूला अब विफल हो गया है ? क्या गुजरात मे चुनाव से 14 माह पूर्व मुख्यमंत्री सहित सम्पूर्ण मंत्रिमंडल को बदलने का प्रयोग एमपी में भी अपनाने पर विचार किया जा रहा है ? क्या विधानसभा चुनाव 2023 में सत्ता विरोधी लहर से निपटने के लिए कमजोर प्रदर्शन करने वाले मौजूदा विधायकों, मंत्रियों के टिकिटों को काटकर नए चेहरों पर दांव खेला जाएगा ? गुजरात मॉडल के प्रयोग की उठती मांगों के बीच इन प्रश्नों पर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। गर्म चर्चाओं के बाजार में मुख्यमंत्री का चेहरा बदलने की चर्चा भी जोरों पर चल रही है। मध्यप्रदेश में सबसे अधिक समय तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर काबिज रहने वाले शिवराज सिंह का नैतृत्व क्या अब उतना प्रभावी नहीं रहा जितना विगत चुनावों में दिखाई दे रहा था। प्रदेश में शिवराज फार्मूले का कमजोर प्रदर्शन तो 2018 के विधानसभा चुनाव में ही दिख गया था।

जब जनता ने शिवराज के नैतृत्व को अस्वीकार कर दिया था। काँग्रेस से ज्योतिरादित्य सिंधिया की नाराजगी ने भाजपा और शिवराज को पुनः मध्यप्रदेश राज्य की सत्ता पर काबिज करा दिया। याने 2018 में ही प्रदेश में काँग्रेस के मुकाबले कम सीट लाकर शिवराज फार्मूला असफल हो चुका था। दरअसल जनता में अब शिवराज के चेहरे का पुराना जादू कम होता जा रहा है। मुख्यमंत्री के रूप में उनकी कार्यशैली में जनप्रतिनिधियों के स्थान पर प्रशासनिक अधिकारियों का हस्तक्षेप अधिक दिखाई देने लगा। भाजपा के विधायकों और सांसदों को अपने कार्यो के लिए जिला कलेक्टरों के भरोसे रहना पड़ रहा हैं। ऐसा कहा जाता हैं कि यह जिला कलेक्टर ही मुख्यमंत्री को प्रशासनिक, संगठन और राजनैतिक गतिविधियों की जानकारी देतें है। असल में विगत कुछ बरसों से शिवराज फार्मूले में संगठन के स्थान पर प्रशासन का हस्तक्षेप बढ़ता जा रहा है।

छोटी-छोटी बातों की दुनिया

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

पति ने पत्नी को जोरदार चांटा लगाते हुए कहा कि पति-पत्नी के संबंध चार लोगों की बीच की गई शादी या फिर फोटो एल्बम में सजी तस्वीरों पर नहीं टिकती। अगर ऐसा ही होता तो पुराने जमाने में कोई शादी न करता। शादी हो या कोई और संबंध यह तो एक-दूसरे के विश्वास पर टिकता है। इसलिए बार-बार यह कहना बंद करो कि जब मैं तुम्हें चार लोगों के बीच बेइज्जत करूँगी या करूँगा तब पता चलेगा कि मैं क्या चीज़ हूँ। पति या पत्नी की इज्जत उतारने से भला किसे कौनसा सुख मिलेगा? तुरंत पत्नी ने पलटवार करते हुए कहा – हाँ सही कहते है आप। लेकिन यह बोलने वाले पर निर्भर करता है कि वह सच्चा है या झूठा। झूठ की नींव पर खड़ी सच की गगनचुंबी इमारत भी पल में ढह सकती है। अच्छा! तो ऐसा मैंने क्या झूठ कह दिया जो तुम मुझसे झगड़ रही हो? यही न कि मैंने वाट्सप पर रानी रंग की साड़ी भेजी थी और तुम उसे गुलाबी समझ बैठी। सोचा कि शायद मैं ही गलत हूँ। तुम सही कह रही हो। इसलिए मैं इसे गुलाबी समझ बैठा। फोन का कैमरा फोटो ही ऐसा खींचता है कि वह तुम्हें कुछ का कुछ दिख गया। इसके लिए मुझे झूठा कहना कहाँ तक सही है? वैसे भी जब आदमी को भरपेट खाने को खाना, रहने को घर और पहनने के लिए महंगे-महंगे कपड़े मिलने लगे तो उसके पास ऐसे नुस्ख निकालने के सिवाय दूसरा काम ही क्या रह जाता है। हर छोटी-छोटी बातों पर नुस्ख निकालना और उसके बारे में घंटों मायके में शिकायत करना इसी का उदाहरण है। फिर उस दिन दाल में थोड़ा सा नमक क्या ज्यादा हो गया आप तो अपनी माँ की दाल याद करने लगे। ऐसा कौनसा मैंने जहर बना दिया था। जो आप अपनी माँ को याद करने लगे? जब आदमी की सोच सो जाए तब एक बार के लिए उसे जगाया जा सकता है, लेकिन जो जानबूझकर तिल का पहाड़ में बनाने पर आमदा हो जाएँ, उनकी सोच को नहीं बदला जा सकता। मैंने माँ की दाल इसलिए याद की थी कि तुम इसी बहाने उनसे फोन पर बात कर लो। उनका भी मन करता है कि अपनी बहू से बात करे। मैं तो बात करता हूँ। लेकिन वह भी तुम्हें बहू से ज्यादा बेटी की तरह चाहती हैं। पत्नी कुछ कहती तभी पति का फोन बज उठा। भाभी ने फोन किया था। भाभी ने बताया कि मेरे किड्नी देने के बावजूद मैं तुम्हारे भैया को नहीं बचा सकी। इतना कहते-कहते वह बिफर गयीं....।

सफला एकादशी

दुख और दुर्भाग्य से छुटकारा पाने के लिए युधिष्ठिर ने किया था ये व्रत

पौष महीने की पहली एकादशी, 19 दिसंबर, सोमवार को होगी। पुराणों में इसे सफला एकादशी नाम दिया गया है। यानी इस व्रत को करने से जल्दी ही पुण्य मिल जाता है। इसमें सुख-समृद्धि और सौभाग्य की कामना से व्रत रखा जाता है। भगवान विष्णु और लक्ष्मीजी की पूजा की जाती है। महाभारत काल में युधिष्ठिर ने इस एकादशी का व्रत किया था।

भगवान को पीले फूल और फल अर्पित करें

इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर नहाएं। फिर व्रत और पूजा का संकल्प लें। फिर पीले कपड़े पहनकर पीले फूल, फल और चंदन से भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। गाय के दूध से भगवान विष्णु का अभिषेक करें। फिर शंख में गंगाजल भर कर स्नान करवाएं। इसके बाद भगवान विष्णु को पीले रंग के कपड़े पहनाएं और धूप-दीप, दिखाएं।

तुलसी मिला पंचामृत अर्पित करें। व्रत वाले दिन भगवान विष्णु की कृपा पाने के लिए विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ भी करें। इस दिन ॐ नमो भगवते वासुदेवाय, ॐ ह्रीं श्रीं लक्ष्मीवासुदेवाय नमः, ॐ नमो नारायणाय मंत्रों का जाप करें।

व्रत का पौराणिक महत्व

हर तरह के दुख और दुर्भाग्य से मुक्ति दिलाने वाले सफला एकादशी का व्रत महाभारत काल में युधिष्ठिर ने भी किया था। श्री कृष्ण ने उन्हें एकादशी के महत्व को बताया था। मान्यता है कि श्रद्धा, विश्वास के साथ एकादशी का व्रत करने पर भगवान विष्णु शीघ्र ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एकादशी व्रत की कथा

प्राचीनकाल में चंपावती नाम की नगरी में महिष्मान नाम का राजा था। उसके चार बेटों में सबसे बड़ा लुंपक बहुत ही दुष्ट था। एक दिन राजा महिष्मान ने उसे राज्य से निकाल दिया। वो जंगलों में भटकते हुए फल खाकर रहने लगा।

एक दिन अनजाने में उसने कुछ फल इकट्ठे कर पीपल के पेड़ के नीचे रखकर भगवान विष्णु से निवेदन किया कि इन फलों से भगवान प्रसन्न हों। उस दिन पौष महीने के कृष्ण पक्ष की सफला एकादशी ही थी। इस तरह पूरे दिन फल खाकर, भगवान विष्णु को भी फल चढ़ाकर अनजाने में ही उससे एकादशी व्रत हो गया।

इसके बाद विष्णु जी की कृपा से लुंपक को राज्य, धन, संपत्ति, समेत हर तरह के सुख मिले और वो धार्मिक बना गया। इसलिए मान्यता है कि इस व्रत को करने से दुख और दुर्भाग्य खत्म हो जाता है।

घमंड से अच्छे काम और रिश्ते बिगड़ जाते हैं

जब किसी व्यक्ति के स्वभाव में घमंड आ जाता है तो उसके अच्छे काम भी बिगड़ जाते हैं। अहंकार की वजह से व्यक्ति को सही-गलत का ध्यान नहीं रहता है और वह कुछ ऐसा कर देता है, जिससे बने-बनाए काम भी असफल हो जाते हैं। इस बुराई को जल्दी से जल्दी छोड़ देना चाहिए। ये बात हम प्रजापति दक्ष की गलतियों से सीख सकते हैं।

प्रजापति दक्ष का सभी देवताओं और बड़े-बड़े ऋषि-मुनि भी सम्मान करते थे। एक दिन एक यज्ञ हो रहा था। यज्ञ में सभी देवी-देवता और ऋषि-मुनि बैठे हुए थे।

उस समय प्रजापति दक्ष यज्ञ स्थल पर पहुंचे तो वहां बैठे सभी लोग उनके सम्मान में खड़े हो गए, लेकिन शिव जी बैठे हुए थे। शिव जी दक्ष पुत्री सती के पति थे, इस रिश्ते से दक्ष शिव जी के ससुर थे। दक्ष अहंकारी था। उसने सभी को अपने सम्मान में खड़े देखा तो वह बहुत खुश हुआ, लेकिन जैसे ही उसकी नजर शिव जी पर पड़ी तो वह क्रोधित हो गया। शिव जी आंखें बंद करके ध्यान में बैठे हुए थे। दक्ष के सम्मान में शिव जी नहीं उठे तो दक्ष ने सोचा कि ये मेरे दामाद हैं, मेरी संतान की तरह हैं। इस रिश्ते से इन्हें मेरे सम्मान में उठना था। इतना सोचने के बाद अहंकार दक्ष ने शिव जी का अपमान करना शुरू कर दिया।

शिव जी शांत थे और दक्ष की बातें सुन रहे थे, लेकिन उस समय वहां मौजूद नंदीश्वर शिव जी का अपमान सहन नहीं कर पाए और उन्होंने दक्ष को शाप दे दिया। नंदीश्वर के शाप से भृगु ऋषि गुस्सा हो गए, उन्होंने नंदी को शाप दे दिया। कुछ ही देर में पूरा यज्ञ बिगड़ गया। सभी एक-दूसरे से झगड़ने लगे थे।

जीवन प्रबंधन

इस घटना से संदेश मिलता है कि घमंड को जल्दी से जल्दी छोड़ देना चाहिए। जो लोग घमंड करते हैं, उन्हें कहीं भी मान-सम्मान नहीं मिलता है। अहंकार की वजह से हमारे अन्य सभी गुणों का महत्व खत्म हो जाता है। इस बुराई को जल्दी से जल्दी छोड़ दें।

परशुराम जी ने क्यों काटा अपनी मां का गला?

भगवान विष्णु के एक ऐसे भी अवतार हुए जो जन्म से तो एक ब्राह्मण थे परंतु कर्म से क्षत्रिय। ऋषि पुत्र के रूप में जन्म लेने वाले भगवान परशुराम ने सदा ही धर्म के लिए अपना परशु उठाया। मान्यता है कि भगवान विष्णु के अवतार होने के बाद भी परशुराम जी को महादेव को गुरु रूप में मनाने में कई यत्न करने पड़े थे, जिसके बाद स्वयं शिव जी परशुराम जी को शास्त्र और शस्त्र की विद्या दी थी। महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के पुत्र परशुराम भगवान ने सहस्त्रबाहु नामक एक क्रूर क्षत्रिय राजा का वध किया था, जिसके बाद क्रम से उन्होंने इक्कीस बार दुष्ट और अत्याचारी राजाओं का वध किया था। भगवान परशुराम ने एक बार अपनी मां का भी वध कर डाला था, आइए जानते हैं वो कथा।

रेणुका का विकारग्रस्त होना

पंडित इंद्रमणि घनस्याल बताते हैं कि एक बार महर्षि जमदग्नि की पत्नी देवी रेणुका सरोवर में स्नान के लिए गई थीं, वहां राजा चित्ररथ को नौका विहार करते देख रेणुका के मन में विकार उत्पन्न हो गया, यह विकार देख ऋषि जमदग्नि को अत्यंत क्रोध आया।

रेणुका का वध

इसके बाद जब उन्होंने रेणुका के वध का आदेश परशुराम को दिया तो पिता की आज्ञा का पालन करते हुए परशुराम जी ने अपना परशु उठाकर रेणुका का सिर धड़ से अलग कर दिया। यह देख परशुराम के पिताजी उन पर प्रसन्न हुए और उन्हें तीन वरदान मांगने को कहा।

तीन वरदान

पिता के कहे अनुसार परशुराम जी ने उनसे तीन वरदान मांगे। पहला माता को फिर से जीवित करने का, दूसरा भाइयों की बुद्धि ठीक करने का और तीसरा दीर्घायु-अजेय होने का। पिता ने परशुराम को तीनों ही वरदान दिए, जिसके बाद परशुराम जी सदा के लिए अजेय और अमर हो गए।

मृत्यु के कितने दिन बाद आत्मा को मिलता है पुनर्जन्म?

पुराणों में उल्लेख है कि मनुष्य का शरीर नश्वर और आत्मा अमर है। धरती पर जिसने भी जन्म लिया है, उसकी मृत्यु भी निश्चित है। हिंदू धर्म में मृत्यु के बाद व्यक्ति का 16वां संस्कार किया जाता है, जिसे अंतिम संस्कार कहते हैं। हिंदू धर्म में इस क्रिया के तहत व्यक्ति के शरीर को जलाया जाता है, लेकिन सवाल है कि मृत व्यक्ति की आत्मा कहां जाती है। गरुड़ पुराण के अनुसार, मृत्यु के बाद व्यक्ति की आत्मा अपनी अंतिम यात्रा पर निकलती है, जिसमें उसे कई पड़ाव पार करने पड़ते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि मृत्यु के बाद आत्मा कहां जाती है और उसका क्या पुनर्जन्म होता है या नहीं।

आत्मा तय करती है लंबा सफर

गरुड़ पुराण के अनुसार, मृत्यु के पश्चात आत्मा को बहुत लंबा सफर तय करना पड़ता है। मृत्यु के बाद आत्मा को यमलोक ले जाया जाता है, जहां उसे मृत्यु के देवता यमराज के समक्ष पेश होना पड़ता है। कहते हैं कि इस यात्रा में आत्मा को लगभग 86 हजार योजन की दूरी तय करनी पड़ती है।

जो मनुष्य अपने जीवन में धार्मिक कार्य करता है और किसी भी जीव या प्राणी को मानसिक या शारीरिक कष्ट नहीं पहुंचाता है, वह आसानी से यमलोक तक पहुंच जाता है। इसके विपरीत जो मनुष्य अपने जीवन में दूसरे मनुष्य को कष्ट पहुंचाते हैं, उनको यम के दूत कई तरह से प्रताड़ित करते हुए ले जाते हैं।

क्या आप भी कबूतर को छत पर डालते हैं दाना?

इसके फायदे और नुकसान

अक्सर हम लोग अपने जीवन में सुख-समृद्धि और खुशियां लाने के लिए कई तरह के ज्योतिष उपाय करते हैं। यह उपाय कुछ ग्रह-नक्षत्रों के आधार पर होते हैं। कुछ कुंडली या फिर राशि के आधार पर होते हैं। वहीं कुछ उपाय तो ऐसे होते हैं, जो सामान्य तौर पर हर व्यक्ति करके उससे लाभान्वित हो सकते हैं। इन्हीं उपायों में से एक है कबूतर को दाना डालना। मान्यताओं के अनुसार कबूतर को दाना डालना बेहद शुभ होता है लेकिन इसके डालने के कुछ तरीके हैं, जिनके बारे में हमें जानना बेहद जरूरी है। यदि हमने कबूतर को दाना डालने में कुछ गलती कर दी तो खामियाजा हमें तुरंत भुगतना पड़ सकता है। इसके बारे में विस्तार से हमें बता रहे हैं भोपाल के रहने वाले ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जिन व्यक्ति की कुंडली में बुध और राहु का मेल होता है, उस व्यक्ति को अपने छत पर कबूतर के लिए दाना नहीं डालना चाहिए।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार राहु का संबंध घर की छत से बताया गया है। वहीं इसके अलावा कबूतर को दाना खिलाना बुध ग्रह का उपाय माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र में कहा जाता है कि इस जगह भी यदि बुध और राहु का मेल हो जाता है तो व्यक्ति की मानसिक स्थिति गड़बड़ा जाती है।

कबूतर को छत पर दाना नहीं डालने का एक और कारण यह भी है कि दाना खाते समय कबूतर छत गंदा कर देते हैं। जिससे छत यानी कि राहु दूषित हो जाता है और इसका विपरीत प्रभाव उस व्यक्ति ही पर पड़ता है, जिसने छत पर दाना डाला है।

ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार देवी लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए पक्षियों को दाना डालना चाहिए।

मान्यता है कि जो व्यक्ति कबूतर को दाना डालता है, वह ईश्वर का काम करता है।

घर में सुख-शांति बनाए रखने के लिए कबूतर को घर के अंदर दाना डालना चाहिए।

जिस व्यक्ति के घर के अंदर कबूतर दाना चुगने आता है, वह व्यक्ति मालामाल हो जाता है।

मान्यता है कि कबूतर द्वारा घर के अंदर दाना चुगने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ जाता है।

एकादशी व्रत की महिमा ऐसी

जब माता सीता ने भक्त के लिए बनाया भोजन

भगवान भक्त के लिए क्या कुछ नहीं करते। अगर भक्त का प्रेम व भक्ति सच्ची हो तो भगवान उसके सारथी तक बनकर उसका रथ चलाते हैं। अगर भक्त का भाव सच्चा हो तो भगवान खम्बे तक से प्रकट हो जाते हैं। ऐसी ही एक कथा का वर्णन आता है भक्तमाल जी में। जब एक भक्त के लिए माता सीता ने बनाई रसोई-

पौराणिक कथाओं के अनुसार एक नगर में एक बहुत ही सरल व्यक्ति रहता था, जिसका नाम था श्याम। उसमे वैसे तो सारे गुण थे परंतु एक ही अवगुण था और वह था कि श्याम खाता बहुत था। उसकी खुराक बहुत थी, वह अकेले ही 10 लोगों का भोजन खाने में सक्षम था। एक बार उसके परिजनों ने उसकी इस आदत से परेशान होकर उसे घर से ही निकाल दिया। उसे कुछ समझ नहीं आया, उसे फ़िक्र थी तो बस भोजन की।

वो बिचारा सीधा-साधा व्यक्ति ऐसे ही रास्ते पर चल निकला। चलते-चलते उसने देखा, एक जगह बड़े ही हष्ट-पुष्ट साधु बैठे हुए थे और उनके साथ उनके कुछ शिष्य भी थे और उनकी भी सेहत काफी अच्छी थी। यह देख उसने साधु को प्रणाम किया और उन्हें अपनी स्थिति बताई, जिस पर उन्होंने उसे अपने साथ आश्रम चलने को कहा और जितना चाहे उतना भोजन देने का आश्वासन भी दिया। इसके बदले काम था केवल हरि नाम का जप।

जब आई एकादशी

अब तो श्याम की ज़िन्दगी में सब बहुत अच्छा हो गया। भर पेट भोजन और हरि भजन बस। कुछ दिन बीते तो एक दिन श्याम ने देखा, आज सब पूजा पाठ में ही लगे हैं, कोई भोजन नहीं बना रहा है। यह देख वो तो चिन्तित हो गया और भागा-भागा साधु जी के पास गया और इसका कारण पूछा। जिस पर संत ने बताया, "बेटा आज एकादशी है तो सबका व्रत है, हमारे यहां का नियम है कि एकादशी को निर्जला व्रत रखकर पूरे दिन हरि का भजन होता है।

विक्की कौशल ने रैंप पर किया जबरदस्त डांस:यूजर्स बोले- कटरीना कैफ जैसी वाइफ मिलने का असर है

हाल ही में एक्टर विक्की कौशल का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो रैंप शो के दौरान जबरदस्त डांस करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दरअसल विक्की कौशल फेमस फैशन डिजाइनर कुणाल रावल के लेटेस्ट एथनिक कलेक्शन के लिए बतौर शोज टॉपर पहुंचे थे। इस दौरान एक्टर रैंप शो की शोभा बढ़ाते हुए नजर आए। इवेंट में विक्की कौशल ने डिफरेंट अंदाज में रैंप वॉक किया। उनके डांस मूव्स बेहद कमाल के थे। हालांकि, रैंप वॉक से ज्यादा चर्चा विक्की के डांस मूव्स ने बटोरी। उन्होंने अपने डांस मूव्स से इवेंट का माहौल बद दिया। उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर बेहद पसंद किया जा रहा है।

रैंप वॉक के लिए विक्की कौशल ने शेरवानी कैरी की थी, जिस पर खूबसूरत मिरर वर्क किया गया था। बेज कलर शेरवानी के साथ एक्ट्रेस ने मैचिंग बूट्स कैरी किए हैं। वीडियो में विक्की को थिरकता हुआ देख एक यूजर ने लिखा- जब आपकी पत्नी कैटरीना हो तो आदमी ऐसे ही नाचता है। दूसरे यूजर ने लिखा- विक्की की ड्रेस बहुत अच्छी लग रही है।

कटरीना और विक्की पिछले साल 9 दिसंबर 2021 को राजस्थान के सिक्स सेंसेस फोर्ट में शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों 2019 से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो कटरीना आखिरी बार सिद्धांत चतुर्वेदी और ईशान खट्टर के साथ 'फोन भूत' में नजर आई थीं। वो जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म 'टाइगर 3' में नजर आने वाली हैं। वहीं विक्की जल्द ही 'गोविंदा नाम मेरा', 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' और डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर की अगली अनटाइटल्ड फिल्म में नजर आने वाले हैं।

पठान के सपोर्ट में आगे आईं टीएमसी सांसद नुसरत जहां

बोलीं- भला ये लोग हमें बताएंगे कि आज की महिलाओं को क्या पहनना है

बेशरम रंग गाने पर शुरू हुआ विवाद पॉलिटिकल एंगल ले चुका है। इसी बीच तृणमूल कांग्रेस की सांसद नुसरत जहां ने पठान के समर्थन में बड़ा बयान दिया है। नुसरत ने कहा- 'मुझे ऐसा लगता है कि किसी भी पॉलिटिकल पार्टी का किसी भी कलर पर एकाधिकार नहीं है। बेशरम गाने में दीपिका मुझे बेहद खूबसूरत लग रही हैं, ये ऑडियंस को तय करना चाहिए कि उन्हें ये फिल्म पसंद है या नहीं।'

इन्हें हिजाब से दिक्कत है और इन्हें बिकिनी से भी समस्या है- नुसरत

एनडीटीवी से बातचीत के दौरान नुसरत ने कहा- 'इन्हें सभी चीजों से समस्या है। इन्हें महिलाओं के हिजाब पहनने से भी दिक्कत है और महिलाओं की बिकिनी पहनने से भी समस्या है। अब ये लोग हमें बताएंगे कि आज की भारतीय महिलाओं के क्या पहनना चाहिए।'

नूर जहां ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

सांसद ने कहा- 'केंद्र सरकार हमारी जिंदगी को कंट्रोल करने की कोशिश कर रही है। हमें क्या पहनना चाहिए, क्या खाना चाहिए, कैसे बात करनी चाहिए, कैसे चलना चाहिए,स्कूल में क्या पढ़ाया जाना चाहिए, क्या टीवी पर देखना चाहिए ये सभी फैसले रूलिंग पार्टी लेना चाहती है। इन चीजों के बारे में सोचकर मुझे डर लगता है, अगर ऐसा ही चलता रहा तो भला हम कहां जाएंगे।'

सुप्रीम कोर्ट के वकील ने फिल्म पठान के खिलाफ शिकायत

सुप्रीम कोर्ट के वकील विनीत जिंदल ने IB मिनिस्ट्री में शिकायत दर्ज कराई है कि गाने से हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए विनीत ने लिखा- 'पठान मूवी के बेशर्म रंग गाने में जिस तरह से अश्लीलता के साथ भगवा रंग को दिखाया गया है वो गलत है, "बेशर्म रंग" गाने को हटाए जाने तक पठान की रिलीज रोकने व कानूनी कार्यवाही की मांग I&B मिनिस्ट्री से की है।'

इससे पहले विश्व हिंदू परिषद को राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद ने मांग की थी फिल्म का बहिष्कार कर इस पर इसे बैन किया जाए। अयोध्या के हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने लोगों से फिल्म दिखाने वाले थिएटर में आग लगाने का आह्वान किया है, क्योंकि गाने ने लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत की हैं।

क्यों हो रहा है विवाद?

पठान के गाने 'बेशरम रंग' में दीपिका पादुकोण ने भगवा कलर की बिकिनी पहनी है। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स कह रहे हैं कि भगवा रंग हिंदू धर्म का प्रतीक है और दीपिका इस रंग के कपड़े पहन कर 'बेशरम रंग' के बोल वाले गाने पर डांस कर रही हैं जो कि काफी आपत्तिजनक है। बायकॉट करने वालों का मानना है कि भगवा जैसे पवित्र रंग का प्रयोग बिकिनी के लिए करना स्वीकार्य नहीं है।

भोजपुरी की उर्फी जावेद ने दिखाई अपनी ऐसी कर्वी फीगर, दिल हारने के साथ होश भी खो बैठे फैंस

भोजपुरी एक्ट्रेस श्वेता शर्मा इंडस्ट्री की टॉप 5 बोल्ड एक्ट्रेसेज में शुमार हैं. श्वेता शर्मा की बोल्डनेस के आगे उर्फी जावेद भी पानी मांगती नजर आती हैं. श्वेता शर्मा की एक-एक तस्वीर इंटरनेट पर तहलका मचाती है. आइए, यहां देखते हैं श्वेता शर्मा की अबतक की सबसे बोल्ड और सिजलिंग फोटोज.

भोजपुरी एक्ट्रेस श्वेता शर्मा अपने बोल्ड और सेंसुअल अंदाज को लेकर सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं. श्वेता शर्मा को भोजपुरी इंडस्ट्री की टॉप 5 बोल्ड अदाकाराओं में गिना जाता है. श्वेता शर्मा की खूबसूरती और फैशन सेंस के कारण फैंस उन्हें भोजपुरी इंडस्ट्री की उर्फी जावेद बुलाते हैं. श्वेता शर्मा के इंस्टाग्राम अकाउंट पर बोल्ड तस्वीरों की भरमार है.

श्वेता शर्मा सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं. आए दिन श्वेता अपनी बोल्ड फोटोज से तो तहलका मचाती ही रहती हैं. साथ ही वह अपनी डांस वीडियो से भी फैंस को इंप्रेस करती हैं. बता दें, श्वेता शर्मा एक बेहतरीन डांसर भी हैं.

श्वेता शर्मा के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस ने भोजपुरी स्टार रितेश पांडे के साथ गजब करईहा नाम के एल्बस से इंडस्ट्री में कदम रखा था. इस गाने में श्वेता और रितेश पांडे की जोड़ी को खूब पसंद किया गया था.

श्वेता शर्मा अपनी अदाकारी और बोल्ड अदाओं के कारण भोजपुरी इंडस्ट्री का पॉपुलर नाम बन गई हैं. एक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर लाखों लोग फॉलो करते हैं, और उनकी नई फोटो और वीडियोज का बेसब्री से इंतजार भी करते हैं.

श्रद्धा कपूर ने उठाया टेस्टी खाने का लुत्फ

वीडियो देख यूजर्स बोले- कोई खाते वक्त भला इतना क्यूट कैसे हो सकता है

हाल ही में एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो तरह-तरह के टेस्टी फूड आइटम्स को एंजॉय करती हुई नजर आ रही हैं। वीडियो की शुरुआत में श्रद्धा अपनी प्लेट में डोनट सर्व करते हुए नजर आ रही है। इसके बाद एक बड़ी सी थाली में दाल, चावल, पापड़, मिठाई और दूसरे टेस्टी डिशेज नजर आ रही हैं। श्रद्धा को एक-एक कर सभी स्वादिष्ट व्यंजन का लुत्फ उठाते हुए देखा जा सकता है। पोस्ट शेयर करते हुए श्रद्धा लिखती हैं- 'खाना इस बे'।

वीडियो में यूजर्स को श्रद्धा के क्यूट एक्सप्रेशन बेहद पसंद आ रहे हैं। श्रद्धा का ये फूड लवर वीडियो उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। एक यूजर ने पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा- 'आप एक दिन में कितने डिशेज खा लेते हो?' दूसरे यूजर ने लिखा- 'कोई खाते वक्त भला इतना क्यूट कैसे दिख सकता है।' एक अन्य यूजर ने लिखा- जहां लोग धोखे खा रहे हैं, वहीं हम खाना खाकर ही खुश हैं।

आज भी रेणुका शहाणे को झेलना पड़ रहा रिजेक्शन, एक्ट्रेस का छलका दर्द

एक सीनियर एक्टर होने के बाद भी अगर आप ऑडिशन में फेल हो जाते हैं, तो कैसा महसूस होता है, इसकी कल्पना नहीं का जा सकती है. हाल के दिनों में ऐसा ही एक्ट्रेस रेणुका शहाणे के साथ हो रहा है. उन्होंने अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में इस दर्द को बयां किया है. रेणुका ने बताया कि वे इन दिनों अक्सर ऑडिशन में रिजेक्ट हो रही हैं.

रेणुका ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि वैसे वो रिजेक्शन को गंभीरता से नहीं लेती है. ऑडिशन के बाद रिजेक्शन पहले भी हो चुका है. मैं अपने डायरेक्टर से अपने कैरेक्टर को समझना चाहती हूं. लेकिन इन दिनों कास्टिंग डायरेक्टर्स के असिस्टेंट ये सब काम करते हैं, जो शॉकिंग है. मैं इस प्रोसेस को नहीं समझ पा रही हूं.

रेणुका ने कहा कि 'मुझे लगता है कि ऑडिशंस में मैं अपना 100 फीसदी नहीं दे पा रही हूं. मैं ऐसा सोचती हूं कि मैं बुरी एक्टर हूं. मैं भी एक डायरेक्टर हूं और नए टैलेंट को खोजती हूं. मुझे पता है ये एक्टिंग के बारे में नहीं है. सिर्फ इतना है कि एक्टर अपने कैरेक्टर के करीब नहीं जा पाया.' रेणुका शहाणे कई हिट फिल्मों और शोज में नजर आ चुकी हैं. रेणुका की हालिया रिलीज मूवी 'गोविंदा नाम मेरा है'. फिल्म में विक्की कौशल, कियारा आडवाणी और भूमि पेडनेकर लीड रोल में हैं. शशांक खेतान के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में रेणुका के कॉमिक रोल की तारीफ हो रही है. एक्ट्रेस ने अपना करियर 1988 में शुरू किया था।

मां बनते ही और स्टाइलिश हुईं अनिल कपूर की लाडली, सोनम ने दिखाया सिजलिंग अंदाज

दिग्गज एक्टर अनिल कपूर की लाडली और एक्ट्रेस सोनम कपूर पिछले कुछ समय से कम ही प्रोजेक्ट्स में दिखाई दे रही हैं. हालांकि, इसके बावजूद वह लगातार लाइम लाइट में जरूर बनी हुई हैं. इसके वजह उनकी पर्सनल लाइफ और स्टाइलिश फोटोशूट हैं. एक्ट्रेस ने अपने स्टाइल से दुनियाभर के लोगों को अपना दीवाना बनाया है. फैंस भी उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं. ऐसे में उनका हर लुक तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो जाता है.

सोनम बेशक कम ही फिल्मों में दिखी हैं, लेकिन अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए एक्ट्रेस अपने चाहने वालों के साथ जुड़ने का कोई मौका नहीं छोड़तीं. अक्सर उनके पेज पर नए लुक्स की झलक दिखती हैं. अब फिर से एक्ट्रेस का लेटेस्ट फोटोशूट वायरल हो रहा है. यहां उन्हें ब्लैक कलर की सिल्क डीपनेक ड्रेस पहने हुए देखा जा रहा. इसके साथ उन्होंने ब्लैक कलर की हाई हील्स कैरी की हैं.

बहुत हॉट दिख रही हैं सोनम कपूर

सोनम ने अपने इस लुक को न्यूड मेकअप और स्मोकी शाइनी आईज से कंप्लीट किया है. इसके साथ उन्होंने अपने बालों को सॉफ्ट कर्ल्स के साथ ओपन रखा है. इस लुक में एक्ट्रेस हमेशा की तरह बहुत हॉट दिख रही हैं. वहीं, एक्ट्रेस ने एक बार फिर से प्रेग्नेंसी के बाद खुद को फिट कर लिया है. बता दें कि कुछ समय पहले ही एक्ट्रेस एक प्यारे से बेटे की मां बनी हैं.

इस फिल्म में दिखेंगी सोनम कपूर

सोनम के वर्क फ्रंट की बात करें तो इस समय वह शोम मुखर्जी के निर्देशन में बनी अगली फिल्म 'ब्लाइंड' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. इस फिल्म में एक्ट्रेस के साथ पूरब कोहली और विनायक पाठक जैसे सितारे भी अहम किरदारों में दिखेंगी. यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है. सोनम के फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

ट्रोलर्स ने देवोलीना से पूछा बच्चे हिंदू होंगे या मुस्लिम

देवोलीना ने दिया मुंहतोड़ जवाब, बोलीं- आप कौन?; अपने धर्म पर फोकस कीजिए

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस देवोलीना भट्टाचार्जी ने सोशल मीडियो के जरिए ट्रोलर्स को मुंहतोड़ जवाब दिया है। दरअसल इंटर-रिलिजन शादी करने पर कई लोग देवोलीना को लगातार ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने देवोलीना का मजाक उड़ाते हुए पूछा कि उनके बच्चे हिंदू होंगे या मुसलमान? हालांकि उस यूजर ने तो अपना पोस्ट डिलीट कर दिया, लेकिन देवोलीना ने उन्हें करारा जवाब दिया है।

मेरे बच्चे हिंदू होंगे या मुसलमान आप कौन?

देवोलीना ने इसके जवाब में लिखा, 'मेरे बच्चे हिंदू होंगे या मुसलमान आप कौन? अगर आपको इतनी बच्चों को लेकर चिंता हो रही है, तो बहुत सारे अनाथ आश्रम हैं, जाइए एडोप्ट कीजिए और अपने हिसाब से धर्म और नाम चुनिए। मेरा पति, मेरा बच्चा, मेरा धर्म और मेरे नियम..आप कौन?

अपने धर्म पर फोकस कीजिए

देवोलीना ने दूसरे ट्वीट में लिखा, 'मेरे और मेरे पति पर छोड़ दीजिए। हम देख लेंगे और दूसरों के धर्म पर गूगल सर्च करने की बजाए अपने धर्म पर फोकस कीजिए और अच्छे इंसान बनिए। आप जैसों से ज्ञान लेने की मुझे कतई जरूरत नहीं है।

देवोलीना ने इसके बाद शनावाज के लिए थैंक यू नोट लिखा। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'बस हमेशा मेरे साथ रहने के लिए धन्यवाद शोनू जब किसी ने यह पूछने की जहमत नहीं उठाई कि मैं अच्छा कर रही हूं या नहीं। जिस तरह से मैं हमेशा चाहती थी उस तरह से मुझे महसूस कराने के लिए धन्यवाद। और सबसे जरूरी ये है कि मेरी रिस्पेक्ट करने और मुझे मेरी खामियों के साथ स्वीकार करने के लिए धन्यवाद। बहुत कुछ कहना चाहती हूं, लेकिन फिलहाल इतना ही।'

कपल ने की कोर्ट मैरिज

कपल ने इंटर रिलीजन होने के चलते शादी के लिए कानूनी तरीका अपनाया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी फैंस को दी थी। देवोलीना के पति का नाम शनावाज शेख है। शनावाज शेख एक जिम ट्रेनर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों की मुलाकात जिम में हुई थी। शादी से पहले दोनों करीब दो साल तक एक-दूसरे को डेट कर रहे थे।

ऑफिस में इन बातों का रखेंगी ख्याल तो वर्किंग आवर्स बीतेगा खुशनुमा, मूड भी रहेगा फ्रेश

आप वर्किंग वूमन हैं. डेली ऑफिस जाती हैं और 8-9 घंटे की ड्यूटी करके घर वापस आती हैं. लेकिन, क्या कभी आपने ये महसूस किया है कि आप जो भी काम कर रही हैं, उसमें आपको कितना मजा आ रहा है? आपको अपना वर्क, ऑफिस का माहौल, आप जहां बैठकर काम करती हैं, उसमें कितनी पॉजिटिविटी है? वर्क प्लेस को एंजॉय करने का एक सिंपल फंडा ये है कि आप जितना अपने काम और आसपास के वातावरण से खुशी महसूस करेंगी, उतना ही बेहतर परफॉर्म कर सकेंगी. यह बात सिर्फ महिलाओं पर ही लागू नहीं होती है, ये हर व्यक्ति पर लागू होती है, जो लोग भी ऑफिस जाते हैं. अपने काम को आप तभी अच्छे से कर सकेंगी, जब आपके आसपास का माहौल, वातावरण खुशनुमा, साफ-सुथरा हो. आपके बैठने का तरीका सही हो. आप घर के साथ ही ऑफिस का भी काम करती हैं तो वर्किंग आवर्स को हैप्पी और बेटर बनाने के लिए बस फॉलो करें ये सिंपल सी बातें.

वर्क आवर को खुशनुमा बनाएंगे ये टिप्स

* ऑफिस में अपने डेस्क पर जाते ही क्या आपका मूड ऑफ हो जाता है? वहां बैठने का मन नहीं करता और चाहती हैं कोई अच्छी स्पेस मिल जाए तो ऐसा सोचना नेचुरल है. लेकिन, कई बार ऑफिस में इतनी जगह नहीं होती कि आपको पसंदीदा सीट मिल जाए. यदि आप घर के ढेर सारे काम निपटा कर उखड़ी मूड से ऑफिस पहुंचती हैं तो इससे आपके काम पर भी नेगेटिव असर पड़ सकता है. बेहतर है कि आप जिस जगह बैठकर काम करती हैं, उसे मैनेज करें. आपका खुद का वर्क डेस्क जितना साफ-सुथरा और वेल मैनेज होगा, आपका मूड भी फ्रेश रहेगा. आप मन लगाकर कर काम कर पाएंगी.

* ऑफिस का माहौल आपके मूड और वर्क डिलीवर करने की आपकी क्षमता को प्रभावित कर सकता है. वास्तव में, आपके आस-पास का पॉजिटिव परिवेश आपके काम को और भी अधिक बेहतर बना सकता है. अपने आस-पास के वातावरण, माहौल को खुशनुमा और जीवंत रखने की कोशिश करें. इसकी शुरुआत अपने डेस्क से करें. सुनिश्चित करें कि आपका डेस्क बिना किसी अव्यवस्था के साफ-सुथरा हो. खुशनुमा रंगों के फूल या छोटे-छोटे पौधे रखें. डेस्कटॉप से आपको अधिक जगह नहीं मिल पाता है तो आप लैपटॉप का इस्तेमाल करें.

* यदि आपके डेस्क के पास की दीवार का रंग बहुत अधिक आंखों को चुभने वाला है तो आप दीवार पर कैलेंडर, काम से संबंधित चार्ट पेपर, एक्सेसरीज से डेकरोट कर सकती हैं. ऐसा करके ना सिर्फ आपकी आंखों को सुकून महसूस होगा, बल्कि काम करने में भी मन लगेगा. बार-बार आपका दिमाग डाइवर्ट नहीं होगा.

* अक्सर लोग ऑफिस में काम करते समय अपने पोस्चर पर ध्यान नहीं देते हैं. यदि आप भी ऐसा करती हैं तो इस आदत को बदल दें. यदि आपकी कुर्सी या डेस्क आरामदायक नहीं है तो तुरंत उसे बदलने की बात करें. घर के काम करके अक्सर महिलाओं को कमर, पीठ में दर्द रहता है, ऐसे में ऑफिस में भी आप अनकंफर्टेबल होकर काम करेंगी तो समस्या बढ़ सकती है. हमेशा कुर्सी पर सीधी होकर बैठें. कंधे आगे की तरफ झुके ना हों. कंप्यूटर स्क्रीन से गैप बनाकर बैठें. डेस्क पर झुककर ना बैठें. डेस्क पर प्रॉपर लाइट आती रहे. इस तरह से बैठकर देखें, आप अधिक ऊर्जावान, जीवंत और खुशी महसूस करेंगी.

* समय-समय पर अपने व्यस्त कार्यक्रम में से कुछ समय खुद को व्यवस्थित करने के लिए निकालें. डेस्क पर बिखरे पड़े कागजों को डस्बिन में फेंक दें. अपने कंप्यूटर को व्यवस्थित करें.

अपनी फाइलों को अलग करें. अपने ईमेल को अच्छी तरह से टैग करके रखें, ताकि आवश्यकता पड़ने पर आप कोई भी जानकारी प्राप्त कर सकें. अपने काम को सही समय पर पूरा करें. स्मार्ट तरीके से हर चीज को मैनेज करेंगी तो प्रेशर कम महसूस होगा और दिन हैप्पी और कम तनाव भरा बीतेगा.

बड़ी आईलिड के लिए ट्रेंड में हैं ये स्मोकी आई मेकअप

अगर ट्रेंड की बात करें तो ग्लैमरस लुक पाने के लिए स्मोकी आई मेकअप एवरग्रीन लुक है। अगर अपना बोल्ड लुक चाहती हैं तो बस जरूरत है ट्रेंड को अडॉप्ट करने की। स्मोकी लुक को आप किसी ग्लैमरस ड्रेस, पैंट सूट या पार्टी लुक के लिए फॉलो कर सकती हैं।

सॉफ्ट शिमर स्मोकी

सॉफ्ट शिमर स्मोकी आई मेकअप में आप ब्लैक का लाइट टोन यानी लाइट ब्लैक या ग्रे जैसे शेड्स का इस्तेमाल करें। लाइट टोन में थोड़ा डिफरेंट प्ले करने के लिए आप ब्लैक के साथ कोई लाइट कलर को मर्ज कर सकते हैं। इससे ब्लैक का टोन लाइट हो जाएगा। फिर उसके ऊपर शिमर का इस्तेमाल करना न भूलें। शिमर में आप गोल्ड या सिल्वर शेड्स चुन सकते हैं।

ब्लैक एंड ब्राउन लुक

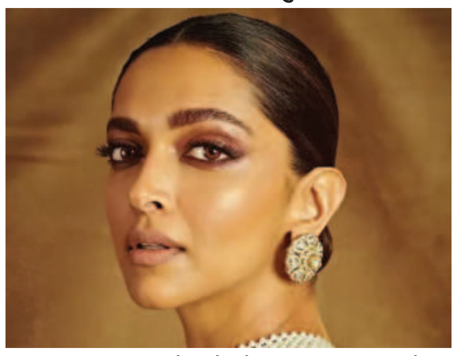

यदि आप सॉफ्ट टोन से थोड़ा हाई वॉल्यूम स्मोकी आई मेकअप चाह रही हैं तो इस लुक को फॉलो कर सकती हैं। इस लुक के लिए आप ब्लेक टोन के साथ ब्राउन टोन का इस्तेमाल करें। इससे आपको स्टनिंग लुक मिलेगा और आंखें कम ड्रमैटिक नजर आएंगी। इसके लिए आप ब्राउन शेड को अपने अपर और लोअर आईलिड पर लगाएं। इसके बाद ब्लैक पेंसिल से लाइनर लगाएं और फिर लैशेज वाले हिस्से पर दोनों शेड्स को मर्ज करें।

विंग्ड स्मोकी

इस तरह के स्मोकी लुक को पाने के लिए आप अपनी आंखों को विंग्ड स्टाइल आईलाइनर के साथ

प्ले कर सकती हैं। ग्राफिक आईलाइनर आई मेकअप के हॉटेस्ट ट्रेंड्स में से एक है और विंग्ड आईलाइनर तो इस बार सबकी निगाहें आप पर टिकाने के लिए तैयार है। इसे कैरी करना भी कोई बहुत मुश्किल काम नही हैं। बस इसके लिए शेड को विंग्ड स्टाइल पर ऊपरी लिड पर लगाते हुए नीचे की लिड तक लगाएं। इसे हल्का से स्मज करें और फिर पेंसिल लाइनर से विंग्ड शेप में आईलाइनर लगाएं।

क्लासिक मोड

बोल्ड ब्लैक के साथ हैवी स्मोकी आई मेकअप की किसी अन्य मेकअप के साथ तुलना नहीं की जा सकती है। इस लुक के लिए आप ब्लैक के डार्क शेड को आई लिड पर लगाकर अच्छे से मर्ज करें। इसके बाद ब्लैक आई पैंसिल से आईलाइनर और काजल लगाते हुए आंखों को कम्प्लीटली स्मोकी लुक दें। इस तरह का आई मेकअप आप किसी भी तरह के आउटफिट्स के साथ कैरी कर सकती हैं।

स्मोकी आई लाइनर

यदि आप अपनी आंखों को हैवी डार्क शेड्स और बिग लाइनर के साथ नहीं प्ले करना चाहती हैं और आपको स्मोकी आई मेकअप भी करना है, तो आप इस तरह के लुक को फॉलो कर सकती हैं। इस स्मोकी लुक में आप ब्रंट ऑरेंज, मोव और पर्पल जैसे कलर्स का इस्तेमाल कर के अपने आंखों को बोल्ड लुक दे सकती हैं। इसके लिए इन शेड्स को अपने आई लिड के ऊपरी हिस्से पर लगाएं और मर्ज करें। इस लुक में आप आई लाइनर का इस्तेमाल न करें, सिर्फ मस्कारा लगाएं। आपका स्मोकी लुक कंप्लीट है।

हर एग्जाम के लिए बेहद जरूरी है सेल्फ इंप्रूवमेंट टिप्स, इस तरह करें अप्लाई

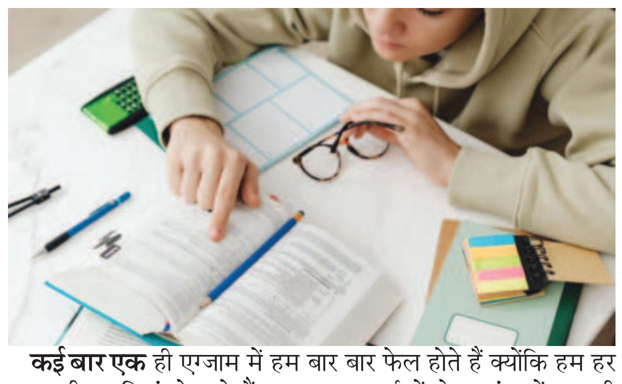

कई बार एक ही एग्जाम में हम बार बार फेल होते हैं क्योंकि हम हर बार वही गलतियां दोहराते हैं. आजकल पढ़ाई में सेल्फ इंप्रूवमेंट काफी मदद करता है, खुद को गलतियों को करने से रोक लेंगे तो एग्जाम आसानी से निकल जायेगा. आइए जानें सेल्फ इंप्रूवमेंट के टिप्स.

अपने याद किये की जांच करें

जब खाली समय में बैठे हो तो खुद की तैयारी को जांच सकते हैं. जो भी अब तक पढ़ा है उसे दोहराने की कोशिश करें जो याद आ जा रहा है उसका मतलब है कि वह तैयार हो गया है लेकिन जो चीजे भूल रहें हैं उन्हे फिर से तैयार करें.

अपने आप को सुनें

पढ़ाई करने के बाद आपको लगता है कि सब तैयार है लेकिन बाद में पता चलता है कि काफी कुछ भूल गए हैं तो इसके लिए रिवीजन बहुत जरूरी है. फोन पर अपनी आवाज रिकॉर्ड कर लीजिए जिसे सोते समय सुन कर रिवीजन कर सकते हैं.

बहुत गहरी नज़र डालें

बहुत से लोगो को देखकर चीजे जल्दी याद हो जाती है, तो ऐसे स्टुडेंट्स इन्टरनेट की मदद से ग्राफिक से चीजों को समझ सकतें हैं. ऐसे पढ़ाई की तुलना में अगर किसी चित्र, चार्ट, या आकृति से दी गई जानकारी जानकारी को याद रखना बहुत आसान है, इसलिए ये टिप्स अपना सकते हैं।

बार बार नोट्स को लिखें

लिखकर पढ़ने पढ़ने के कई फायदे होते हैं इसीलिए अक्सर बचपन में हमारे बड़े सलाह देते थे कि लिखकर याद करो. इससे न केवल याद ही होता है बल्की लेख में भी सुधार आता है. एग्जाम के पहले खुद से लिखे नोट्स बना लें और इनको जब देखेगे तो पढ़ा हुआ खुद याद आ जायेगा, कोई इंपोर्टेंट बात हो तो उसे लिखकर किसी ऐसी जगह लगा दें जहाँ आपका अधिक बार आना जाना होता रहता है.

नई जगह लगी है नौकरी तो इन आदतों से बना लें दूरी

आजकल हर व्यक्ति एक सफल करियर पाना चाहता है. जिसके लिए वे दिन रात कड़ी मेहनत करते हैं. आज के समय में एक अच्छी नौकरी पाना वैसे तो बहुत कठिन है. लेकिन उससे ज्यादा कठिन है, उस नौकरी को बरकरार रखना.

अगर किसी व्यक्ति की कहीं नई जगह नौकरी लगती है तो उन्हें नए ऑफिस में जाने से पहले कई जरूरी बातों का ध्यान रखना होगा. क्यूंकि कुछ भी गलत चीज की वजह से उनका इम्प्रेशन खराब हो सकता है. कई बार ऑफिस में काम करते वक्त हम कुछ ऐसी चीजें कर देते हैं जो हमे नहीं करना चाहिए. ऐसे में खासतौर पर नए ऑफिस में ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है.

आइये जानते हैं कि ऐसी कौन सी गलतियां हैं, जिनको ऑफिस में करने से बचना चाहिए और जिनका हमेशा ध्यान रखना चाहिए.

ऑफिस में पर्सनल बातें शेयर करना

अगर पहली नौकरी है या फिर कहीं नए ऑफिस में नौकरी लगी है तो, कभी भी किसी भी तरह की अपनी पर्सनल बातें किसी से भी शेयर न करें. हमेशा अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को अलग-अलग ही रखना चाहिए. अपनी पर्सनल बातें शेयर करने से कई बार ऑफिस में आपके बारे में अफवाहें भी फैल सकती हैं. साथ ही को-वर्कर्स के सामने आपका इम्प्रेशन गलत भी बन सकता है. जिससे काम पर भी नेगेटिव असर पड़ सकता है.

पंचुअल न होना

एम्प्लॉई को ऑफिस में अपने किसी भी काम, प्रोजेक्ट या फिर टारगेट को दिए गए डेड लाइन तक पूरा करना होता है. ऑफिस में हमेशा समय से पहुंचना भी आपको प्रोफेशनल बनाता है. अगर कोई एम्प्लॉई समय का पाबंद नहीं है तो इससे उनकी पर्सनलिटी पर भी काफी बुरा असर पड़ता है. साथ ही अगर आप ऑफिस टाइमिंग से पहले ही पहुंचते हैं तो लोग आपकी और भी ज्यादा तारीफ भी करते हैं.

कलीग के साथ अच्छे से पेश न आना

नए ऑफिस में आप किसी बात को लेकर घमंड करेंगे, या फिर किसी से भी किसी भी तरह की बदसलूकी करेंगे तो ये आपकी इमेज बेहद नेगेटिव बनाएंगे. ऑफिस में अपने साथियों के साथ अपने संबंध बिलकुल खराब न करें. चाहे वो आपके जूनियर हों या फिर सीनियर. उससे अच्छा व्यवहार करें और इज्जत दे.

ऑफिस में ज्यादा फोन इस्तेमाल करना

ऑफिस में नए हैं या पुराने ऑफिस में अपने फोन को खुद से थोड़ा दूर रखें. बार बार अपना फोन इस्तेमाल करते हुए अगर आप किसी की नजरों में आ जाते हैं तो आपका इम्प्रेशन बेहद गलत पड़ सकता है. साथ ही आप बेहद अनप्रोफेशनल भी कहलायेंगे.

हैंडसम दिखना है तो यूं अपडेट करें अपना वार्डरोब

अगर आप दोस्त की बारात में छा जाना चाहते हैं तो अपने वार्डरोब को अपडेट करना सीखें। ये लेटेस्ट फैशन ट्रेंड आपको सबसे अलग दिखाने में मदद करेंगे। हम बता रहे हैं कुछ ऐसे कपड़ों के बारे में जिनकी वेडिंग सीजन के दौरान आपको शॉपिंग करना ही चाहिए।

ब्लू जींस

इस कलर की जींस कई रंगों की टीशर्ट पर अच्छी लगती है। पार्टी में इसे स्टाइलिश टॉप के साथ पहन सकते हैं। इसके साथ ब्लेजर या जैकेट भी सूट करते हैं। बॉयज इसे कैजुअल वियर के तौर पर ट्राय करें। इसके साथ वॉच जैसी एसेसरीज आपकी पर्सनालिटी निखारने में मदद करती है।

लेदर जैकेट

लेदर की जैकेट किसी लड़के के पास न हो, तो स्टाइल में कमी रह ही जाती है। इसके लिए आप काला या हलका ब्राउन कलर चुन सकते हैं। अगर आपकी टीशर्ट नॉर्मल सी भी है तो ये जैकेट आपको हैंडसम लुक देगी। इसके साथ मफलर या कैप पहनकर अपने लुक को बढ़ाया जा सकता है।

पोलो शर्ट

पोलो शर्ट में लगभग हर लड़का बहुत स्मार्ट लगता है। हाफ स्लीव्स की स्पोर्टी लुक देने वाली इस टीशर्ट में आपके बाइसेप्स भी शो होते हैं। इसके ब्रॉड कॉलर आपको स्मार्ट लुक देते हैं। नेवी और काले रंग की पोलो शर्ट आप पर खूब सूट करेगी। अगर शादी दिन के समय है और कुछ समझ नहीं आ रहा तो पोलो टी शर्ट को जींस के साथ पहनकर जा सकते हैं।

व्हाइट शर्ट

लड़कों पर सफेद रंग की शर्ट बहुत जंचती है। एक ऐसी शर्ट तो आपकी अलमारी में होनी ही चाहिए। इस कलर की राउंड नेक लेयर्ड टी-शर्ट भी आपकी स्मार्टनेस बढ़ाने में मदद करेगी। अगर आप सिंपल और स्टाइल का मिक्सचर चाहते हैं तो ऐसे शर्ट को ब्लेजर के साथ पहन सकते हैं। इस मौसम में व्हाइट के अलावा ब्लैक शर्ट भी ऑन डिमांड है।

सूट

शादी में जाने के लिए सूट सबसे अच्छे विकल्प में से एक है। अगर आप सूट में ट्रेंडी लुक चाहते हैं तो शर्ट के बजाय प्रिंटेड टी-शर्ट और फॉर्मल शूज के बजाय व्हाइट स्नीकर्स पहनकर देखें। इससे आप एकदम स्टाइलिश दिखेंगे। हालांकि सूट के कलर का चयन अपने स्किन टोन के हिसाब से करें।

सरकारी नौकरियां

रेलवे में निकली सीधी भर्ती, 15 जनवरी तक कर सकेंगे अप्लाई

भारतीय रेलवे में नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए शानदार मौका है। रेलवे में 2,422 पदों पर वैकेंसी निकली है। जिसके लिए 24 साल तक की उम्र के 10वीं पास उम्मीदवार रेलवे की ऑफिशियल वेबसाइट rrccr.com पर जाकर 15 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। रेलवे द्वारा निकली गई बम्पर भर्ती में उम्मीदवारों का सिलेक्शन बिना परीक्षा के सीधे 10वीं के नंबर के आधार पर किया जाएगा।

वैकेंसी डिटेल्स

रेलवे रिक्रूटमेंट सेल की ओर से जारी इस भर्ती अभियान के तहत सेंट्रल रेलवे ऐप्रैंटिस के कुल 2422 पदों पर पोस्टिंग दी जाएगी।

योग्यता : न्यूनतम आवश्यक योग्यता के तहत छात्रों ने कक्षा 10वीं की परीक्षा न्यूनतम 50 फीसदी अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो।

उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित ट्रेड में आईटीआई कोर्स पास होना चाहिए। आवेदन करने के लिए न्यूनतम आवश्यक आयु 15 वर्ष है और ऊपरी आयु सीमा 24 वर्ष है।

आयु की गणना का आधार 1 मई, 2022 रखा गया है। रिजर्व कैटेगरी को नियमानुसार छूट दी गई है। मैट्रिक और आईटीआई दोनों पाठ्यक्रमों में उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त प्रतिशत अंकों का औसत लेकर मेरिट सूची तैयार की जाएगी।

ऐसे करें अप्लाईः सबसे पहले ऑफिशियल वेबसाइट rrccr.com पर क्लिक करें। वेबसाइट के होम पेज पर Apprentice Recruitment के लिंक पर क्लिक करें। अब अप्लीकेशन फॉर्म भरें। आगे की जरूरत के लिए एक प्रिंट आउट लेकर रखें।

दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड में जूनियर क्लर्क के पदों पर निकली भर्ती

दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड (डीसीबी) ने 7वें सीपीसी के लेवल-2 के अंतर्गत जूनियर क्लर्क के पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। बोर्ड द्वारा जारी विज्ञापन (सं.DCB/12/VI/Apptt./JC/2022-23) के अनुसार, जूनियर क्लर्क के 22 पदों पर भर्ती की जानी है। इन खाली पदों में से 11 अनारक्षित हैं। जबकि 5 पद ओबीसी, 3 एससी और 1 एसटी कैटेगरी के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। इन सभी पदों पर नियमित आधार पर भर्ती की जाएगी।

आवेदन की आखिरी तारीख : 13 जनवरी 2023

योग्यताः दिल्ली कैंट जूनियर क्लर्क भर्ती के लिए आवेदन के इच्छुक उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं की परीक्षा या कोई अन्य समकक्ष परीक्षा पास होना चाहिए। साथ ही, उम्मीदवारों की कंप्यूटर पर हिंदी में 30 शब्द प्रति मिनट या अंग्रेजी में 35 शब्द प्रति मिनट की टाइपिंग स्पीड होनी चाहिए।

उम्मीदवारों की उम्र 21 वर्ष से कम और 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। आरक्षित वर्गों जैसे - एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांग, भूतपूर्व कर्मचारी और अन्य विभागीय उम्मीदवारों के लिए अधिकतम आयु सीमा में छूट का भी प्रावधान है।

कैसे करें आवेदन : दिल्ली कैंट जूनियर क्लर्क भर्ती 2023 के लिए आवेदन के योग्य उम्मीदवार डीसीबी की ऑफिशियल वेबसाइट, delhi.cantt.gov.in पर उपलब्ध कराए गए लिंक या नीचे दिए गए डायरेक्ट लिंक से ऑनलाइन अप्लीकेशन पेज पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

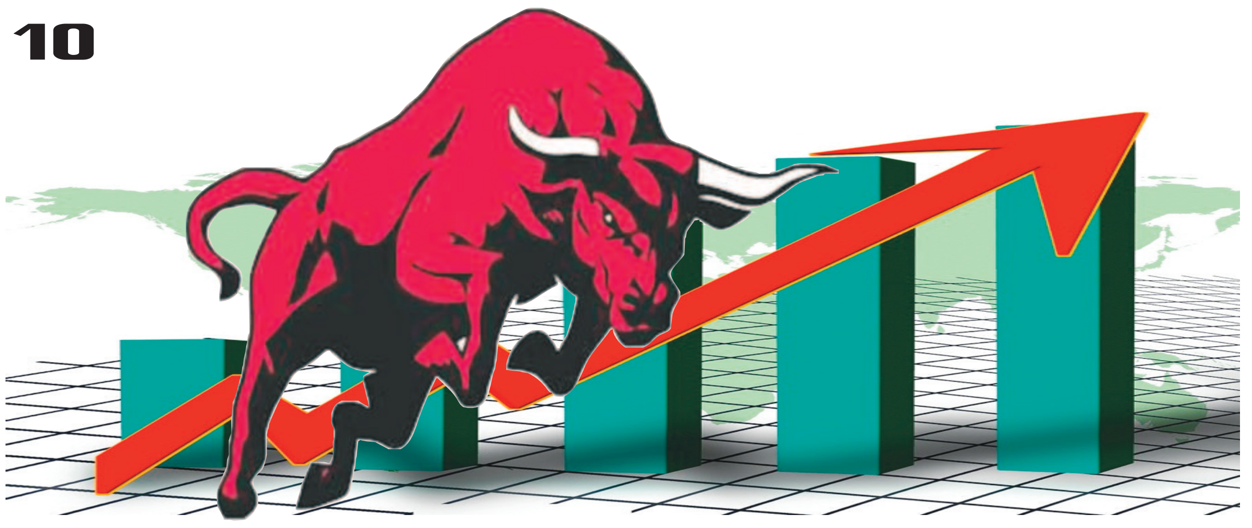

विदेशी निवेशकों ने शेयर मार्केट में धीमा किया निवेश, दिसंबर में 10,555 करोड़ ही डाले

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में निवेश की रफ्तार को धीमा कर दिया है। नवंबर के मुकाबले दिसंबर महीने में अब तक एक तिहाई ही निवेश किया है। आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी बाजारों में दिसंबर महीने में अब तक करीब 10,555 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। वहीं, नवंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय बाजारों में 36,200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि एक से 16 दिसंबर के बीच एफपीआई ने 10,555 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। इससे पहले, सितंबर में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 7,624 करोड़ रुपये और अक्टूबर में आठ करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी।

कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी शोध (खुदरा) प्रमुख श्रीकांत चौहान ने कहा कि आने वाले समय में एफपीआई से आने वाला पूंजी प्रवाह अस्थिर रह सकता है क्योंकि दुनिया भर के बाजारों में अस्थिरता बढ़ रही है।

इसकी वजह यह है कि दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने मुद्रास्फीति को काबू में करने के लिए लंबे समय तक ब्याज दरों को ऊंचे स्तर पर रखने का इरादा जताया है। भारत को छोड़कर फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, ताइवान, थाईलैंड और इंडोनेशिया समते सभी उभरते बाजारों में दिसंबर में अब तक एफपीआई प्रवाह नकारात्मक रहा है।

इस बार इलेक्ट्रिक व्हीकल का रहेगा जलवा

रिकॉर्ड 30 कंपनियां दिखाएंगी अपने मॉडल्स

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में तीन साल बाद आखिरकार 15वां ऑटो एक्सपो 13 से 18 जनवरी 2023 को आयोजित होगा। नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में होने वाले इस मोटर शो में इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली कंपनियों का बोलबाला रहेगा। इस बार इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली 30 कंपनियां इसमें शामिल होंगी।

मारुति सुजुकी और हुंडई सहित कई बड़ी कंपनियां होंगी शामिल

एक्सपो में मारुति सुजुकी, हुंडई मोटर्स, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया, एमजी मोटर इंडिया, टोयोटा, बीवाईडी इंडिया और बड़ी संख्या में स्टार्ट-अप्स भी अपने अपकमिंग मॉडल्स को शोकेस करते दिखेंगे। अशोक लीलेंड, आईशर, जेबीएम, इसूजू जैसी कमर्शियल वाहन बनाने वाली कंपनियां भी हिस्सा लेंगी। इसके अलावा लिथियम-आयन बैटरी, चार्जर और अन्य ईवी कंपोनेंट मैन्यूफैक्चरर के साथ टायर कंपनियां भी अपने प्रोडक्ट शो करेंगे।

ये ईवी कंपनियां होंगी शामिल

ओकिनावा आटोटेक, ग्रीव्स कॉटन, हीरो ईको टेक, टॉर्क मोटर्स, वार्ड विजार्ड इनोवेशन और मैटर मोटर वर्क्स, देवोट मोटर्स, स्लेजहैमर वर्क्स, मोटोवोल्ट मोबिलिटी, फुजियामा पावर इन्फ्रा, अल्ट्रा वॉयलेट ऑटोमोटिव, एलएमएल इमोशंस, क्वांटम एनर्जी और ब्लाइव उन 30 ईवी कंपनियों में शामिल हैं जो ऑटो एक्सपो 2023 में शामिल होंगी। इसके अलावा तीन ईवी कमर्शियल व्हीकल प्लेयर्स-ओमेगा सेकी, हेक्साल मोटर्स, जुपिटर इलेक्ट्रिक भी भाग लेंगे।

फ्लेक्स फ्यूल व्हीकल्स की नई सीरीज दिखेगी

सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के डायरेक्टर राजेश मेनन ने बताया कि इस ऑटो एक्सपो में फ्लेक्स फ्यूल व्हीकल्स की नई सीरीज पेश की जाएगी। इस तरह की गाड़ियां प्योर गैसोलीन और इथेनॉल-बलेंडेड पेट्रोल दोनों पर चल सकते हैं। मेनन ने कहा कि हमारे पास इथेनॉल की पूरी वैल्यू चेन है। इसमें शुगर इंडस्ट्री और एक्सपो में प्रोडक्ट लाइन-अप दिखाने वाली ऑइल मार्केटिंग कंपनियां शामिल हैं।

इन कंपनियों के शामिल होने पर संशय

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस बार महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्कोडा, फॉक्सवैगन, रेनो और निसान जैसी कंपनियां शामिल नहीं होंगी। इसके अलावा लग्जरी ब्रांड्स बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज और ऑडी भी इस ऑटो एक्सपो से दूर रहेंगे। वहीं होंडा कार्स, जीप, सिट्रोएन, वॉल्वो, हीरो मोटोकॉर्प, होंडा टू-व्हील्स, बजाज ऑटो, टीवीएस मोटर, रॉयल एनफील्ड और केटीएम जैसी बड़ी कंपनियों की भादीगारी पर संशय है।

अल्टरनेट फ्यूल-बेस्ड मोबिलिटी पर फोकस

मेनन ने बताया कि ऑटो एक्सपो का यह एडिशन लोगों को मोबिलिटी के भविष्य के साथ-साथ इस सेक्टर के लिए डेवलप की जा रही नई तकनीकों को समझने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि इस मोटर शो में ग्रीन मोबिलिटी में खास तौर पर इलेक्ट्रिफाइड टेक्नोलॉजी और अल्टरनेट फ्यूल-बेस्ड मोबिलिटी पर फोकस किया जाएगा।

स्थान	22 कैरेट गोल्ड (10ग्रा)	24 कैरेट गोल्ड (10ग्रा)	सील्वर (1केजी)
हैदराबाद	49,950 रुपये	54,490 रुपये	73,500 रुपये
बैंगलोर	49,950 रुपये	55,490 रुपये	73,500 रुपये
केरल	49,950 रुपये	54,490 रुपये	73,500 रुपये
विशाखापत्तनम	49,950 रुपये	54,490 रुपये	73,500 रुपये

स्थान	पेट्रोल पर लीटर	डीजल पर लीटर
हैदराबाद	109.67 रुपये	97.82 रुपये
दिल्ली	96.72 रुपये	89.62 रुपये
चेन्नई	102.63 रुपये	94.24 रुपये
मुंबई	106.31 रुपये	97.28 रुपये
बेंगलुरू	101.94 रुपये	87.89 रुपये

देश के 8 करोड़ से अधिक छोटे व्यापारियों के लिए ख़ुशख़बरी

अब ऑनलाइन बेच सकेंगे माल

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। जीएसटी परिषद की 48वीं बैठक का समापन दिल्ली में हुआ है। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने की है। इस बैठक में छोटे व्यापारियों को ई-कॉमर्स के माध्यम से माल बेचने की अनुमति दी गई है। काउन्सिल के इस निर्णय को कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने एक बड़ा कदम बताया है।

क्या है फैसला

जीएसटी काउंसिल के इस फैसले से देशभर के छोटे व्यापारियों में ख़ुशी का माहौल देखा जा रहा है। छोटे व्यापारी जो अभी तक ई-कॉमर्स पोर्टल पर पंजीकृत नहीं हैं, अब वे भी ऑनलाइन अपना माल सेल कर सकेंगे।

कैट ने जताया आभार

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने आज इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की तारीफ करते हुए धन्यवाद दिया है। कैट ने कहा कि ये एक प्रगतिशील फैसला है जिसकी पिछले दो साल से अधिक समय से मांग की जा रही थी। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने अपने सयुंक्त बयान में कहा कि यह निर्णय छोटे व्यापारियों को ई-कॉमर्स के माध्यम से अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए सशक्त बनाएगा और पीएम मोदी के डिजिटल इंडिया विजन को देशभर में मजबूती प्रदान करेगा।

देश में इतने हैं छोटे व्यापारी

उन्होंने कहा कि देश में 8 करोड़ से अधिक छोटे व्यापारी हैं लेकिन बड़ी संख्या में व्यापारी जीएसटी पंजीकरण के बिना व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी वार्षिक बिक्री जीएसटी सीमा से बेहद कम है। ऐसे व्यापारी अब ई-कॉमर्स पर व्यापार कर सकेंगे जो कि एक बहुत बड़ी बात है।

ई-कॉमर्स हब के रूप में उभरा भारत

प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि भारत तेजी से ई-कॉमर्स हब के रूप में उभर रहा है और ऑनलाइन कारोबार में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। भारत में ई-कॉमर्स व्यवसाय अब कुल खुदरा का लगभग 10 फीसदी और वस्त्र और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे कुछ क्षेत्रों का लगभग 25-50 फीसदी है। उन्होंने कहा कि ऐसे में ये जरूरी था कि छोटे वेंडर जिनका टर्नओवर छोटा है और जीएसटी के दायरे में नहीं आते हैं, वे ऑनलाइन कारोबार करने में सक्षम नहीं थे, जिससे बाजार और व्यापार के अवसरों का भारी नुकसान हो रहा था।

दालों की भूसी पर टैक्स शून्य

वही दूसरी ओर दालों की भूसी पर कर की दर 5 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दी है। बैठक में रिफाइनरियों के लिए पेट्रोल के साथ इथेनॉल मिश्रण की अनुमति 5 प्रतिशत की रियायती दर पर दी है। जीएसटी परिषद की बैठक में जीएसटी कानून के तहत अपराधों को गैर-अपराधीकरण, अपीलीय न्यायाधिकरणों की स्थापना पर चर्चा की गई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	में	धनु---	06-31 बजे
चंद्र-	तुला	में	मकर-	08-34 बजे
मंगल	वृष	में	कुंभ -	10-35 बजे
बुध-	धनु	में	मीन...	12-03 बजे
गुरु-	मीन	में	मेष--	13-38 बजे
शुक्र-	धनु	में	वृष--	15-24 बजे
शनि-	मकर	में	मिथुन.	17-25 बजे
राहु-	मेष	में	कर्क...	19-36 बजे
केतु-	तुला	में	सिंह...	21-49 बजे
			कन्या..	22-59 बजे
			तुला	02-05 बजे
			वृश्चिक	04-16 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- पूर्व -कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- एकादशी - **02 -32** राततक उपरान्त द्वादशी
मास - पौष कृष्ण पक्ष , सोमवार **Dec 19**
नक्षत्र - चित्रा **-10-30** तक उपरान्त स्वाति
योग - अतिगण्ड **-03 - 20 -** तक उप सुकर्मा
करण- बव - **15 - 08 -** तक उप- बालव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सफला एकादशी व्रत स्मार्थ वै.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
08:04 से
09:27 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06:44 - 08:04	शुभ	चंचल	17:42 - 19:22	शुभ
काल	08:04 - 09:27	अशुभ	रोग	19:22 - 20:59	अशुभ
शुभ	09:27 - 10:50	शुभ	काल	20:59 - 22:36	अशुभ
रोग	10:50 - 12:13	अशुभ	लाभ	22:36 - 00:13	शुभ
उत्पात	12:13 - 13:36	अशुभ	उत्पात	00:13 - 01:51	अशुभ
चंचल	13:36 - 14:59	शुभ	शुभ	01:51 - 03:28	शुभ
लाभ	14:59 - 16:22	शुभ	अमृत	03:28 - 05:05	शुभ
अमृत	16:22 - 17:42	शुभ	चंचल	05:05 - 06:44	शुभ

सेंसेक्स की टॉप-10 में से 9 कंपनियों का मार्केट कैप 1.22 लाख करोड़ घटा, एचडीएफसी बैंक को फायदा

मुंबई, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजारों में गिरावट के बीच पिछले सप्ताह टॉप 10 में से 9 कंपनियों का मार्केट कैप संयुक्त रूप से 1,22,092.9 करोड़ रुपये घट गया। इस दौरान एचडीएफसी बैंक को छोड़कर शेष सभी 9 कंपनियों के मार्केट वैल्यूएशन में गिरावट देखी गई। बीते सप्ताह शेयर बाजार की बात करें तो बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स इंडेक्स में गिरावट दर्ज की गई। यह 843.86 अंक या 1.36 फीसदी नुकसान में रहा। टीसीएस को अपने मार्केट वैल्यूएशन में 19,960.12 करोड़ रुपये की गिरावट का सामना करना पड़ा। आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट वैल्यूएशन 19,722.3 करोड़ रुपये घटकर 6,29,380.54 करोड़ रुपये और इंफोसिस का मार्केट वैल्यूएशन 19,567.57 करोड़ रुपये घटकर 6,40,617.19 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 29,767.66 करोड़ रुपये घटकर 17,35,405.81 करोड़ रुपये रह गया।

हिमाचल: पशुपालकों से गाय का दूध 90

भैंस का दूध 100 रुपये प्रतिलीटर खरीदने की तैयारी

शिमला, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में पशुपालकों से गाय का दूध 90 और भैंस का दूध 100 रुपये प्रति लीटर खरीदने की तैयारी की जा रही है। अभी मिल्कफेड पशुपालकों से स्टैंडर्ड दूध 32 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से खरीद रहा है। लोगों को गाय का दूध 50 रुपये और भैंस का 60 रुपये प्रति लीटर बेचा जा रहा है। दूध खरीद में होने वाली आर्थिक क्षति की पूर्ति के लिए सरकार से वित्तीय मदद ली जाएगी। कांग्रेस सरकार की नौवीं गारंटी को लागू करने पर पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने कसरत शुरू कर दी है। मुख्य सचिव आरडी धीमान को पशुपालन विभाग के सचिव ने शनिवार को कार्य योजना की जानकारी दी। इसमें विभाग और मिल्कफेड के अधिकारियों को तुरंत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं। वर्तमान में प्रदेश में कुल 4.71 लाख दुधारू पशुपालक हैं, जो दूध उत्पादन व्यवसाय अपनाकर जीवनयापन कर रहे हैं। इन लाखों पशुपालकों को दूध के खरीद दाम बढ़ाकर राज्य सरकार बड़ी सौगात देने की तैयारी में है। नई सरकार प्रदेश के एक जिले में दूध उत्पादन के लिए पायलट प्रोजेक्ट चलाएगी, ताकि इसे मॉडल के रूप में अपनाकर पूरे प्रदेश में श्वेत क्रांति लाई जा सके। मिल्कफेड के प्रबंध निदेशक भूपेंद्र अत्री ने कहा कि इस दिशा में प्रस्ताव तैयार करके सरकार को भेजा जाना है। प्रदेश में अभी मिल्कफेड को मंडी, शिमला और कुल्लू जिले के दुर्गम क्षेत्रों के 50,000 पशुपालक दूध बेच रहे हैं। ये वही पशुपालक हैं, जिनके घरों के पास दूध की बिक्री के लिए बाजार नहीं है। मिल्कफेड इनसे हर रोज करीब 1.30 लाख लीटर दूध खरीद रहा है। इन पशुपालकों का 80 फीसदी दूध मिल्कफेड खरीदता है, जबकि अन्य क्षेत्रों का 75 फीसदी दूध पशुपालक खुले बाजार में बेचते हैं। सरकार हर रोज प्रत्येक परिवार से सिर्फ दस लीटर दूध प्रतिदिन खरीदेगी। प्रदेश में मिल्कफेड के 11 दुग्ध संयंत्र प्रदेश भर में खुले हैं। इनमें से 50 हजार लीटर क्षमता का संयंत्र मंडी और 20 हजार लीटर क्षमता का संयंत्र रामपुर के दत्तनगर में है। दूसरा 50 हजार लीटर क्षमता का दूध संयंत्र दत्तनगर में तैयार किया जा रहा है। अन्य संयंत्र 5 से 10 हजार लीटर क्षमता के हैं।

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी ।आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे ।अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा ।एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी ।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं ।इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं। हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी ।आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं ।सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें ।हालाँकि इन सबके चक्कर में उनकी भी उपेक्षा ना करें

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): बड़ी साझेदारी को अंतिम रूप देने वाले हैं लेकिन आपको अपने पार्टनर को अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट बता देना चाहिए ।यदि कोई विवाद हुआ भी तो आपके भावनाओं में बह जाने की सम्भावना है इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें। आप दिन का अंतिम हिस्सा किसी बोद्धिक कार्यकलाप या कलाकारी सम्बन्धी रूचि में लगा सकते हैं।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आज आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सम्बन्धियों से बात कर सकते हैं ।प्यार से बातचीत करें और नम्र बने रहें ।अगर आप अभी स्थिति को नही संभाल पा रहें हैं तो अभी इसे छोड़ दें। अगर मूड हल्का करना चाहते हैं तो शाम को किसी समारोह में भाग लें ।आध्यात्मिकता और विश्वास पर फोकस करने से आपको सहायता मिलेगी।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आपकी जीभ तेज है और मस्तिष्क तार्किक है लेकिन आपकी यह योग्यता आज आपकी असुरक्षित प्रवृति के कारण प्रभावित होगी ।हमेशा की तरह बहाव का विरोध करने के स्थान पर उसके साथ चलें। आपको अनुभव से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है जबकि अभिमान से आपको कुछ नही मिलेगा।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): खुशियाँ मनाने का समय है ।आपके किसी करीबी की शादी है ।इस जोड़े को आपसे बहुत शुभकामनाएँ मिलेंगी ।अगर किसी से प्यार करते हैं तो उससे शादी के बारे में सोच सकते हैं ।जो पहले से शादीशुदा हैं,उनके लिए पार्टी में मजे करने का समय है ।आज का दिन आपके लिए कुछ अजीब सा रहेगा।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है ।आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा ।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): ।आपकी लोगों से मिलकर और बातचीत के जरिये किसी समझौते पर पहुचने की कोशिश से आप सबको बहुत अच्छे लगेंगे ।आप तुरंत किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेंगे। आप इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि किस तरह आपके आसपास और खुद को भी खूबसूरत बनाकर रखा जाए।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आपसे सामजिक संपर्कों पर और ध्यान देने की अपेक्षा है ।आपके आकर्षक व्यक्तित्व का सबपर प्रभाव पड़ेगा ।इसके अलावे आपको उन लोगो पर भी ध्यान दें जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक्सान पहुंचा रहे हैं ।अपनी व्यस्त कार्यशैली के बावजूद सेहत का ध्यान रखें ।सांस सम्बन्धी दिक्कतें आज आपको परेशान करेंगी

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं। अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें ।बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं।आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है।अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें ।आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है ।अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

दुनिया को 'ग्रीन' बनाने की उम्मीदों पर लगी 'कालिख'

इस साल कोयले की खपत रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया को प्रदूषण मुक्त बनाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने की कोशिशें इस साल धूल में मिलती दिखाई दी हैं। अत्यधिक प्रदूषणकारी ईंधन माने जाने वाले कोयले की मांग में इस साल जबर्दस्त वृद्धि देखने को मिली है। यूक्रेन युद्ध के कारण यूरोप में गैस की किल्लत से लेकर कोरोना के बाद उत्पादों की बढ़ती मांग के चलते इस साल दुनिया भर में कोयले के इस्तेमाल का नया रिकॉर्ड बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2022 में कोयले के उपयोग में सिर्फ 1.2 प्रतिशत की ही वृद्धि हुई है लेकिन इस वृद्धि ने कोयला खपत के 2013 के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए इसे आठ अरब टन से अधिक के सर्वकालिक स्तर पर ला दिया है। इस रिपोर्ट के अनुसार, स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बदलाव को गति देने के मजबूत प्रयासों के अभाव में दुनिया की कोयले की खपत अगले वर्षों में समान स्तर पर रहेगी। दुनिया के बड़े मंचों से बीते दो दशकों में कई देशों ने पर्यावरण सुरक्षा और दुनिया को रहने के लिए एक बेहतर स्थान बनाने के लिए सोलर, विंड जैसी ग्रीन एनर्जी के उपयोग की कसमें खाई थीं। लेकिन कोयले के बढ़ते उपयोग से ये कसमें टूटती नजर आ रही हैं। माना जा रहा है कि उभरती हुई एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में कोयले की 'मजबूत मांग' परिपक्व बाजारों में घटते उपयोग की भरपाई करेगी। मौजूदा सदी में वैश्विक तापवृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक स्थिर रखने के लिए कोयले और अन्य जीवाश्म ईंधनों की खपत में भारी कटौती करने की जरूरत है। विशेषज्ञों का कहना है कि साल 2015 के पेरिस जलवायु समझौते के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करना अब कठिन होगा, क्योंकि दुनिया भर में औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक काल से पहले ही 1.2 डिग्री सेल्सियस अधिक हो चुका है। आईईए ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद से प्राकृतिक गैस की कीमतें बढ़ने से बिजली उत्पादन के लिए कोयले पर निर्भरता बढ़ी है।

लेटलतीफी की मार झेल रहा देश

देरी के चलते इंफ्रास्ट्रक्चर की 364 प्रोजेक्ट की लागत 4.52 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। लेटलतीफी की मार पूरा देश झेल रहा है। दरअसल, समय पर काम पूरा नहीं होने से इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक लागत वाली 364 परियोजनाओं की लागत तय अनुमान से 4.52 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ गई है। एक आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। मंत्रालय ने कहा है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की संशोधित समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 513 पर आ जाएगी। इन परियोजनाओं में देरी के लिए कोविड-19 महामारी के चलते लागू किए गए लॉकडाउन को प्रमुख कारण बताया गया है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि प्रोजेक्ट की लागत बढ़ने की प्रमुख वजह काम का समय पर पूरा नहीं होना और लेटलतीफी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है।

मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,476 परियोजनाओं में से 364 की लागत बढ़ गई है, जबकि 756 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इन 1,476 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 20,84,124.75 करोड़ रुपये थी, लेकिन अब इसके बढ़कर 25,36,179.03 करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 21.69 प्रतिशत यानी 4,52,054.28 करोड़ रुपये बढ़ गई है।'' रिपोर्ट के अनुसार नवंबर 2022 तक इन परियोजनाओं पर 13,67,245.45 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 53.91 प्रतिशत है।

ग्वालियर-चंबल में नए-पुरानों में बंटी भाजपा

यशोधरा ने पूछा-पुरानी भाजपा में से कोई नहीं आया
कांग्रेस बोली-सिंधिया समर्थक मूल भाजपाइयों पर भारी

ग्वालियर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को भाजपा में शामिल हुए दो साल हो चुके हैं। उनके साथ आए हजारों कार्यकर्ता भी खुश हैं। उनको भी संगठन से लेकर निगम व मंडलों में पदों से नवाजा गया है। सिंधिया के आने के बाद अब ग्वालियर-चंबल अंचल में भाजपा दो भागों में बंटती नजर आ रही है। एक सिंधिया समर्थक भाजपा है, तो दूसरी मूल भाजपा। इस विवाद की गहराई का पता एक दिन पहले उस समय लगा, जब खेलमंत्री यशोधरा राजे सिंधिया एयरपोर्ट पहुंची थीं। यहां उनके स्वागत में पहुंचने वाले सिंधिया समर्थक भाजपाई थे। यहां यशोधरा राजे ने पूछ लिया कि पुरानी भाजपा से कोई नहीं आया। इस पर सिंधिया समर्थकों का कहना था, अब तक हम भी आपके ही हो गए हैं। उस समय तो सभी ने हंसकर बात को टाल दिया, लेकिन खेल मंत्री के बोल बड़ा सवाल खड़े कर गए। इस पर कांग्रेस का भी बयान आया है। कांग्रेस का आरोप है कि ग्वालियर में भाजपा दो खेमों में बंट गई है। एक सिंधिया भाजपा और दूसरी मूल भाजपा।

क्या अंचल में बंट गई है भाजपा?

ग्वालियर में दो साल पहले हजारों सिंधिया समर्थक भाजपा में शामिल हुए, तभी से भाजपा में दो खेमे बन गए। मूल भाजपाई औसर सिंधिया समर्थक भाजपाई। सिंधिया समर्थकों को टिकट वितरण से लेकर निगम-मंडलों में पदों पर ताजपोशी से दोनों खेमों में खाई बढ़ती चली गई। यह खाई निचले स्तर पर ही नहीं बल्कि ऊंचे पदों पर बैठे नेताओं के बीच भी देखने को मिल रही है। हाल में इसकी बानगी एक बार फिर देखने को मिली। एक दिन पहले प्रदेश की खेल मंत्री व केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की बुआ यशोधरा राजे एयरपोर्ट पहुंची। यहां उनका स्वागत करने पहुंचे कार्यकर्ताओं को देखकर उन्होंने पूछा पुरानी भाजपा के लोग नहीं दिख रहे। यह सच भी था। न उनके स्वागत में भाजपा के जिलाध्यक्ष अभय चौधरी थे न पूर्व अध्यक्ष कमल माखीजानी और भी बड़े नेता नहीं थे। यशोधरा के मुंह से यह सुनकर स्वागत करने पहुंचे सिंधिया समर्थक हक्के-बक्के रह गए। कुछ देर के बाद वह बोले-अरे अब तो हम भी आपके ही हो गए हैं बुआजी। यहां फिर यशोधरा बोलीं कि बुआजी नहीं, मैं यशोधरा राजे सिंधिया हूं।

कांग्रेस का कहना- सिंधिया समर्थक हर मौके को भुना रहे

यशोधरा राजे सिंधिया के इस तरह पूछने के बाद एक बार फिर अंचल में सिंधिया समर्थकों और मूल भाजपा के बीच की खाई नजर आई है। इस पर कांग्रेस ने भी चुटकी ली है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता आरपी सिंह का कहना है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में आने के बाद दो खेमे बन गए हैं। मूल भाजपा व सिंधिया समर्थक भाजपाई। इससे सिंधिया परिवार चाहें वो ज्योतिरादित्य सिंधिया हों या यशोधरा राजे सिंधिया इनसे मूल भाजपा का कार्यकर्ता नाराज है और दूर होता जा रहा है।

कांग्रेस का यह भी आरोप

कांग्रेस प्रवक्ता आरपी सिंह का कहना है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में आने के बाद उनकी बुआ यशोधरा राजे सिंधिया को भी लगने लगा है कि कहीं न कहीं उनकी जगह को भी खतरा है। सिंधिया के कारण भाजपा का मूल कार्यकर्ता उनसे खिसक रहा है। यही कारण है कि उनके स्वागत में एक भी मूल भाजपाई नहीं पहुंचा था।

बुआजी कहने से भी नाराज हुईं

एयरपोर्ट पर स्वागत करने के दौरान सिंधिया समर्थक भाजपाई मधुलिका ने जब यशोधरा राजे को बुआजी कहकर प्रणाम किया, तो उन्होंने अंगुली दिखाकर समझाइश दी कि मैं बुआजी नहीं यशोधरा राजे सिंधिया हूं।

'पुतिन के मुंह पर मारना चाहता हूं मुक्का'

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस पर निकाली भड़ास

कीव, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच जंग जारी है. रूसी सैनिकों के हमले में अबतक हजारों लोगों की जान जा चुकी है. ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर रूसी हमलों से नुकसान के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने व्लादिमीर पुतिन पर कटाक्ष किया है. यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एलसीआई नाम के एक चैनल को हाल में दिए इंटरव्यू में कहा कि उन्हें जब भी मौका मिलेगा वो पुतिन के चेहरे पर मुक्का मारने के लिए तैयार हैं. यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेनी ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर रूसी मिसाइलों के हमलों के बाद अधिकांश शहरों और क्षेत्रों में आपातकालीन बिजली कटौती हुई थी. यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की समाचार चैनल ला चाइन इंफो (एलसीआई) के साथ एक इंटरव्यू में युद्ध के बारे में बात कर रहे थे. यह पूछे जाने पर कि क्या पुतिन की ओर से उनके प्रति व्यक्तिगत घृणा थी? ज़ेलेंस्की ने जवाब दिया कि मेरे व्यक्तित्व और यूक्रेन के राष्ट्रपति के रूप में मेरी भूमिका के लिए उनके मन में छवि बहुत सकारात्मक नहीं थी. यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने कहा, एक आदमी, एक वास्तविक व्यक्ति, अगर वह किसी को संदेश भेजना चाहता है, जैसे कि अगर वह उसे पीटना चाहता है, तो वह अपने दम पर ऐसा करता है. अगर मेरे पास पुतिन को बताने के लिए इस तरह का कोई संदेश होता तो मैं इसे अकेले करता. इस क्लिप को बेलारूसी मीडिया आउटलेट नेक्स्टा ने इस संदेश के साथ ट्वीट किया था कि यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा था, वह पुतिन के चेहरे पर घूंसा मारने के लिए तैयार हैं. हालांकि इन शब्दों का इस्तेमाल इंटरव्यू के अंश में नहीं किया गया था,

नोबेल विजेता अमेरिकी अर्थशास्त्री पर लगा यौन उत्पीड़न का आरोप, महिला ने कबूला बेटी की हत्या का गुनाह

वाशिंगटन, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री प्रोफेसर फिलिप डायबविग के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने शुक्रवार को म्यांमार की सैन्य सरकार, अफगानिस्तान के तालिबान और लीबिया की विद्रोही सरकार को सदस्यता देने से इनकार कर दिया है। अमेरिका में भारतीय मूल की महिला आर्या सिंह ने 2018 में अपनी ही नवजात बच्ची की समुद्र में फेंक हत्या करने की बात कबूल की है। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री प्रोफेसर फिलिप डायबविग के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। डायबविग वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में पढ़ाते हैं। डायबविग को डगलस डब्ल्यू डायमंड और बेन एस बर्नान्के के साथ इसी साल अक्तूबर में अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस मामले में तीन पूर्व छात्राओं ने शिकायत दर्ज कराई थी।

म्यांमार, अफगानिस्तान व लीबिया को संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता नहीं

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने शुक्रवार को म्यांमार की सैन्य सरकार, अफगानिस्तान के तालिबान और लीबिया की विद्रोही सरकार को सदस्यता देने से इन्कार कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों ने क्रेडेंशियल्स कमेटी इन देशों के राजदूत भेजने की अनुरोध को खारिज करने को कहा था। संयुक्त राष्ट्र में म्यांमार का प्रतिनिधित्व आंग सान सू की और अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व अशरफ गनी की सरकार के पास ही रहेगा।

अमेरिका में भारतवंशी महिला ने कबूला बेटी की हत्या का गुनाह

अमेरिका में भारतीय मूल की महिला आर्या सिंह ने 2018 में अपनी ही नवजात बच्ची की समुद्र में फेंक हत्या करने की बात कबूल की है। उसने बताया कि बेटी के जन्म से पहले उसे नहीं पता था कि वह गर्भवती है। जन्म देने के बाद उसे समझ में नहीं आ रहा था कि उसका क्या करे।

रिश्वतखोर भारतीय डॉक्टर को अमेरिका में पांच साल की जेल

अमेरिका में भारतीय मूल के न्यूरोसर्जन लोकेश एस तंतुवाया को स्पाइनल सर्जरी करने के लिए 33 लाख डॉलर (करीब 27 करोड़ रुपये) लेने के जुर्म में पांच साल कैद की सजा दी गई है। सैन डिएगो के रहने वाले तंतुवाया को सितंबर में दोषी ठहराया गया। तुंतवाया से इस रकम की वसूली भी होगी।

पाक की भारत को परमाणु हमले की धमकी

महिला मंत्री बोलीं- हमने एटम बम खामोश बैठने के लिए नहीं बनाया

इस्लामाबाद, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की शहबाज सरकार की मंत्री शाजिया मर्री ने भारत को परमाणु हमले की धमकी दी है। शाजिया ने कहा कि हमने एटम बम खामोश बैठने के लिए नहीं बनाया है। मालूम हो कि भारत में पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के बयान का तीखा विरोध हो रहा है। बिलावल के समर्थन में की गई प्रेस कांफ्रेंस में शाजिया ने कहा, 'पाकिस्तान जवाब देना जानता है। पाकिस्तान वह मुल्क नहीं है जो एक थप्पड़ के नतीजे में दूसरा गाल आगे करेगा। शाजिया ने कहा कि यदि भारत की ओर से कोई एक्शन हुआ तो उसका जवाब दिया जाएगा। शाजिया ने आगे कहा, 'मैंने कई फोरम पर मोदी सरकार के भेजे गए डेलीगेट्स का मुकाबला किया है।' भारत को यह नहीं भूलना चाहिए कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम है। हमारा न्यूक्लियर स्टेटस चुप रहने के लिए नहीं है। जरूरत पड़ने पर हम पीछे नहीं हटेंगे।

शाजिया बोलीं- साजिश को बेनकाब करना है

शाजिया ने कहा कि भारत के मंत्री ने यूएन में कहा है कि पाकिस्तान आतंक का केंद्र है। यह सब उनका एक प्रोपेगेंडा है। यह सिर्फ आज का नहीं है। हम विपक्ष में होते हैं तब भी हम लड़ते हैं। हमें अपने मुल्क की रक्षा भी करनी है और देश के खिलाफ गलत प्रोपेगेंडा की साजिश को भी बेनकाब करना है। अगर आप बार-बार पाकिस्तान पर आरोप लगाते रहेंगे, तो पाकिस्तान चुपचाप सुनता नहीं रह सकता। शाजिया ने कहा कि हालांकि हम अमनपसंद लोग हैं, शरीफ लोग हैं। मालूम हो कि बिलावल भुट्टो ने भारत के पीएम मोदी को 'गुजरात का कसाई' कहने के बाद दोनों देशों के बीच वैसे ही तनाव बढ़ गया है।

बिलावल ने दिया था विवादित बयान

बिलावल भुट्टो ने गुरुवार को कहा था कि ओसामा

बिन लादेन तो मर गया, लेकिन गुजरात का कसाई अभी जिंदा है और वह भारत का प्रधानमंत्री है।

हत्यारे को पकड़ने के लिए 287 करोड़ रुपये की पेशकश, माता-पिता को न्याय दिलाने के लिए परिवार का बड़ा कदम

टोरंटो, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। रहस्यमय परिस्थितियों में एक कनाडाई अरबपति दंपति के मृत पाए जाने के पांच साल बाद, परिवार ने अब अनसुलझे अपराध की जानकारी के लिए नकद इनाम को तीन गुना कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार परिवार ने अपराधियों का पता बताने वाले को लगभग 287 करोड़ रुपये देने का एलान कर दिया है। बता दें कि कनाडा के सबसे अमीर जोड़ों में से एक, 75 वर्षीय बैरी शेरमैन और उनकी 70 वर्षीय पत्नी हनी 15 दिसंबर, 2017 को अपने घर पर मृत पाए गए थे। उनके चारों ओर बेल्ट बंधी हुई थी और उनकी गर्दन इनडोर पूल की रेलिंग से बंधी हुई थी। बैरी शेरमैन ने 1974 में एपोटेक्स नाम की कंपनी की स्थापना की था और इसे एक प्रमुख दवा कंपनी के रूप में विकसित किया, जिसने चैरिटी के लिए 400 करोड़ रुपये से अधिक दिए हैं। फोर्ब्स ने उनकी मृत्यु के समय उनकी कुल संपत्ति 24000 करोड़ रुपये आंकी थी। उनके अंतिम संस्कार में हजारों लोगों ने भाग लिया,

नहीं मान रहा तानाशाह किम जोंग

उत्तर कोरिया ने पूर्वी तट से दागी बैलेस्टिक मिसाइल

सियोल, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग मानने वाले नहीं हैं। उन्होंने एक बार फिर बैलेस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। दक्षिण कोरिया और जापान ने इस पर ऐतराज जताया है। दक्षिण कोरिया ने जानकारी दी है कि उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से एक बार फिर बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण करते हुए दागी हैं। इस साल बैलेस्टिक मिसाइल का यह उत्तर कोरिया का नौवां परीक्षण है। पिछले महीने, उत्तर कोरिया ने 20 से अधिक कम दूरी की मिसाइलें दागी थीं। इस साल उनसे दर्जनों मिसाइल परीक्षण किए हैं। दक्षिण कोरिया और जापान के अधिकारियों ने कहा कि उत्तर कोरिया ने रविवार को अपने पूर्वी तट से बैलिस्टिक मिसाइल दागी हैं। दक्षिण कोरिया के सेना प्रमुख ने कहा कि मिसाइल का परीक्षण रविवार सुबह किया गया। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी मिसाइल लॉन्च की पुष्टि की है।

जापान और कोरिया के बीच समुद्र में गिरी मिसाइल

जापान ने कहा है कि उत्तर कोरिया की संदिग्ध मिसाइल जापान और कोरियाई प्रायद्वीप के बीच समुद्र में गिरी। हालांकि, इसकी जानकारी नहीं दी गई है कि मिसाइल जापानी तट से कितनी दूरी पर थी। जापानी मीडिया ने सरकारी सूत्रों के हवाले से कहा कि मिसाइल जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर समुद्र में गिरी।

उत्तर कोरिया ने किया था अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण

इससे पहले 18 नवंबर को उत्तर कोरिया ने अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किया था। अमेरिका और जापान ने इसे

क्षेत्रीय स्थिरता को खतरा बताया है और उत्तर कोरिया के गैर कानूनी शस्त्र विकास कार्यक्रम व बैलेस्टिक मिसाइल परीक्षण को रोकने पर जोर दिया। वहीं उत्तर कोरिया का कहना है कि वह अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की उकसावे की कार्रवाई के जवाब में मिसाइल परीक्षण कर रहा है। हाल के महीनों में, उत्तर कोरिया ने परमाणु-सक्षम बैलिस्टिक मिसाइलों के एक बैराज का परीक्षण किया है, जिसमें पिछले महीने के अपने विकासात्मक, सबसे लंबी दूरी की, तरल-ईंधन वाले ह्वासोंग-17 आईसीबीएम को कई वारहेड ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है।

ईरान में ऑस्कर विनिंग फिल्म की एक्ट्रेस गिरफ्तार

बिना हिजाब पहने फोटो पोस्ट की, लिखा था- जिंदगी और आजादी

तेहरान, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। ईरान में तीन महीने से हिजाब विरोधी प्रदर्शन जारी है। इसी बीच पुलिस ने ऑस्कर विनिंग फिल्म की एक्ट्रेस तारानेह अलीदूस्ती को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को मौत की सजा देने के लिए सरकार की आलोचना की थी। अलीदूस्ती ने एक हफ्ते पहले इंस्टाग्राम में तस्वीर पोस्ट की थी। इसमें उन्होंने हिजाब नहीं पहना था। एक्ट्रेस ने मोहसिन शेखरी को मौत की सजा देने का विरोध किया। इस तस्वीर को 10 लाख से ज्यादा बार लाइक किया गया। हालांकि, उनका इंस्टाग्राम अकाउंट बंद कर दिया गया है। इसमें 80 लाख से अधिक फॉलोअर्स थे।

क्या है पूरा मामला?

9 दिसंबर को मोहसिन शेखरी नाम के युवक को ईरान की अदालत ने मौत की सजा सुनाई। इस सजाके खिलाफ तारानेह ने इंस्टाग्राम पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशंस इस खूनखराबे को लगातार देख रहा है, लेकिन कार्रवाई नहीं कर रहा है। यह मानवता के लिए शर्म की बात है। मोहसिन शेखरी को देश के सुरक्षा बलों के एक मेंबर पर चाकू से हमला करने और तेहरान में एक सड़क को जाम करने के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई थी।

सबूत न देने पर अरेस्ट हुईं

पोस्ट में तारानेह ने अपनी एक तस्वीर भी पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने एक कागज पकड़ रखा है। इसमें लिखा है 'महिला, जीवन, आजादी'। ये नारा ईरान की महिलाएं सरकार के खिलाफ इस्तेमाल कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तारानेह ने युवक की मौत को लेकर दावे किए थे कि वह निर्दोष था, लेकिन इसका सबूत नहीं दिया था। इसीलिए उन्हें अरेस्ट कर लिया गया। फिल्म डॉयरेक्टर सामिया मिरशम्सी ने दी थी। उन्होंने बताया कि अलीदूस्ती को अरेस्ट कर लिया गया है। हालांकि अभी तक यह पता नहीं चल सका है कि उन्हें अरेस्ट करके कहां रखा गया है। डॉयरेक्टर के बयान के कुछ देर बाद ही सरकारी मीडिया ने एक्ट्रेस की गिरफ्तारी की पुष्टि कर दी।

अलीदूस्ती की 17 फिल्में और 8 बड़े अवॉर्ड

अलीदूस्ती का जन्म 12 जनवरी 1984 को हुआ था। उनके पिता हामिद अलीदोस्ती ईरान की राष्ट्रीय टीम के लिए फुटबॉल खेलते थे। विदेशी टीम के लिए खेलने वाले पहले ईरानी थे। महज 17 साल की उम्र में अलीदूस्ती ने एक्टिंग शुरू कर दी थी। उन्हें पहली फिल्म के लिए 2002 में लोकार्नो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में ब्रॉन्ज लेपर्ड अवॉर्ड मिला था। उन्होंने अब तक 17 फिल्में की हैं और 8 बड़े अवॉर्ड जीत चुकी हैं। 'द सेल्समैन' फिल्म ने 2016 में ऑस्कर अवॉर्ड जीता था। इसमें अलीदूस्ती ने भी अभिनय किया था।

लिज ट्रस के घर से मिला 'कोकीन', ब्रिटेन की राजनीति में मचा हंगामा

इंग्लैण्ड, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस के पुराने घर शेवनिंग हाउस से कोकीन के संदिग्ध निशान मिले हैं। ये कोकीन लिज ट्रस के पीएम बनने से पहले उनके सरकारी आवास में तब मिला था जब वह विदेश सचिव के पद पर थीं और पीएम पद के लिए जरूरी मत जुटाने में लगी हुई थीं। शेवनिंग हाउस के कमरा नंबर 115 में जो कि परंपरागत रूप से यूके के विदेश मंत्री को दिया जाता है, यह ड्रग्स बरामद हुआ था। एस्टेट स्टाफ का कहना है कि उन्होंने सफेद पाउडर का परीक्षण किया और इसमें कोकीन होने की पुष्टि हुई।

पार्टी के बाद मिला था पाउडर

द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक कर्मचारियों को शेवनिंग हाउस में आयोजित एक पार्टी के बाद यह सफेद पाउडर मिला था। कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें एस्टेट के स्नूकर टेबल वाले गेम रूम में साइड-टेबल पर सफेद पाउडर के निशान मिले। ऐसा दावा किया जा रहा है कि लिज ट्रस ने अपने राजनीतिक सहयोगियों के लिए यह पार्टी आयोजित की थी। लिज ट्रस ने गर्मियों की पार्टी में 19 से 21 अगस्त और 2 से 4 सितंबर के बीच कई हाईप्रोफाइल पार्टी की थी। इसमें पीएम पद के लिए हो रहे चुनाव में ट्रस को समर्थन करने वाले कई राजनेता, ब्यूरोकेट्स और अन्य अधिकारी शामिल हुए थे।

लिज ट्रस के प्रवक्ता ने किया इनकार

स्टाफ के एक सदस्य ने कहा कि उन्होंने कोकीन के संपर्क में आने पर रंग बदलने वाले पदार्थ का उपयोग करके इस पाउडर का परीक्षण किया था। लिज ट्रस के प्रवक्ता ने साफ किया है कि ये दावे स्पष्ट रूप से असत्य हैं। लिज ट्रस के प्रवक्ता ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि अगर कोई सबूत थे कि ये गतिविधियां शेवेनिंग हाउस में हुई थी तो लिज ट्रस को इसकी जानकारी दी गई होगी। संबंधित अधिकारियों ने इसकी ठीक से जांच की होगी

क्या लिज ट्रस को थी जानकारी?

इस रिपोर्ट में किसी भी स्रोत ने यह नहीं बताया कि लिज ट्रस इस पदार्थ का सेवन करती थीं या उन्हें इसके बारे में किसी भी तरह से जानकारी थी। इसके साथ ही यह भी नहीं पता चला पाया है कि प्रतिबंधित पदार्थ सरकारी आवास तक कैसे पहुंचा। एक अंदरूनी सूत्र ने कहा कि व्हाइटहॉल और संसदीय एस्टेट में कोकीन का बड़े पैमाने पर खपत होता है। सूत्र ने दावा किया कि ट्रस के कुछ राजनीतिक सहयोगियों ने इसका इस्तेमाल किया होगा।

पहले भी मिल चुके हैं कोकीन

इससे पहले भी बोरिस जॉनसन के पीएम रहते हुए अप्रैल 2021 में सरकारी आवास से ऐसे ही संदिग्ध पाउडर की बरामदगी हुई थी। हालांकि इस दावे की कोई निर्णायक जांच नहीं हो सकी थी। ब्रिटेन के कानून के मुताबिक देश में कोकीन रखने पर 7 साल की जेल और जुर्माने की सजा मिल सकती है।

सीबीआई की मदद से एफबीआई ने किया घोटाले का पर्दाफाश

वाशिंगटन, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। तकनीकी मदद देने के नाम पर 10 साल में हजारों अमेरिकी लोगों को ठगने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ करने में अमेरिकी एजेंसी एफबीआई की सीबीआई ने मदद की है। सीबीआई व दिल्ली पुलिस ने मामले में दिल्ली के हर्षद मदान, फरीदाबाद के विकास गुप्ता को गिरफ्तार किया है, जबकि गगन लांबा फरार है। भारतीय-अमेरिकी मेघना कुमार ने इस मामले में अपने आरोप स्वीकार किए थे। इससे पहले ओंटारियो निवासी जयंत भाटिया को कनाडा में गिरफ्तार किया गया था।

सीआईए चीफ बोले- परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को लेकर पीएम मोदी की चिंताओं का रूस पर पड़ा असर

वाशिंगटन, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए के प्रमुख विलियम बर्न्स ने कहा है कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की चिंताओं का रूस पर असर पड़ा है। बर्न्स ने एक साक्षात्कार में कहा कि उन्हें लगता है कि यह बहुत उपयोगी रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग ने भी परमाणु हथियारों के उपयोग के बारे में अपनी चिंताओं को उठाया है। मुझे लगता है कि इसका रूस पर भी प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के खिलाफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की रूस की योजनाओं के बारे में उन्हें कोई स्पष्ट सबूत नहीं दिख रहा है। बर्न्स का मानना है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सिर्फ डराने के लिए यूक्रेन में युद्ध लड़ रहे हैं। इससे पहले, पुतिन ने कहा कि यूक्रेन युद्ध अभी और लंबा खिंचने वाला है। उन्होंने परमाणु युद्ध के बढ़ते खतरे को लेकर भी आगाह किया। पुतिन ने क्रेमलिन में रूसी मानवाधिकार परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि रूस सभी उपलब्ध साधनों से लड़ेगा। उन्होंने यूक्रेन युद्ध को एक विशेष सैन्य अभियान बताया।

13000 भारतीयों को यूरोप बुलाकर नौकरी दी फिर बोझ बताया

अब कनाडा से आया ऐसा न्योता ; इंग्लैंड पहुंचे विंडरश मजदूरों की कहानी

नई दिल्ली,18 दिसंबर (एजेंसियां)। आज इंटरनेशनल माइग्रेंट्स डे है। 18 दिसंबर को हर साल माइग्रेंट्स यानी प्रवासियों की समस्याओं और आने वाली चुनौतियों के बारे में चर्चा की जाती है। आइए जानते हैं दुनिया के सबसे बड़े माइग्रेंट्स के विंडरश मजदूरों के बारे में...।

2 दिसंबर 2022 को कनाडा ने अपने इमिग्रेशन कानून में बड़ा बदलाव किया। यहां की सरकार ने तय किया कि कनाडा में काम करने वाले विदेशियों के परिवार को भी वर्क परमिट दिया जाएगा। जिससे वो भी कनाडा में नौकरी कर पाएंगे। अस्थायी कामगारों को मिलने वाला ये परमिट सिर्फ 2 साल के लिए होगा।

ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आर्थिक मंदी की संभावनाओं के बीच दो साल बाद कनाडा गए लोगों का क्या होगा? 74 साल पहले इसी तरह गरीब देश के लोगों को यूरोप में काम देने के लिए बुलाया गया था। लेकिन, कुछ साल बाद ही यूरोप में इन्हें बोझ समझा जाने लगा। इनमें 13 हजार भारतीय भी थे।

दो विश्व युद्धों से हुई बर्बादी के कारण यूरोप के देशों में ये समझ बनने लगी थी कि जंग से कुछ हासिल नहीं होगा। वहीं इसी समय अमेरिका और रूस के संबंधों में खटास बढ़ती जा रही थी। ऐसे में यूरोप के देशों को अपनी ओर करने के लिए अमेरिका ने खूब पैसा खर्च किया था, जिससे यूरोपियन यूनियन बनने में मदद मिली।

1948 में अमेरिका के विदेश मंत्री जॉर्ज मार्शल थे। अलजजीरा वेबसाइट के मुताबिक मार्शल ही वो व्यक्ति थे जिन्होंने वेस्टर्न यूरोप को एक करना अपनी जिंदगी का बड़ा मकसद बना लिया था। इनके नाम पर ही अमेरिका ने एक मार्शल प्लान तैयार किया और यूरोप को 1 लाख करोड़ रुपए की मदद की। इसका नतीजा ये हुआ कि रूस के खिलाफ 1949 में नाटो के नाम से दुनिया का एक ताकतवर संगठन बना।

यूरोपीय यूनियन के संस्थापक 'जीन मोनेट' लगातार अमेरिका के संपर्क में थे। अमेरिका से मिल रही आर्थिक मदद के चलते यूरोपीय देशों की अर्थव्यवस्था एक बार फिर से पटरी पर आने लगी थी। ऐसे में वहां की नई फैक्ट्रियों में मजदूरों की कमी महसूस होने लगी। मजदूरों की कमी को कम करने के लिए 1950 से 70 के दशक में भारत और कैरिबियाई देशों से लाखों लोगों को यूरोप लाया गया।

मजदूरों को 'विंडरश' कहे जाने किस्सा....

1948 से 1971 के दौरान जो लोग भी यूरोप गए, उन्हें 'विंडरश जनरेशन' के नाम से जाना जाता है। अब आप सोच रहे होंगे कि इन्हें विंडरश ही क्यों कहा जाता है? दरअसल, वो इसलिए क्योंकि इंगलैंड ने मजदूरों को कैरिबियाई देशों से लाने के लिए एक जहाज भेजा था, जिसका नाम ' एचएमटी विंडरश' था। 1027 मजदूरों से भरा हुआ यह जहाज 1948 में जमैका, त्रिनिदाद और टोबैगो से लोगों को लेकर लंदन पहुंचा। इस जहाज के बाद भी गरीब देशों के लोगों का यूरोप आना जारी रहा। जिसके कारण 1971 तक यूरोप गए लोगों को विंडरश जेनेरेशन के नाम से जाना जाता है।

यूरोप आने वाले मजदूरों में सबसे ज्यादा लोग जमैका और भारत से थे। उस समय कुल 57,000 लोग इंगलैंड गए थे। जिनमें भारत से लगभग 13,000 और जमैका से करीब 15,000 लोग थे। इसके अलावा पाकिस्तान, केन्या और साउथ अफ्रीका से भी लोग नौकरी के लिए ब्रिटेन गए थे। विंडरश जहाज से खासतौर पर बुलाए गए लोगों में कई पूर्व सैनिक शामिल थे। जो दूसरे विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन की तरफ से जर्मनी के खिलाफ लड़े थे। जमैका से आए एचएमटी विंडरश जहाज में भी भारतीय मूल के कई लोग थे। दरअसल ब्रिटिश एंपायर ने साल 1838 से 1917 के बीच मजदूरी करने के लिए कई भारतीयों को जबरन कैरेबिया भेजा था। जिसके बाद वो लोग वहीं बस गए और कभी भारत नहीं लौट पाए। रिपोर्ट के मुताबिक विंडरश जहाज में जो भारतीय मूल के लोग थे वो उन्हीं लोगों के वंशज थे।

रोजगार की तलाश में 1948 से लगभग 1970 तक लोगों का आना ऐसे ही जारी रहा, जो 1971 में बने यूरोप के प्रवासी कानून के बाद बंद हुआ। ब्रिटेन ने 1971 तक आए लोगों को ये अधिकार दिया था कि वह जब चाहें तब

अपने देश लौट सकते हैं। उन्हें जबरन वहां से नहीं निकाला जाएगा।

1973 के आते-आते अमेरिका जो हासिल करना चाह रहा था, वो हासिल कर चुका था। यानी यूरोप के कई देश रूस के खिलाफ शीत युद्ध में अमेरिका का साथ देने लगे थे। शुरुआत में नानुकुर करने के बाद इंग्लैण्ड भी यूरोपियन यूनियन का हिस्सा बन गया था। लेकिन, उसी साल कच्चे तेल की कीमतों में आए भारी उछाल ने यूरोप की अर्थव्यवस्था को तगड़ा झटका दे दिया। इसने न सिर्फ भारत बल्कि दूसरे देशों से आए मजदूरों को भी बेरोजगार कर दिया था और उनके भविष्य पर सवाल खड़ा कर दिया था।

हालांकि ये तो साफ था कि सालों तक यूरोप के लिए पसीना बहाने के बाद वो अपने देश नहीं लौट सकते थे। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आई मंदी से कई यूरोपीय देशों की राजनीति भी प्रभावित होने लगी थी। यही वह दौर था, जब कई यूरोपीय देशों में रूढ़िवादी पार्टियों का विस्तार होना शुरू हुआ। इन पार्टियों ने राजनीतिक लाभ के लिए वहां के लोगों को इन प्रवासी मजदूरों के खिलाफ भड़काना शुरू कर दिया।

विदेशी मजदूरों के खिलाफ बनी फ्रांस में राजनीतिक पार्टी

फ्रांस में जीन मरीन ले पेन नाम के एक शख्स ने बाहरी देशों से आए मजदूरों के खिलाफ हो रहे विरोध का नेतृत्व किया। वह टेलीविजन कार्यक्रमों से एक ऐसा माहौल तैयार करने में कामयाब रहे कि फ्रांस का हर आदमी इन मजदूरों को उनका हक मारने वाला समझने लगा। 1973 के बाद जैसे-जैसे बेरोजगारी बढ़ने लगी, वैसे-वैसे अप्रवासी मजदूरों के खिलाफ नफरत फैलने लगी और उनके खिलाफ प्रदर्शन होने शुरू हो गए थे।

यूरोप के लोग चाहने लगे थे कि प्रवासी मजदूर अपने देश लौट जाएं। इसकी वजह से तनाव भी बढ़ने लगा था और कई जगह तो तनाव दंगों में बदल गया। मार्सिले जो कि फ्रांस का एक शहर है, वहां प्रवासियों पर हमले होने लगे और इन हमलों में कई लोगों की जान भी गई। इससे जीन मरीन ले पेन की पार्टी को काफी फायदा पहुंचा।

1972 में उन्होंने नेशलन फ्रंट पार्टी का गठन किया। जीन मरीन ले पेन ने अलजजीरा को एक इंटरव्यू में कहा कि अप्रवासियों की वजह से उन्हें लगने लगा था कि जैसे कोई फ्रांस को हड़पने की कोशिश कर रहा है। भारत और दूसरे देशों से आए प्रवासी मजदूरों के खिलाफ बढ़ रही हिंसा के चलते उन्हें वापस अपने देश जाने को कहा गया। सरकार, ऑटोमाबाइल कंपनियों और यूनियनों ने इन्हें वापस लौटने के लिए आर्थिक मदद देने का वादा भी किया था।

1980 के आते-आते इंगलैण्ड में भी दंगे होने लगे थे, जो ब्रिक्सटोन रॉयट के नाम से मशहूर हैं। इन दंगों में 300 लोग घायल हुए थे जबकि उस वक्त 76 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। अलजजीरा के मुताबिक ये दंगे उन जगहों पर ज्यादा हो रहे थे जहां ज्यादा प्रवासी लोग रहते थे। जैसे ब्रिमिंगहम, चैपलटाउन, मैनचेस्टर और लीवरपूल।

इराक युद्ध के बाद प्रवासी लौटे, तो देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटा

कनाडा की इस योजना से भारत के कामगारों को शॉर्ट टर्म में फायदा ही होगा। उन्होंने बताया कि अभी जो लोग दो साल के लिए कनाडा जाएंगे उन्हें वहां काम करने का अनुभव होगा जिससे आगे आने वाले समय में वर्क वीजा के लिए उनकी दावेदारी और मजबूत होगी । उन्होंने यह भी बताया कि कई देशों के साथ भारत जो फ्री ट्रेड एग्रीमेंट डील करना चाह रहा है उसमें हम स्किल्ड वर्कर्स की मूवमेंट के लिए फ्री एक्सेस की मांग कर रहे हैं।

यूरोप-कनाडा में मंदी आई, तो विदेशी कामगारों पर ज्यादा असर

यूरोप और कनाडा में आने वाली मंदी की संभावनाएं हकीकत में बदलती हैं तो इसका खामियाजा वहां गए विदेशी कामगारों को सबसे ज्यादा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने अमेरिका और ब्रिटेन में हुए ब्रेक्जिट का हवाला देते हुए बताया कि जब किसी देश में रोजगार को लेकर मामला उठता है तो निशाने पर सबसे पहले विदेशी कामगार ही आते हैं। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का जिताने वाले वो लोग थे जिन्होंने दूसरे देशों से आने वाले लोगों के हाथ अपनी नौकरी गंवाई थी। वहीं ब्रेक्जिट में भी ऐसा ही हुआ था। एक्सपर्ट के मुताबिक ब्रिटेन के लोगों को लग रहा था कि यूरोप के दूसरे देशों से फ्री वीजा के साथ आ रहे लोग ब्रिटेन के लोगों का रोजगार हथिया रहे हैं।

कम कीमत पर स्किल्ड लेबर्स के लिए विदेशी मजदूर लाते हैं अमीर देश

दुनिया के अमीर देश बिना प्रवासी कामगारों के रह भी नहीं सकते हैं। विकासशील और गरीब देश के लोगों को कम सैलरी पर दूसरे देशों में काम पर रखा जाता है। जिससे कंपनियों को सस्ते और स्किल्ड लेबर मिल जाते हैं। उन्होंने बताया कि प्रवासी कामगार अपने देश के लिए कितने महत्वपूर्ण होते हैं कि इसका अंदाजा 1991 के विदेशी मुद्रा भंडार में आई कमी से पता चलता है। दरअसल इस दौरान इराक युद्ध के कारण गल्फ देशों में काम कर रहे लाखों लोग वापस भारत आ गए थे। ये लोग रेमिटांस (विदेशों में से की गई कमाई) के रूप में भारत में खूब पैसे भेजते थे। जो युद्ध के कारण रुक गया था जिसका भारत की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ा था।

झारखंड के दिलदार ने पत्नी के किए 50 टुकड़े

इलेक्ट्रिक कटर से काटा, नहीं मिला सिर; एक महीने पहले लव मैरिज की थी

साहेबगंज(झारखंड) 18 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में दिल्ली की श्रद्धा से भी क्रूर हत्या हुई है। आफताब ने श्रद्धा के 35 टुकड़े किए थे, लेकिन साहेबगंज में 25 साल के दिलदार अंसारी ने पत्नी रिबिका पहाड़िन के 50 से ज्यादा टुकड़े किए। हत्या के बाद उसके शव के इलेक्ट्रिक कटर से टुकड़े किए। कुछ टुकड़े घर में छिपा दिए, जबकि अन्य टुकड़े मोहल्ले के आसपास सुनसान जगहों पर फेंके दिए। जिसे कुत्ते नोंच-नोंच कर खा रहे थे। जब लोगों ने कुत्तों को इंसान का मांस खाते देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद मामले का खुलासा हुआ। अबतक पुलिस को 14 टुकड़े मिले हैं। सिर समेत दूसरे अंगों की तलाश पुलिस कर रही है।

रिबिका का सिर अब तक नहीं मिला है। 22 साल की रिबिका आदिम पहाड़िया जनजातीय समुदाय की थी। रिबिका साहेबगंज के डोडा पहाड़ की रहने वाली थी। दोनों ने एक महीने पहले ही लव मैरिज की थी। दिलदार की ये दूसरी शादी थी। पहली शादी से उसे एक बच्चा भी है। रिबिका और दिलदार के परिवार वालों को यह शादी मंजूर नहीं थी। रिबिका 6 भाई-बहनों में तीसरे नंबर की थी।

पुलिस ने शव के कुछ टुकड़े बटोरे। बेला टोला से दिलदार अंसारी को हिरासत में लिया है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने आंगनबाड़ी केंद्र से तकरीबन 300 मीटर दूर स्थित मांझ टोला के एक बंद पड़े मकान से शव के कुछ टुकड़े बरामद किए हैं। कुछ टुकड़े फर्श पर बिखरे हुए थे तो वहीं कुछ टुकड़ों को बोरे में भरकर रखा गया था।

जहां से शव मिला है, वह दिलबाग के मामा का घर है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को रिबिका का गला रेतकर हत्या की गई। फिर इलेक्ट्रिक कटर से 50 टुकड़े किए। पुलिस ने शव के टुकड़े शनिवार शाम को मिले। पुलिस इस मामले में कुछ भी आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

रिबिका और दिलदार में काफी समय से अफेयर था, लेकिन दोनों शादी के लिए परिवार राजी नहीं था। रिबिका के पिता सुर्जा पहाड़िया और मां चांदी पहाड़िन दोनों के संबंधों का विरोध कर रहे थे। एक महीने पहले दोनों घर से भाग कर थाने पहुंचे थे। यहां पुलिस ने दोनों की शादी कराई थी। शव के टुकड़े मिलने पर पुलिस को शक हुआ। पुलिस दिलदार के घर पहुंचकर रिबिका के बारे में पूछा। फिर पूरा मामला सामने आया।

युवती के मां-बाप को मंजूर नहीं थी शादी

हत्या किस वजह से की गई। इसे लेकर पुलिस ने अब तक कुछ स्पष्ट नहीं बताया है। पुलिस ने शुरुआती जानकारी देते हुए कहा कि दोनों ने एक महीने पहले शादी की थी। युवती के माता-पिता को ये रिश्ता मंजूर नहीं था। दोनों साथ रह रहे थे, लेकिन दोनों के बीच झगड़े होते थे। हाल में ही दोनों के बीच के विवाद बढ़ गया था।

पिता ने कहा-100 टुकड़े किए गए हैं

रिबिका के पिता सुर्जा पहाड़िया का कहना है कि पुलिस और बेटी के पति का फोन आया था। वो बोल रहे थे बेटी की हत्या हो गई है। लाश के 100 टुकड़े किए गए हैं। इसके बाद हम थाने पहुंचे।

इलाके में कैंप कर रहे हैं पुलिस अधिकारी

इस मामले के बाद पुलिस एक्शन मोड में हैं कई वरिष्ठ अधिकारी जिनमें साहिबगंज के एसपी अनुरंजन किस्पोट्टा, डीएसपी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी साहेबगंज में कैंप कर रहे हैं। आरोपी दिलबाग से पूछताछ जारी है।

अब तक कई सवाल हैं जिसके जवाब नहीं मिले हैं। रिबिका का सिर कहां पर है? शरीर के जो पाट्र्स मिले वह रिबिका के ही हैं ना? हत्या की प्रमुख वजह क्या थी ? क्या दिलबाग का परिवार भी इस हत्याकांड में शामिल था? पुलिस आरोपी से इन सवालों के जवाब तलाशने में लगी है।

लड़की की बहन बोली-लड़के का फोन आया था

लड़की की बड़ी बहन ने बताया कि उसके पति का फोन आया था। वो बोल रहा था मेरे तुम्हारी बहन की हत्या हो गई है। मैं घर से बाहर था। मेरे घरवालों ने उसे मार दिया है। हमें डर से पूरे परिवार को मार देंगे। लड़की की बहन ने दोषियों को फांसी देने की मांग की है।

देश-विदेश के कई साहित्यकार होंगे शामिल

छठा श्रीनाथ अंतरराष्ट्रीय हिंदी महोत्सव 20 से 22 दिसंबर तक

जमशेदपुर, 18 दिसंबर। श्रीनाथ यूनिवर्सिटी की ओर से छठा अंतरराष्ट्रीय श्रीनाथ हिंदी महोत्सव 20 से 22 दिसंबर तक मनाया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सुखदेव महतो ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि कार्यक्रम आदित्यपुर परिसर में होगा। इसमें पहले दिन कॉरपोरेट संस्कृति में हिंदी की स्थिति, दूसरे दिन भारत का बहुभाषिक समाज, संस्कृति और हिंदी साहित्य तथा अंतिम दिन हिंदी भाषा, नई चुनौतियों पर देश-विदेश से आने वाले हिंदी के जानकार परिचर्चा करेंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय की डॉ. अल्पना मिश्र, बीएचयू से डॉ. चंद्रकला त्रिपाठी और डॉ. वशिष्ट नारायण त्रिपाठी महोत्सव में अपने विचार रखेंगे। अंतरराष्ट्रीय वक्ता के रूप में लॉस अंजेलेस, अमेरिका से अभिजीत मनुश्री रथ और मानसी मनुश्री रथ इस महोत्सव से जुड़ेंगे। कोल्हान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गंगाधर पांडा, एजेयू के कुलपति डॉ. एसएस रजी, सरला बिरला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गोपाल पाठक और एनआईएफटी, भुवनेश्वर के निदेशक राजेश कुमार झा शामिल होंगे।

हेमंत सोरेन के करीबी विधायक को ईडी का समन

कैश कांड मामले में रडार पर

रांची, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड की सत्तारूढ़ दल कांग्रेस के बेरमो विधायक अनूप सिंह को ईडी ने समन जारी किया है. 24 दिसंबर को ईडी ऑफिस में पेश होने के लिए कहा गया है. कोलकाता में गिरफ्तार हुए कांग्रेस के 3 विधायकों पर बेरमो के कांग्रेस विधायक अनूप सिंह द्वारा ही जीरो एफआईआर दर्ज कराई थी.

हेमंत सोरेन के करीबी विधायक को ईडी का समन, कैश कांड मामले में रडार परकांग्रेस विधायक अनूप सिंह.

झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय की दबिश सत्तारूढ़ दल के नेताओं उनके करीबियों यहां तक कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी इससे अछूते नहीं रहे. वहीं, ईडी ने हेमन्त सोरेन को भी समन जारी कर उनसे पूछताछ कर चुकी है. हालांकि, अब ईडी की रडार पर झारखंड कांग्रेस के बेरमो विधानसभा सीट से विधायक कुमार जय मंगल उर्फ अनूप सिंह है, जोकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बेहद करीबी विधायकों में से एक माने जाते हैं. वहीं, ईडी ने हेमंत सोरेन को समन जारी कर 24 दिसंबर को पूछताछ के लिए रांची के एयरपोर्ट रोड स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में बुलाया है.

दरअसल, बीते 30 जुलाई को झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार को गिराने की साजिश में झारखंड कांग्रेस के तीन विधायक इरफान अंसारी ,राजेश कच्छप और नमन विक्सल कोगाड़ी को 48 लाख नगद रुपयों के साथ कोलकाता में गिरफ्तार किया गया था. 31 जुलाई को बेरमो विधायक अनूप सिंह ने तीनों विधायकों के खिलाफ रांची के अरगोड़ा थाने में जीरो एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसमें यह बताया गया था कि तीनों विधायकों ने उन्हें 10 करोड़ रुपए और एक मंत्री पद देने की बात कह कर वर्तमान की हेमंत सोरेन सरकार को गिराने की पेशकश की थी.

क्या है मामला ?

वहीं, बेरमो विधायक अनूप सिंह द्वारा कराए गए जीरो एफआईआर के बाद तीनों कांग्रेसी विधायकों को बंगाल पुलिस ने हिरासत में लेकर जेल भेज दिया था. फिलहाल, तीनों कांग्रेसी विधायक जमानत पर झारखंड लौट गए हैं, लेकिन उन्हें कांग्रेस पार्टी ने सस्पेंड कर दिया है. इसी दौरान बेरमो विधायक कुमार जय मंगल और अनूप सिंह द्वारा दर्ज कराए गए शिकायत को ईडी ने टेक ओवर किया था. इस पूरे मामले में एफआईआर दर्ज कर मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच-पड़ताल कर रही है.

कांग्रेस एमएलए ने 3 विधायकों के खिलाफ दर्ज कराई थी जीरो एफआईआर

बता दें कि, कांग्रेस विधायक अनूप सिंह ने अब तक दो बार झारखंड की सरकार को गिराने की कोशिश और कांग्रेसी विधायकों के खरीद-फरोख्त को लेकर शिकायत दर्ज कराई है. जहां पिछले साल 21 जुलाई 2021 को भी सरकार गिराने की साजिश से जुड़ा केस दर्ज कराया गया था. वहीं, 31 जुलाई को अपने ही 3 विधायकों के खिलाफ हेमंत सोरेन की सरकार गिराने की साजिश को लेकर जीरो एफआईआर करवाया था.

आईटी ने कांग्रेस विधायक के घर मारी थी रेड

गौरतलब है कि, एक महीने पहले ही कांग्रेस विधायक अनूप सिंह के रांची पटना, बेरमो स्थित ठिकाने पर इनकम टैक्स की टीम ने छापेमारी की थी. इस छापेमारी में कई दस्तावेज आयकर विभाग अपने साथ ले गयी है.

पूछताछ के लिए अनूप सिंह को आयकर विभाग के दफ्तर में बुलाया गया था. हालांकि, विधायक अनूप सिंह ने दावा किया था कि उन्होंने कोई कर चोरी नहीं की है. उनके घर पर इनकम टैक्स की छापेमारी राजनीति से प्रेरित है. इसके लिए उन्होंने बीजेपी के शीर्ष नेताओं को साजिशकर्ता बताया था.

दमदार अंदाज

बीएचयू में भाषण देकर वायरल हुईं रायपुर की नम्रता

स्टूडेंट की बातों ने अमित शाह और योगी आदित्यनाथ का खींचा ध्यान, बजाने लगे तालियां

रायपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में हुए काशी- तमिल संगमम कार्यक्रम मैं एक स्टूडेंट के भाषण का वीडियो वायरल हो रहा है । स्टेज पर दमदार अंदाज में हिंदी और तमिल में बात करती हुई लड़की का अंदाज देखकर देश के गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तालियां बजाते रहे।

इस स्टूडेंट का नाम नम्रता वर्मा है। नम्रता वर्मा रायपुर की ही रहने वाली हैं। इन दिनों बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में पत्रकारिता की पढ़ाई कर रही हैं। काशी तमिल संगम कार्यक्रम में नम्रता को भी भाषण देने का मौका मिला और अपने अनोखे अंदाज से नम्रता ने सभी का ध्यान खींचा। हिंदी में नम्रता ने मदन मोहन मालवीय को महामना कहते हुए उन्हें प्रणाम किया और तमिल बोलते हुए तमिलनाडु से आए लोगों को वनक्कम भी कहा। काशी तमिल संगम कार्यक्रम के समापन समारोह में नम्रता ने यह भी कहा कि यह देश के अलग-अलग प्रांतों अलग-अलग बोली भाषा में व्यवहार करने वालों के मिलन का शुभारंभ भी है

नम्रता ने ये कविता भी सुनाई

नम्रता ने अपने भाषण के दौरान प्रसिद्ध कवि सुब्रमण्यम भारती की कविता 'यह है भारत देश हमारा' भी सुनाई । जिसे सुनकर देश के गृहमंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी ताली बजाने से खुद को रोक नहीं पाए- यह है देश हमारा भारत, पूर्ण ज्ञान का शुभ्र निकेतन, यह है देश जहां पर बरसी, बुद्धदेव की करुणा चेतन, है महान, अति भव्य पुरातन, गूंजेगा यह गान हमारा, है क्या हम-सा कोई जग में, यह है भारत देश हमारा। विघ्नों का दल चढ़ आए तो, उन्हें देख भयभीत न होंगे,अब न रहेंगे दलित-दीन हम, कहीं किसी से हीन न होंगे,क्षुद्र स्वार्थ की ख़ातिर हम तो, कभी न ओछे कर्म करेंगे,पुण्यभूमि यह भारत माता, जग की हम तो भीख न लेंगे। मिसरी-मधु-मेवा-फल सारे, देती हमको सदा यही है, कदली, चावल, अन्न विविध अरु क्षीर सुधामय लुटा रही है, आर्य-भूमि उत्कर्षमयी यह, गूंजेगा यह गान हमारा, कौन करेगा समता इसकी, महिमामय यह देश हमारा।

काशी में बोले अमित शाह

कार्यक्रम में आए गृहमंत्री ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'काशी-तमिल संगमम' की कल्पना की पूर्णाहुति होने जा रही है। ये शुरुआत है। भारतीय संस्कृति के दो ऊंचे शिखर है। इसमें तमिलनाडु और काशी की संस्कृति,आती है। तमिलनाडु संस्कृति में दर्शन, भाषा, कला, ज्ञान की विश्व में मान्यता है। ऐसी काशी की सांस्कृतिक विरासत के मिलन की शुरुआत है।" लंबे समय से हमारे देश की संस्कृतियों को जोड़ने का प्रयास नहीं हुआ था। प्रधानमंत्री ने 'काशी-तमिल संगमम' के माध्यम से सदियों बाद ये प्रयास किया है। ये प्रयास पूरे देश की भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ने का सफल प्रयास सिद्ध होगा। गुलामी के एक लंबे काल खंड में हमारी संस्कृति और विरासत को मलिन करने का प्रयास किया गया है।"

मोदी ने की थी शुरुआत

दरअसल 19 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी और तमिल की पुरानी संस्कृति को जिंदा करने के लिए वाराणसी में संगमम का आगाज किया था। तकरीबन एक महीने तक चले समारोह में तमिलनाडु और काशी की साझा संस्कृतियों से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। मामले के राजनैतिक निहितार्थ को लेकर कहा गया कि इसके जरिए भारतीय जनता पार्टी दक्षिण में अपने पांव मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

गहलोत सरकार को 4 साल में मिलीं 4 चुनौतियां

सरकार एक चूक न करती तो अंदरूनी झगड़ों के बावजूद नहीं रुकते पब्लिक के काम

जयपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। गहलोत सरकार अपने 4 साल पूरे होने का जश्न मना रही है। चार साल में सरकार को विपक्षी पार्टी BJP जितनी चुनौतियां पेश नहीं कर पाईं, उससे कहीं ज्यादा बड़ी चुनौतियां अपनों ने ही पेश की।

अशोक गहलोत जब 1998 में पहली बार मुख्यमंत्री बने तब राजस्थान में कांग्रेस परसराम मदेरणा, शिवचरण माथुर, चंदनमल बैद, नवलकिशोर शर्मा जैसे कई दिग्गज नेताओं से भरी थी। उस समय इतने ताकतवर नेताओं के रहते हुए भी गहलोत को अपने पांच साल पूरे करने में कोई खास मशक्कत नहीं करनी पड़ी।

इसके ठीक 20 साल बाद 2018 में शुरू हुई मुख्यमंत्री के रूप में गहलोत की तीसरी पारी भारी भरकम चुनौतियों से भरी रही। चार सालों में गहलोत पार्टी की आंतरिक चुनौतियों में ही उलझे दिखते रहे। फिर भी वे राजस्थान ही नहीं कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति में दिग्गज नेता माने जाते हैं।

2018 में सीएम के रूप में सचिन पायलट और अशोक गहलोत में से गहलोत को कांग्रेस के आलाकमान ने चुना तो उसके बाद ही पायलट-गहलोत के बीच खेमेबाजी शुरू हो गई। इसके बाद चार ऐसी चुनौतियां सरकार के सामने खड़ी हो गईं, जिससे पार पाने में ही सरकार के चार साल बीत गए...

पहली चुनौती : बगावत के बाद सरकार को बचाए रखना

सत्ता में आने के पहले ही दिन से शुरू हुई गहलोत-पायलट में कुर्सी की खींचतान सरकार बनने के डेढ़ साल बाद ही मानेसर बगावत तक जा पहुंची। पायलट ने अपने समर्थक विधायकों के साथ मानेसर के एक होटल में बाड़ेबंदी कर ली। पायलट की बगावत से सरकार पर यह पहला संकट था। सरकार को बचाने के लिए सीएम गहलोत को अपने समर्थक विधायकों के साथ 13 जुलाई 2020 को दिल्ली रोड के एक होटल में बाड़ेबंदी करनी पड़ी। यहां से सारे विधायकों को जैसलमेर के एक होटल में शिफ्ट किया गया और 12 अगस्त तक बाड़ेबंदी की गई। यानी पूरी सरकार करीब एक महीने तक बाड़ेबंदी में रही। आखिरकार प्रियंका गांधी की दखल के बाद सचिन पायलट अपने समर्थक विधायकों के साथ 13 अगस्त को जयपुर लौटे। इस बीच भाजपा ने गहलोत पर दबाव बनाया कि वे विधानसभा में विश्वास मत हासिल करें। गहलोत ने 14 अगस्त को विश्वास मत हासिल करके अपनी सरकार को बचाया। मानेसर की बगावत के बाद पायलट को पीसीसी अध्यक्ष और डिप्टी सीएम के पद से हटाया गया। उस समय पायलट के पास पर्याप्त संख्या बल नहीं होने के कारण गहलोत सरकार को कोई खतरा नहीं हुआ, लेकिन इसके बाद लगातार गहलोत खतरे के साये में दिखे और यह आशंका जाहिर करते रहे कि जिस तरह से भाजपा ने मध्यप्रदेश की कांग्रेस सरकार को गिराया, राजस्थान में उनकी सरकार को भी गिराने की कोशिश हो रही है।

दूसरी चुनौती : खेमेबाजी में बंटे विधायकों को एकजुट रखना

मानेसर की बगावत के बाद गहलोत के सामने कांग्रेस सरकार को बचाए रखने के लिए विधायकों

विपक्ष से ज्यादा अपनों से लड़ती रही सरकार

को एकजुट रखने की चुनौती लगातार बनी रही। मानेसर में पायलट के साथ लगभग 20 विधायक थे। गहलोत हमेशा इस कोशिश में रहे कि पायलट खेमे में विधायकों की संख्या किसी भी हालत में बढ़े नहीं। अगर सरकार के समर्थन वाले विधायकों की संख्या घटती है और पायलट के पक्ष में विधायकों की संख्या बढ़ती है तो सरकार के लिए खतरा हो सकता है।

इस चुनौती से पार पाने के लिए गहलोत विधायकों को एकजुट रखने के हर संभव प्रयास करते रहे। सरकार में विधायकों के सारे काम हो रहे हैं। जो विधायक टूट सकते थे, उनमें से बहुत से विधायकों को सरकार में बोर्ड-निगमों में पद दिए गए। बसपा से कांग्रेस में आए विधायकों को भी मंत्री पद और बोर्ड-निगमों में नियुक्तियां दी गईं, ताकि उनको सरकार को अस्थिर करने की कोशिशों से दूर रखा जा सके।

विधायकों के क्षेत्रों में उनके पसंद के अफसरों की पोस्टिंग भी गहलोत की इसी रणनीति का हिस्सा है। इतना ही नहीं गहलोत सार्वजनिक रूप से कहते भी रहे हैं कि विधायक मांगते-मांगते थक जाएंगे, लेकिन मैं देते-देते नहीं थकूंगा।

तीसरी चुनौती: 92 विधायकों के इस्तीफों पर कोर्ट का निर्णय क्या होगा?

सरकार में सियासी संकट की स्थिति 25 सितंबर को एक बार फिर आई जब कांग्रेस हाईकमान ने गहलोत को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने और राजस्थान में मुख्यमंत्री बदलने के लिए अजय माकन और मल्लिकार्जुन खड़गे को आब्जर्वर बनाकर भेजा। तब गहलोत गुट ने आलाकमान के खिलाफ बगावती तेवर अपनाए।

पायलट को सीएम बनाने के लिए एक लाइन का प्रस्ताव पास करवाने के लिए बुलाई गई बैठक का विधायकों ने बहिष्कार कर दिया। 92 विधायकों ने स्पीकर सीपी जोशी को इस्तीफे सौंप दिए। इस्तीफों का मामला अब हाईकोर्ट में लंबित है। हाईकोर्ट ने स्पीकर और विधानसभा सचिव को तीन सप्ताह में जवाब पेश करने के नोटिस जारी कर रखे हैं। सरकार के सामने बड़ी चुनौती यह खड़ी हो गई है कि यदि इस मामले में स्पीकर को इस्तीफे स्वीकार करने पड़े तो सरकार गिर जाएगी।

चौथी चुनौती : गहलोत के गद्दार वाले बयान से फिर खड़ा हुआ तूफान

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में प्रवेश करने वाली थी, उसके पहले मुख्यमंत्री गहलोत के एक इंटरव्यू ने राजस्थान में सियासी तूफान खड़ा कर दिया। गहलोत ने पायलट को मुख्यमंत्री बनाने के सवाल पर पहली बार बोलते हुए कहा कि जिस व्यक्ति के पास दस आदमी भी नहीं हैं, उसे कैसे सीएम बना सकते हैं।

इस विवाद के बाद राहुल गांधी को बयान देना पड़ा कि गहलोत और पायलट, दोनों ही कांग्रेस पार्टी के लिए एसेट हैं। फिर दोनों के बीच सुलह की कोशिशें शुरू हुईं ताकि भारत जोड़ो यात्रा पर इसका प्रभाव न पड़े और फिर वह तस्वीर आई, जो पिछले चार साल में कभी नहीं देखी गई।

कांग्रेस आलाकमान की भूमिका मूकदर्शक की बनी रही

चुनौतियों से घिरी सरकार को लेकर कांग्रेस आलाकमान शुरू से ही मूकदर्शक की भूमिका में नजर आया। गहलोत और पायलट खेमे एक-दूसरे पर हमले करते रहे, लेकिन आलाकमान दोनों में से किसी भी गुट पर कोई कड़ा रुख नहीं अपना पाया।

इतना ही नहीं हाईकमान के भेजे गए ऑब्जर्वर का बहिष्कार करके विधायकों को उकसाकर इस्तीफा दिलवाने के आरोप में अनुशासनहीनता के नोटिस जारी होने के बावजूद कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल, महेश जोशी और आरटीडीसी के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ पर कार्रवाई के मामले में भी ढुलमुल रवैया अपनाया गया।

ऐसे में यह साफ दिखता है कि कांग्रेस हाईकमान राजस्थान की खींचतान पर कुछ कर पाने में खुद को असहाय महसूस कर रहा है। हालांकि राहुल गांधी ने यह कहकर कुछ हद तक हाईकमान को डिफेंड करने की कोशिश की है कि कांग्रेस में थोड़ी बहुत बयानबाजी से किसी को कोई दिक्कत नहीं है।

रंधावा बोले- गहलोत पायलट का डीएनए कांग्रेसी

राजस्थान के नए प्रभारी ने कहा- दोनों में से कोई भी पार्टी नहीं छोड़ने वाला

अलवर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस के नए प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट को लेकर बड़ी बात कही। रविवार को उन्होंने अलवर में कहा कि दोनों नेताओं का डीएनए कांग्रेसी है और दोनों में से कोई भी पार्टी नहीं छोड़ने वाला है।

रंधावा ने कहा कि सचिन पायलट के पिता राजेश पायलट, अशोक गहलोत दोनों उनके पिताजी के साथ रहे हैं। दोनों का DNA व ब्लड कांग्रेसी है। दोनों में से कोई भी यह नहीं करेगा कि एक कांग्रेस पार्टी में है दूसरा नहीं है। रंधावा ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों का मुआयना किया। कांग्रेस नेताओं से रंधावा ने चर्चा की। इसी दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत में सचिन पायलट और अशोक गहलोत की कंट्रोवर्सी को लेकर साफ शब्दों में कहा कि दोनों का DNA और ब्लड कांग्रेसी है। कोई भी पार्टी नहीं छोड़ने वाला।

हम कहना चाहते हैं कि ये पॉलिटिकल यात्रा नहीं है, भारत जोड़ने की यात्रा है। मौजूदा समय में आमजन में भय है। उनके अंदर से भय निकालने के लिए भारत जोड़ो यात्रा शुरू की है। ये यात्रा आजादी को बचाने के लिए हैं।

पंजाब में समय अलग था। वो मैं समझता हूं। वहां दो साल पहले कहा था कि सीएम बदल दो। अब मुझे प्रभारी लगाया है। मैं ऐसा प्रभारी नहीं हूं कि कार्यकर्ताओं से नहीं मिलूंगा। मेरा काम है पहले वर्कर की तरह रहना। फिर सबसे मिलकर काम करना।

यात्रा देश को एकजुट करने के लिए। यात्रा लोगों के मन से डर निकालने के लिए हैं। ये यात्रा देश भक्ति भरने के लिए हैं। यात्रा में केवल देश भक्ति के नारे लगते हैं। ये पॉलिटिकल यात्रा नहीं है। देश अखंड रहेगा तो हम सब रह सकेंगे। अलवर में एक ऐतिहासिक रैली होगी।

अब तक की सबसे बड़ी रैली होगी। मैं एक वर्कर बनकर आया हूं। हर लीडर का रिपोर्ट कार्ड रखूंगा। आगे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ मीटिंग होगी। उनके मीटिंग में जो निर्णय होगा। उसे लागू किया जाएगा। अभी मुझे लगाया है मैं काम करने लगा हूं।

प्रदेश में पायलट व गहलोत दोनों साथ रहेंगे। दोनों का डीएनए व ब्लड कांग्रेसी है। मेरी पहली प्राथमिकता है राजस्थान में संगठन को बनाना है।

अलवर जिले में ऐतिहासिक रैली होगी। पूरे देश की अब तक की सबसे बड़ी रैली होगी। इस रैली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित अनेक राज्यों के नेता भी शामिल होंगे।

डॉ किरोड़ी को यह जवाब देना चाहिए कि मोदी सरकार ने आने से पहले 2 करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा किया था। उसका क्या हुआ। सेना भर्ती को अग्निपथ में बदल दिया। मतलब ठेका प्रथा लागू कर दी। जो जांबाज देश की सेवा करते हुए प्राण देते हैं उनके परिवार ही जानते हैं उस दर्द को। सरकार चाइना के मामले में जवाब देने से बचती है। इसलिए राहुल गांधी कहते हैं कि चाइना पर सरकार चुप क्यों हैं।

मैराथन को मुख्यमंत्री गहलोत ने दिखाई हरी झंडी

'रन फॉर जीरो हंगर' थीम पर दौड़े 10 हजार जयपुराइट्स, मैराथन में शामिल हुए ब्यूरोक्रेट्स

जयपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुरवेदांता पिंकसिटी हाफ मैराथन के सातवें संस्करण के दौरान रविवार की अलसुबह अल्बर्ट हॉल जेएलएन मार्ग का नजारा जोश और जुनून से सराबोर नजर आया।

वेदांता पिंकसिटी हाफ मैराथन के सातवें संस्करण के दौरान रविवार की अलसुबह अल्बर्ट हॉल जेएलएन मार्ग का नजारा जोश और जुनून से सराबोर नजर आया। हर प्रतिभागी के मन में जीत का मैडल पाने और 'रन फॉर जीरो हंगर' की थीम पर दौड़ लगाकर भूखे लोगों को भोजन दिलाने का जज्बा कायम था। म्यूजिक और ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच रनर्स का जोश और भी बढ़ गया, जब वेदांता पिंकसिटी हाफ मैराथन का फ्लैग ऑफ करने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पहुंचे।

उन्होंने रनर्स से हाथ मिलाकर दौड़ के लिए उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

के साथ वेदांता लिमिटेड की नॉन एक्जीक्यूटिव डॉयरेक्टर प्रिया अग्रवाल हेब्बर, वेदांता ग्लोबल (डिस्प्ले एंड सेमीकंडक्टर बिजनेस) के एमडी आकर्ष हेब्बर, वेदांता लिमिटेड की डायरेक्टर (ग्रुप कम्युनिकेशन) रितु झिंगन ने झंडी दिखाकर मैराथन को हरी झंडी दिखाई।

वेदांता पिंकसिटी हाफ मैराथन के प्रवक्ता डॉ. मनोज सोनी ने बताया कि यह मैराथन अल्बर्ट हॉल से शुरू होकर वापस यहीं लौटकर समाप्त हुई। 5 किलोमीटर की ड्रीम रन गांधी सर्किल होते हुए वापस लौटी, वहीं 10 किलोमीटर की कूल रन एमएनआईटी से वापस लौटी। 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन मालवीय नगर स्थित अपेक्स सर्किल, जवाहर सर्किल और फिर बजाज नगर होते हुए अल्बर्ट हॉल पर वापस लौटकर समाप्त हुई। इस दौरान देश भर से आए करीब 10 हजार धावकों ने हिस्सा लिया, जिनमें मुंबई से आए ब्लाइंड रनर अमरजीत चावला ने 21 किलोमीटर की दौड़ पूरी की, वहीं हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीईओ अरुण मिश्रा भी 21 किलोमीटर की हाफ रन में शामिल हुए।

साथ ही ब्लेड रनर भूपेंद्र शर्मा 10 किलोमीटर की कूल रन में शामिल हुए। वेदांता कॉलेज रींगस की करीब एक हजार छात्राएं भी वेदांता पिंकसिटी हाफ मैराथन में जोशीले अंदाज में दौड़ लगाती नजर आईं। इसके अलावा कुलदीप रांका, गौरव गोयल, राजेश यादव, के.सी. मीणा आदि कई ब्यूरोक्रेट्स ने मैराथन दौड़ लगाकर शहरवासियों को फिट रहने का संदेश दिया। डॉ. मनोज सोनी के अनुसार 'रन फॉर जीरो हंगर' के सामाजिक उद्देश्य को लेकर हुए इस आयोजन में 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन, 10 किलोमीटर की कूल रन और 5 किलोमीटर की ड्रीम रन और वर्चुअल कैटेगरी रखी गई, जिनके विजेताओं को टीम वेदांता की ओर से मैडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

हिस्ट्रीशीटर की पुरानी रंजिश में गोली मारकर हत्या

रास्ते में घात लगाकर बैठे थे बदमाश, दोनों पक्षों में पहले भी कई बार हो चुका झगड़ा

बारां, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। अवैध खनन को लेकर चल रही पुरानी रंजिश में एक हिस्ट्रीशीटर की धारदार हथियारों से हमला और गोली मारकर कर हत्या कर दी गई। मर्डर की सूचना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। गंभीर घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने एहतियात के तौर पर बड़ी संख्या में गांव और अस्पताल में भारी पुलिस जाब्ता तैनात कर दिया। मामला बारां जिले के अंता थाना क्षेत्र का है।

थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि चहेड़िया हाल सांगोद निवासी मोहम्मद अख्तर (45) पुत्र बिलाल बेग शनिवार शाम को खेत पर खाना देने के लिए बाइक से मिर्जापुर की ओर जा रहा था। इस दौरान रास्ते में घात लगाकर बैठे कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश को लेकर उस पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मोहम्मद अख्तर को गंभीर हालत में मिर्जापुर सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया।

थानाधिकारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर परिजन और बड़ी संख्या में लोग अस्पताल के बाहर जमा हो गए। इस दौरान लोगों ने नाराजगी जताते हुए आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। लोगों की भीड़ को देखते हुए मौके पर भारी संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात किया गया। थानाधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर एसपी कल्याणमल मीणा और एएसपी जिनेंद्र कुमार जैन भी मौके पर पहुंचे और परिजनों से बात की और घटना की जानकारी ली। साथ ही टीमें गठित कर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए।

जयपुर में बीजेपी मुख्यालय पर हाथापाई, एक-दूसरे को दीं गालियां

कार्यकर्ता बोलाः महामंत्री और उपाध्यक्ष ने रुपए देकर पद बांटे

जयपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजेपी में आपसी खींचतान अब सामने आने लगी है। अब पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारियों पर पैसे लेकर पद देने का आरोप लगा रहे हैं। इसी बात को लेकर बीजेपी शहर उपाध्यक्ष और कार्यकर्ता के बीच इतनी बढ़ गई कि हाथापाई पर उतर आए। इतना ही नहीं दोनों बीच सड़क पर एक-दूसरे को जमकर गालियां देने लगे। मामला शनिवार को भाजपा मुख्यालय पर दोपहर 2 बजे का है। यहां शहर उपाध्यक्ष अजय पारीक और कार्यकर्ता विजय बालानी के बीच जमकर बहसबाजी हुई। दरअसल, शनिवार को पाकिस्तान के विदेश मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता प्रदेश मुख्यालय पर शामिल हुए थे। इस दौरान बीजेपी शहर उपाध्यक्ष अजय पारीक की बीजेपी कार्यकर्ता विजय बालानी से पैसे लेकर पद देने के आरोप पर बहस हो गई। इस दौरान अजय पारीक ने बालानी को गाली देते हुए उनकी तरफ डस्टबिन फेंक मारने की कोशिश की। लेकिन, वहां मौजूद शहर महामंत्री कुलवंत सिंह ने मामला शांत करवाने की कोशिश की। लेकिन, बालानी ने भी उन पर भी रुपए देकर रुपए लेकर पद नहीं देने का आरोप लगाया।

कॉलेज स्टूडेंट्स ने प्रिंसिपल को मारे थप्पड़

बोले- चैंबर में बुलाकर चॉकलेट देने के बहाने छात्राओं से करते हैं छेड़छाड़

किशनगढ़, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। कॉलेज स्टूडेंट्स ने कार्यवाहक प्रिंसिपल की जमकर पिटाई कर दी। स्टूडेंट्स ने प्रिंसिपल के थप्पड़ मारे और घसीटा। आरोप है कि- प्रिंसिपल ने छात्रा को अपने चैंबर में बुलाकर छेड़छाड़ की। मामला अजमेर जिले के किशनगढ़ के रतन लाल कंवर लाल पाटनी गवर्नमेंट पीजी कॉलेज का शनिवार का है। शाम 6 बजे पीड़ित छात्रा ने प्रिंसिपल के खिलाफ किशनगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में फर्स्ट ईयर की 20 साल की छात्रा ने आरोप लगाया कि प्रिंसिपल पी.डी. जांगिड़ (58) ने शनिवार सुबह 10 बजे वॉट्सऐप मैसेज कर चैंबर में बुलाया और चॉकलेट देने के बहाने

छेड़छाड़ की। पीड़ित छात्रा ने प्रिंसिपल की हरकत के बारे में छात्रसंघ कार्यालय में बताया तो दोपहर 2 बजे राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रदेश मंत्री रामस्वरूप चौधरी, एबीवीपी के छात्रसंघ अध्यक्ष ऋषभ कुमावत, महासचिव नीरू नायक, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रवि वैष्णव, कुलदीप सिंह, मंजू, देवेश और लोकेश समेत कई छात्र नेता प्रिंसिपल के चैंबर में पहुंच गए। जहां पहले तो छात्रा से छेड़छाड़ के मुद्दे पर प्रिंसिपल से कहासुनी हुई। इसके बाद एक छात्र ने प्रिंसिपल पर थप्पड़ जड़ दिए।

छात्रसंघ अध्यक्ष ऋषभ कुमावत ने कहा कि कॉलेज प्रिंसिपल की ओर से छात्राओं को चॉकलेट देने के बहाने अपने चैंबर में बुलाकर उनसे गलत तरीके से बात करना, मोबाइल नंबर मांगना और उनसे मैसेज पर गलत तरीके से चैट करना शर्म की बात है। मैं पुलिससे उचित कार्रवाई की मांग करता हूं। जिला कलेक्टर से मांग है कि ऐसे प्रिंसिपल को तत्काल सस्पेंड कर कार्रवाई की जाए। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के नेता रामस्वरूप चौधरी ने कहा कि हमें सूचना मिली थी कि कॉलेज में छात्राओं से छेड़छाड़ की जा रही है।

फेसबुक लाइव की गलती से पकड़ी गई लेडी डॉन

दोस्त के घर की थी शराब पार्टी, गिरफ्तार होने पर बोली- जयपुर जेल मत भेजना

जयपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। फेसबुक लाइव पर गाली-गलौज कर सुखियों में आई लेडी डॉन रेखा मीना फिलहाल करौली जेल में है। 13 दिसंबर को इसकी गिरफ्तारी जयपुर से हुई थी।

फेसबुक लाइव पर गाली-गलौज कर सुखियों में आई लेडी डॉन रेखा मीना (20) जेल में है। करौली में एक स्टूडेंट को गोली मारने के बाद वह फरारी काटने जयपुर आई थी। फेसबुक लाइव पर आकर गाली-गलौज करने की गलती से रेखा मीना पुलिस के हाथ लगी। रामनगरिया पुलिस ने महज 11 घंटे में लोकेशन ट्रेस कर उसको पकड़ लिया। लेडी डॉन को उसके एक दोस्त के घर से पकड़ा गया था। यहां उसने शराब पार्टी की थी। पुलिस ने जब उसको पकड़ा तो वह बोली- मुझे जयपुर जेल मत भेजना। चाहे करौली, दौसा या सवाई माधोपुर जेल भेज दो। करौली की कोतवाली पुलिस रेखा मीना को गिरफ्तार कर ले गई। यहां पूछताछ के बाद 16 दिसंबर को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसको जेल भेज दिया गया।

डीसीपी (ईस्ट) राजीव पचार ने बताया कि फेसबुक लाइव पर गाली-गलौज करने वाली रेखा मीना पुत्री कमल मीना करौली जिले के टोडाभीम की रहने वाली है। वह खुद को करौली की लेडी डॉन बोलती है। करौली कोतवाली थाने में वह हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रही थी। 29 नवंबर को उसने करौली में कोतवाली थाना क्षेत्र निवासी योगेश जादौन (19) को गोली मारी थी। पर्चा बयान में योगेश ने बताया था कि वह 12वीं क्लास में पढ़ता है। दोपहर करीब 2:30 बजे वह स्कूल से घर लौट रहा था। अंजनी माता मंदिर के पास वीरवास रोड पर 4 लड़के और 2 लड़कियां शराब पी रहे थे। उसने जब उनको शराब पीने से टोका तो वह गाली-गलौज करने लगे। उनमें से एक लड़के ने बंदूक निकालकर फायर कर दिया। उसकी पीठ में गोली मारने के बाद आरोपी वहां से फरार हो गए।

बीजेपी कार्यालय में लगी कलाकार चौपाल

कलाकारों की समस्याओं को सरकार के सामने लाने के होंगे प्रयास

जयपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान के सांस्कृतिक एवं पर्यटन प्रकोष्ठ की ओर से से पार्टी प्रदेश मुख्यालय में कलाकार चौपाल आयोजित की गई। भारतीय जनता पार्टी की जन आक्रोश यात्रा के दूसरे चरण में भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान के सांस्कृतिक एवं पर्यटन प्रकोष्ठ की ओर से पार्टी प्रदेश मुख्यालय में कलाकार चौपाल आयोजित की गई। इसमें जयपुर शहर के सभी विधाओं के प्रबुद्ध कलाकारों, साहित्यकारों और पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों की समस्याओं और शिकायतों को एकत्रित किया गया। यह कलाकार चौपाल प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मनीष पारीक के निर्देशन में आयोजित हुई। कलाकार चौपाल को सम्बोधित करते मनीष पारीक ने कहा कि कलाकार चौपाल के माध्यम से हम कलाकारों की समस्याओं और शिकायतों को इकट्ठा कर रहे हैं।

भजन सम्राट श्रीप्रकाश माली द्वारा भजन गंगा बहाई गई

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामचन्द्र रामप्रसाद सोनी परिवार द्वारा गोशामहल पुलिस ग्राउंड, हैदराबाद में जारी भागवताचार्य श्री रमेश जी ओझा के श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ में राजस्थान के प्रसिद्ध भजन सम्राट श्रीप्रकाश माली द्वारा भजन गंगा बहाई गई। श्री माली ने अपने सुमधुर कंठ से भजन प्रस्तुत कर सभी के मंत्रमुग्धकर दिया। भक्तगण भावविभोर होकर नाचने को मजबूर हो गये।

कार्यक्रम में रुपेश सोनी, नवल जाजू, गोपाल भण्डारी, महेश बजाज, कमलेश भांगडिया, लक्ष्मीकांत सोनी, राजू सिंह, वेणु जाजू, नितिन शर्मा, आनंद अटल, आशीष सारडा, दिलीप चितलांग्या, राजेश सोमाणी, सूर्य कमल गुपता, अमित लड्डा, गोविंद डालिया, श्याम हरकुट आदि ने कार्यक्रम में भाग लिया।

सामाजिक कार्यकर्ता ने की आंखों के ऑपरेशन में 28 बुजुर्गों की मदद

कुमराम भीम आसिफाबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुजारी से सामाजिक कार्यकर्ता बने देवरा विनोद ने रविवार को इंदिरानगर गांव रेब्बेना मंडल में अपने जन्मदिन के मौके पर 28 बुजुर्गों की आंखों की रोशनी में सुधार के ऑपरेशन में मदद की। विनोद ने कहा कि बेलमपल्ली के एक नेत्र अस्पताल में लायंस क्लब ऑफ इंडिया के गोलेटी चैप्टर की मदद से गांव के 28 लोगों का ऑपरेशन किया गया। उन्होंने बताया कि चार दिन पहले भी बस्ती के 40 लोगों का ऑपरेशन हुआ था। उन्होंने स्वैच्छिक संगठन के सदस्यों और अन्य लोगों को उनके इशारे पर सहयोग देने के लिए धन्यवाद दिया।

हम अहिंसक हैं, हमें कायर न समझा जाए : रिद्धीश जागीरदार

जैन समाज के सम्मेदशिखर बचाओ अभियान के तहत बैठक आयोजित

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सम्मेदशिखर सिद्ध क्षेत्र हम सबके लिए शाश्वत और पावन क्षेत्र है। क्षेत्र को सरकार द्वारा पर्यटन स्थल घोषित कर धार्मिक स्थल से खिलवाड किया जा रहा है। जबकि इस सिद्ध क्षेत्र को पर्यटन स्थल की जगह पवित्र स्थल घोषित करना चाहिए। सरकार द्वारा उठाए गए इस कदम का जैन समाज विरोध करती है, और मांग करती है कि सिद्ध क्षेत्र सम्मेदशिखरजी के साथ सरकार खिलवाड ना करें। इसलिए सरकार कान खोल कर सुन ले, हम अपनी बात ज्ञापन के माध्यम से महामहीम राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, देश के गृहमंत्री अमीत शाह, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, गुजरात के गृहमंत्री हर्ष संघवी, जारखंड के मुख्यमंत्री और अन्य विशेष

व्यक्तियो को भेजा जायेगा, ताकि सरकार हमारी बातों को मान ले। जैन समाज अहिंसक है, किंतु कायर नहीं, इस बात को भी सरकार बेहतर ढंग से समझ ले। यह बात जैन समाज के सम्मेदशिखर बचाओ अभियान के तहत आयोजित बैठक मे आल इंडिया जैन माईनोरिटी फेडरेशन के संयोजक रिद्धीश जागीरदार जैन ने व्यक्त किये।

आल इंडिया जैन माईनोरिटी फेडरेशन, जैन माईनोरिटी काउंनसील, अचलगच्छ जैन संघ के तत्वावधान मे एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें अचलगच्छ जैन संघ के चेयरमैन रमणीक नागडा, मेनेजींग ट्रस्टी पोपटलाल छेडा, जैन माईनोरीटी काउंनसील के संयोजक एवं बिजेपी नेता दिनेश गोसर, आल इंडिया जैन माईनोरिटी फेडरेशन के संयोजक रिद्धीश जागीरदार जैन, जैन संघ के नवीन मारू, शांतिलाल मारू, मणीलाल सावला, किर्ती संघवी, हेमंत गडा आदि बडी संख्या मे जैन बंधुओ ने भाग लिया।

दिनेश गोसर ने कहा कि जैन धर्म के प्राणो से अतिप्रिय महान पावन व पवित्र तीर्थ सम्मेदशिखरजी और पालिताणा पर आए गहरे संकट व उसे बचाने के लिए व्यापक जनआंदोलन करने और इस हेतु भारी जन जागृति करने का समय आ गया है। बैठक में संगठनो के पदाधिकारियों ने केन्द्र सरकार से सम्मेदशिखरजी के आधे हिस्से को इको सैंसेटिव जोन के नाम पर व उसे पर्यटन क्षेत्र घोषित कर तीर्थ की धार्मिक आध्यात्मिक पावनता को नष्ट करने व आधे भाग को वन विभाग का हिस्सा बनना जैन धर्म व जिनत्व को कुचलना किसी भी किमत पर बर्दाश्त नही किया जाएगा तथा गुजरात पालिताणा जैन तीर्थ शतुंजय पर जैन दैवो के पगले तोड अन्य तरह की तोडफोड वाली गुण्डागर्ती को अब बर्दाश्त नही करेंगे और तमाम जैन तीर्थों व धर्म स्थलों की सुरक्षा के लिए जरूरत पडी तो सडको पर भी उतरेंगे।

बैठक से पूर्व जैन एवं अजैन के प्यारे, प.पू. अध्यात्मयोगी आचार्यदेव श्रीमद् विजय कलापूर्णसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्यरत्न प.पू. आचार्य भगवंत श्रीमद् विजय तीर्थभद्रसूरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा से भेंट कर पालीताणा एवं सम्मेद शिखर तीर्थ के साथ साथ देश भर के जैन तीर्थो की रक्षा व खंडित एवं जर्जरित अवस्था में पडे प्राचीन तीर्थो के पुनरउत्थान के बारे में जानकारी दी गयी। पूज्य आचार्य भगवंत सभी को दिल से आशीर्वाद एवं मांगलिक प्रदान किया।

अखिल भारतीय चट्टदा श्री वैष्णव महासभा का आयोजन सम्पन्न

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय चट्टादा श्री वैष्णव महासभा का आयोजन रविवार को बाबू जगजीवन राम भवन, कोत्तापेट में हुआ। इस बैठक में देश भर के 1500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया और मीडिया से बात करते हुए, फेडरेशन के अध्यक्ष थिरुक्कोल्लौरी रामानुजम ने बताया कि इस बार शहर में वार्षिक बैठक आयोजित की गई थी। मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद 130 जातियों का प्रतिनिधित्व कर रहे बीसी आयुक्त वकुलभरणम कृष्ण मोहन ने कहा कि अगर किसी समुदाय को मान्यता देनी है तो सामूहिक शक्ति दिखाएं। मजबूत शक्ति समाज पर शासन करती है। इसलिए राजनीति में प्रतिनिधित्व किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे अंदर राजनीतिक चेतना आनी चाहिए। आबादी कम होने के कारण इस समुदाय को उचित पहचान नहीं मिल पा रही है, लायन किरण ने कहा कि समुदाय को वह पहचान नहीं मिल रही है, जिसके वह हकदार हैं। परिदा कृष्णमूर्ति, तदुरी शिनिवास, शांति कुमारी, राम अय्यर और अन्य ने भाग लिया और बात की। कृष्णमोहन ने कहा कि 130 जातियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। मजबूत शक्ति समाज पर शासन करती है। इसलिए राजनीति में प्रतिनिधित्व किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता में राजनीतिक चेतना आनी चाहिए। इस सामाजिक समूह में एक विशिष्ट जाति व्यवसाय का अभाव है। राजनीति में अपेक्षित मान्यता न मिलने पर अनेक वक्ताओं ने मत दिया कि पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व होना चाहिए। फेडरेशन अध्यक्ष ने कहा कि इस सम्मेलन में हमने सदस्यों के कल्याण के लिए की जा रही सेवाओं और हमारे समाज को सरकार से जिन विकास योजनाओं की जरूरत है, उन पर निर्णय लिया है। बाद में, उन्होंने वैष्णव विद्वानों को सम्मानित किया और सांस्कृतिक कार्यक्रम किए। अध्यक्ष तिरुक्कोलुरी रामानुजम ने कहा कि अखिल भारत चट्टादा श्री वैष्णव समाख्या का गठन भगवद श्री रामानुजाचार्य के वंश में हुआ था, जिन्होंने विशिष्टाद्वैत की शिक्षा दी और रूढ़िवादी पारंपरिक प्रथाओं के साथ रंग भेदभाव के अधीन हिंदू प्रणाली का मार्गदर्शन करके मानव जाति का उत्थान किया। अखिल भारतीय चट्टादा श्री वैष्णव समाख्या का गठन 2018 में देश के विभिन्न हिस्सों में श्री चट्टदा वैष्णवों के अस्तित्व और सामूहिक कल्याण के लिए किया गया था। चट्टादा श्री वैष्णव ऐसे परिवार हैं जो रामानुज के आदेश पर वैष्णववाद, मानव एकता और विश्व शांति स्थापित करने के लिए श्रीरंगपट्टनम से चले गए और कई राज्यों में बस गए। होम्योपैथिक चिकित्सक के रूप में वे कई गांवों में बस गए। महतदासरी वैष्णवों का अय्यों का एक समृद्ध इतिहास रहा है जिन्होंने मंदिरों और मंदिरों में पूजा की। बिना किसी स्वार्थ के नए समाज के निर्माण में शामिल चट्टादा श्री वैष्णवों को राजनीतिक और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों या लड़खड़ा रहे परिवारों में उचित मान्यता या कोई प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया था।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा ने सम्मान समारोह के संदर्भ में की बैठक

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी ब्राह्मण सभा हैदराबाद-सिकन्दराबाद द्वारा 8 जनवरी 2023 को श्रृंग श्रृषि भवन पर नूतन वर्ष 2023 का सिभी मिनी वार त्यौहार युक्त मल्टीकलर कैलेंडर का 8 जनवरी 2023 को लोकार्पण होगा। इसी संदर्भ में आज एक बैठक सभा कार्यालय घासीबाजार पर अध्यक्ष प. पुरुषोत्तम लाल की अध्यक्षता में रखी गई।

महासचिव रामदेव नागला ने बताया कि कैलेण्डर विमोचन के साथ सभी 13 उपन्यातियों से जुड़े 70 वर्ष व उससे ऊपर के जोड़े सपत्नी का सम्मान का विचार किया गया। इसी तरह 75 वर्ष व उससे ऊपर के सभी सिंगल महिलाएं व पुरुषों का भी सम्मान किया जायेगा। कार्यक्रम को सुचारू रूप देने हेतु विभिन्न समिति प्रधान संयोजक गोपाल शर्मा होंगे व कोक्षाध्यक्ष का भार भरत चाण्डा को सौपा गया। बैठक में अध्यक्ष प. पुरुषोत्तम लाला, महासचिव रामदेव नागला, कोक्षाध्यक्ष भरत चाण्डा, प्रधान संयोजक गोपाल शर्मा, श्रीलाल पारीक, सन्दीप जायलवाल, मुरलीधर तिवाडी उपस्थित थे।

अग्रवाल सेवा दल-पित्ती ट्रस्ट का 105 वां निशुल्क मेगा संपन्न

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल सेवा दल-बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट द्वारा यादव सेवा संघम हैदराबाद के सहयोग से 105 वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप बालानगर के कल्याणी नगर में आयोजित किया गया।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निशुल्क मेडिकल कैम्प में हाईटेक सिटी स्थित मेडिकवर अस्पताल की टीम द्वारा सामान्य चिकित्सा जांच, स्त्री रोग, अस्थीरोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, ईएनटी, दंत जाँच, आरबीएस एवं रक्तचाप की जांच की गई। अवसर पर वेस्ट मैरेडपल्ली स्थित एलसीएस डुंडु आई इंस्टीट्यूट के सहयोग से रोगियों के नेत्र की जांच करने के बाद 139 को चश्मे तथा 19 रोगियों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था निशुल्क रूप से की गई। शिविर में दांतों की जांच की गई। शिविर में ईएनटी की सेवा रॉयल पर्ल ईएनटी टीम व डॉ.अविनाश ने की। शिविर का 405 से अधिक लोगों ने लाभ लिया। अवसर पर शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, अग्रवाल सेवा दल के रतन गुप्ता, विनय सी अग्रवाल, सुरेन्द्र गोयल, उर्मिला अग्रवाल, स्थानीय पार्टनर यादव सेवा संघम के अलाडी शरद यादव, टी.महेश यादव, बी.ऋषि यादव, ए.नागेश, डी.शिवकुमार यादव, अल्लाडी सिद्धेश्वर यादव, जेरु अरुण यादव, सुनीता, सेंट मैरी जोसेफ हाई स्कूल प्रबंधन के श्रीशैलम यादव, मंजुला यादव, बालानगर पार्षद अवुला रविन्द्र रेड्डी, स्वयंसेवी सुनैना नरसरिया, बबीता अग्रवाल, अग्रवाल समाज दुर्गम चेरुवु शाखा के संदीप गुप्ता, राजकुमार अग्रवाल, राजीव गुप्ता, समाजसेवी शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, पित्ती लैमिनेशंस के सदस्य उपस्थित थे।

बिहार समाज सेवा संघ पैराडाइज की मीटिंग आयोजित

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार समाज सेवा संघ पैराडाइज की मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में बोइनपल्ली बापूजी नगर अध्यक्ष उडन मंडल को बनाया गया, महामंत्री दिलीप कुमार पासवान को बनाया गया। उसमें उपस्थित अध्यक्ष दीपक सिंह, महामंत्री मनीष कुमार गुप्ता, ज्वाइंट सेक्रेट्री संजय सिंह, रानीगंज एरिया का अध्यक्ष बबलू ओझा, पान बाजार एरिया अध्यक्ष विनय सिंह, विकास पासवान, संतोष यादव, रविंदर यादव, राकेश सिंह, विनोद पांडे, सुनील कामत, सुमन कामत और लोग उपस्थित हुए।

गोशामहल ग्रॉउंड में आयोजित श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ में भागवताचार्य श्री रमेश जी ओझा से भेंट कर आशीर्वाद लेते हुए जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल, श्रीमती वीणा जायसवाल व अन्य।

अनंत काबरा की 'साहित्यिक यात्रा खंड-1' विमोचित

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अध्यात्मवेत्ता, दर्शन शास्त्री और विश्व प्रसिद्ध भागवत व्यास भाई रमेशजी ओझा द्वारा अनंत काबरा की साहित्यिक यात्रा खंड -1 का विमोचन किया गया। इस मौके पर गणमान्यों ने भाग्यनगर के इस सरस्वतीपुत्र को राज्यसभा में भेजने पर जोर दिया।

गौरतलब है कि गत 6,7 और 8 अप्रैल को उस्मानिया विश्वविद्यालय की कोठी इकाई महिला विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन विभागाध्यक्ष राजश्री मोरे के नेतृत्व में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन उस्मानिया विश्वविद्यालय के कोठी सभागृह में हुआ था। लगभग 200 से अधिक वक्ताओं ने अपना सारगर्भित भाषण प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रम के कुल 12 सत्रों में दिया था। इस विमोचन समारोह में डॉ. अनंत

काबरा,डॉ.राजश्री मोरे, अनंत काबरा की पत्नी रेखा काबरा, पुत्र अंतरिक्ष और पुस्तक की संपादिका राजश्री मोरे के साथ साथ शैलेश सोनी, रुपेश सोनी, सतीश सोनी, महेंद्र शर्मा और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। भाई श्री ने सभी का सम्मान किया। जैसा कि आपको ज्ञात है इसी कार्यक्रम के दौरान अनंत काबरा को राष्ट्रपति द्वारा नामित राज्यसभा पद देने का प्रस्ताव भी पास हुआ था। वक्ताओं ने आशा जताई कि इस संबंध में यथाशीघ्र सकारात्मक समाचार सुनने को मिलेंगे।

चूड़ी बाजार हरिजन सेवक मंडल समिति कार्यालय निर्माण के बारे मंत्री से चर्चा की

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से मुलाकात कर 36 बस्ती चूड़ी बाजार के हरिजन सेवक मंडल समिति के कार्यालय में प्रथम तल के निर्माण के लिए ज्ञापन दिया गया। इस पर मंत्री ने नगर निगम के अंचल आयुक्त रवि किरण को इसका समर्थन करते हुए एक पत्र भेजा। मंत्री ने तुरंत एस्टीमेट बनाकर काम शुरू करने का आदेश दिया। जवाब देते हुए जोनल कमिश्नर रवि किरण ने कार्यों का एस्टीमेट बनाया और तत्काल राशि आवंटित कर दी। आज बीआरएस नेता एम. आनंद

कुमार गौड़ ने एक बार फिर उन कार्यों की प्रगति के लिए समिति के सदस्यों को लेने के बाद मंत्री से मुलाकात की। मंत्री ने कहा कि मंत्री रवि किरण को बुलाएं और काम जल्दी पूरा करें। जोनल कमिश्नर ने कहा कि काम शुरू कर तुरंत पूरा किया जाएगा। आनंद कुमार गौड़ ने सकारात्मक प्रतिक्रिया के लिए मंत्री और जोनल कमिश्नर को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर जामबाग मंडल बीआरएस पार्टी के महासचिव जी नंदू कुमार, चूड़ी बाजार हरिजन सेवक मंडल समिति के अध्यक्ष एम. कृष्णा, महासचिव एम. धर्मेंद्र, कानूनी सलाहकार एम. गोवर्धन, कोषाध्यक्ष देवेंद्र, उपाध्यक्ष डी. वेंकटेश, संयुक्त सचिव किशोर, संयुक्त सचिव एस. संजय, ईसी सदस्य डी. नागेश्वर राव, पी वेंकटेश और अन्य ने भाग लिया।

पाटनचेरु में कांग्रेस पार्टी के 300 कार्यकर्ता बीआरएस में शामिल

संगारेड्डी, 8 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पोचारम सरपंच बोड्डु जगन के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के लगभग 300 कार्यकर्ता रविवार को पोचारम में पाटनचेरु विधायक गुडेम महिपाल रेड्डी की उपस्थिति में भारत राष्ट्र समिति (टीआरएस) में शामिल हुए।

कांग्रेस नेताओं और कैडर का पार्टी में स्वागत करने के बाद, महिपाल रेड्डी ने कहा कि पाटनचेरु विधानसभा क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा लागू की गई विकास और कल्याणकारी योजनाएं विपक्षी पार्टी के नेताओं और कैडर को बीआरएस की ओर आकर्षित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के कई वरिष्ठ नेता जल्द ही पाटनचेरु में बीआरएसमें शामिल होंगे, उन्होंने कहा कि बीआरएस एकमात्र ऐसी पार्टी है जो लोगों को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं के साथ आ सकती है।

रामायण के सभी कांडों की व्याख्या में माहिर है हरिहर नंदन

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक बाल प्रतिभा हरिहर नंदन एडुपुगंती ने रामायण के सभी कांडों की व्याख्या करने के लिए एक ग्रैंडमास्टर के रूप में एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रवेश किया। 12 वर्ष की आयु में ही वह 27 नक्षत्रों, राशियों, ज्योतिष, पौराणिक कथाओं और वैदिक विज्ञानों के बारे में जानकर कई विषयों में पारंगत हो गया। यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि उन्हें जल्द ही विश्व प्रतिभा के रूप में पेश किया जाएगा। एडुपुगंती हरिहर नंदन का जन्म 9 दिसंबर, 2008 को तेलंगाना (हैदराबाद) में हुआ। इनके पिता बैंक अधिकारी ई नंदा गोपाल और माता भारत की पहली महिला पंचांग कर्ता डॉ. एडुपुगंती पद्मजा रानी है। बालक बहुत ही कम उम्र में कराटे ब्लैक बेल्ट 2 डेन (एनआईडीएएन) हासिल किया है और कराटे में 3 डिग्री बेल्ट के लिए तैयार हो रहे हैं, साथ ही कुमाइट और काटा स्पर्धाओं में राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप में विभिन्न स्वर्ण पदक, लगातार सर्वश्रेष्ठ कैडेट पुरस्कार और साथ ही 13 वें स्वाभिमान इंडिया कप में तेलंगाना राज्य से सबसे कम उम्र के बाहरी खिलाड़ी रहे है। उन्होंने अपनी मां के साथ पंचांग श्रवणम की मेजबानी करने के लिए अंग्रेजी, मल्टी टैलेंटेड किड ज़ोडियाक राइटर में विभिन्न ज्योतिषीय उपचारात्मक छंदों की व्याख्या करने के लिए एक मिनट में अधिक बार आदित्य हृदयम का पाठ करने वाले सबसे कम उम्र के रूप में इंडिया बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स में प्रवेश किया। हरिहन नंदन को कई पुरस्कार और सम्मान मिल चुका है।

महिला ने कुएं में लगाई छलांग, बचाने के लिए पति भी कूदा, दोनों की मौत

संगारेड्डी, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पति और पत्नी के बीच एक विवाद ने अब उनके तीन बच्चों को छोड़ दिया है, सभी 10 साल से कम उम्र के बच्चे अनाथ हो गए हैं।

ज़हीराबाद मंडल के गोविंदपुर में दुखद घटना रविवार सुबह 33 वर्षीय राजागिरी वेंकट और उनकी 30 वर्षीय पत्नी लक्ष्मी के बीच बहस के साथ शुरू हुई। वेंकट के माता-पिता रामुलु और पेंटम्मा के साथ गोविंदपुर के एक फार्महाउस में काम करने वाले दोनों के बारे में कहा जाता है कि वे एक मामूली बात पर झगड़ने लगे थे। हालांकि, गुस्से में आकर लक्ष्मी ने अपनी जीवन लीला समाप्त करने के लिए पास के एक खुले कुएं में छलांग लगा दी। वेंकट, जो उसे रोकने के लिए कुएँ की ओर दौड़ा, फिर उसे बचाने के प्रयास में कुएँ में कूद गया।

हालांकि दोनों डूब गए। बताया जा रहा है कि यह सब तब हुआ जब उनके तीन बच्चे गीतांजलि (9), मल्लेश्वरी (7) और साई (4) पास में खड़े थे। चिरागपल्ली पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों शवों को कुएं से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए जहीराबाद के सरकारी अस्पताल में भेज दिया. लगभग एक ही समय में मरने वाले अपने माता-पिता दोनों के साथ अनाथ हुए तीन बच्चे अब अनिश्चित भविष्य की ओर देख रहे हैं, जहां रिश्तेदार ही उनकी एकमात्र उम्मीद हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

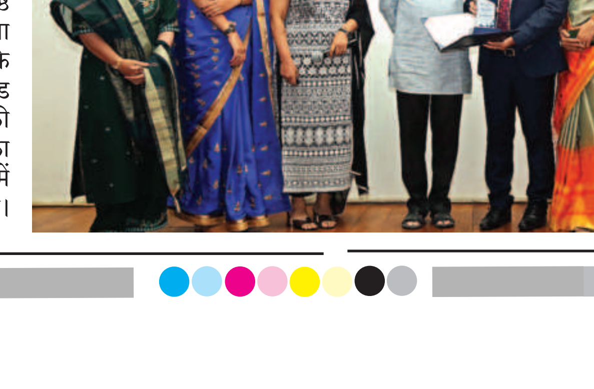

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद के निदेशक (तकनीकी) अनेश कुमार शर्मा ने समाज और राष्ट्र-निर्माण में उनके विशिष्ट योगदान के लिए आईआईटी हैदराबाद द्वारा संस्थान पूर्व छात्र पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ. अनेश कुमार शर्मा ने आईआईटी निदेशक प्रो. बी.एस. मूर्ति से पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

महाराष्ट्र के समग्र...

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बवनकुले ने कहा कि फडणवीस ने हर समाज को न्याय दिलाने के लिए काम किया है फिर चाहे मराठा हो धनगर हो या कोई दूसरा समाज।

इससे पहले महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कहा था पार्टी ने भारी मन से फैसला किया है कि बागी शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे को फडणवीस के बजाय राज्य का मुख्यमंत्री बनना चाहिए। वहीं अब बावनकुले की टिप्पणी ने विपक्षी दलों को बोलने का मौका दे दिया, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने कहा कि इससे पता चलता है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में वर्तमान सीएम शिंदे का कोई मूल्य नहीं है।

विकास में रोड़ा बने...

8 वर्षों के भीतर उग्रवाद की घटनाओं में 74% की गिरावट देखी गई है। सुरक्षाकर्मियों पर हमलों की घटनाओं में 60% की कमी आई है। जहां तक नागरिक मौतों का संबंध है, यह 89% कम हो गई है और लगभग 8,000 युवाओं ने आत्मसमर्पण किया है। यह पीएम नरेंद्र मोदी की एक बड़ी उपलब्धि है।

गृह मंत्री ने कहा- आज, असम का 60% क्षेत्र अफ्सपा मुक्त है। मणिपुर के 6 जिलों के 15 पुलिस थानों की सीमा अब अफ्सपा मुक्त है। अरुणाचल प्रदेश का केवल एक जिला शामिल है। नगालैंड में इसे 7 जिलों से हटा लिया गया है और त्रिपुरा और मेघालय में अफ्सपा पूरी तरह से हटा लिया गया है।

भारत ने बांग्लादेश से पहला टेस्ट जीता

इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की रेस में दूसरे नंबर पर पहुंचा

चट्टोग्राम, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट 188 रनों से जीत लिया है। टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। जीत के हीरो चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव और अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा रहे। कुलदीप प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 40 रन बनाने के साथ दोनों पारियों में आठ विकेट चटकाए। जबकि पुजारा ने पहली पारी में 90 और दूसरी पारी में नाबाद 102 रन बनाए

इस जीत के बाद भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट टेबल के तीसरे नंबर पर आ गई थी। लेकिन आज ही ऑस्ट्रेलिया ने साउथ-अफ्रीका को टेस्ट मैच में हरा दिया। इससे भारत पॉइंट टेबल में दूसरे नंबर पर आ गया है। भारत ने 13 में से 7 मैच जीते हैं। जबकि 2 ड्रॉ रहे हैं। टीम को 4 मैचों में पराजय का मुंह देखना पड़ा है।

भारत की ओर से अक्षर पटेल ने 4 और कुलदीप यादव ने 3 विकेट लिए हैं। मोहम्मद सिराज, उमेश यादव और रविचंद्रन अश्विन को 1-1 विकेट मिला।

भारत ने इस टेस्ट मैच में अपनी पहली पारी में 404 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश की पहली पारी 150 पर सिमट गई थी। इसके बाद टीम इंडिया ने दूसरी पारी 258/2 के स्कोर पर घोषित कर दी थी।

भारत-बांग्लादेश पहले टेस्ट के 5वें दिन का स्कोरकार्ड देखने के लिए क्लिक करें

डब्ल्यूटीसी में दूसरे स्थान पर पहुंचा भारत

इस जीत के साथ भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) की पॉइंट टेबल के तीसरे नंबर पर आ गया था। उसके 55.77% पॉइंट्स हो गए है। लेकिन, दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट में साउथ अफ्रीका को 6 विकेट से हरा दिया। ऐसे में पहले श्रीलंका और फिर साउथ अफ्रीका भारत से पिछड़ गए। श्रीलंका के इस वक्त 53.33% पॉइंट्स हैं। 76.92% पॉइंट्स के साथ ऑस्ट्रेलिया पहले और 54.55% पॉइंट्स के साथ साउथ अफ्रीका तीसरे नंबर पर है।

भारत ने बांग्लादेश को लगातार चौथे टेस्ट में हराया

टीम इंडिया ने बांग्लादेश से लगातार चौथा टेस्ट जीता है। टीम आज तक बांग्लादेश से टेस्ट मैच नहीं हारी है।

रविवार को भारत के 513 रनों के टारगेट का पीछा कर रही बांग्लादेश दूसरी पारी में 324 रनों पर ऑलआउट हो गई। उसकी ओर से डेब्यू मैच खेल रहे जाकिर हुसैन (100) ने शतक जमाया। कप्तान शाकिब अल हसन (84 रन) अपना 30वां टेस्ट अर्धशतक पूरा करके आउट हुए।

आखिरी दिन का खेल...डेढ घंटे में 4 विकेट गंवाए

5वें दिन के पहले सेशन में मेजबान टीम ने डेढ़ घंटे के खेल में आखिरी चार विकेट गंवा दिए। मोहम्मद सिराज ने मेहदी हसन मिराज को उमेश यादव के हाथों कैच कराकर भारत को दिन की पहली सफलता दिलाई। उसके बाद कुलदीप ने अर्धशतक बना चुके बांग्लादेशी कप्तान को बोल्ड कर दिया।

इसी ओवर में कुलदीप ने इबादत हुसैन को भी शून्य पर चलता कर दिया। बचा हुआ आखिरी विकेट अक्षर पटेल ने लिया। उन्होंने तैजुल इस्लाम को बोल्ड किया।

ऐसे गिरे बांग्लादेश के विकेट

पहला : 47वें ओवर की पहली गेंद पर शान्तो आउट हुए। उमेश की बॉल पर कोहली से छूटने के बाद पंत ने दूसरे प्रयास में कमाल का कैच पकड़ा।

दूसरा : अक्षर पटेल ने 50वें ओवर की आखिरी बॉल पर यासिर अली को बोल्ड कर दिया। यासिर 5 रन ही बना सके थे।

तीसरा : 69वें ओवर में कुलदीप यादव ने लिटन दास (19) को उमेश यादव के हाथों कैच कराया।

चौथा : जाकिर हसन को अश्विन ने 79वें ओवर में कोहली के हाथों कैच कराया। अश्विन को इस मैच का पहला विकेट मिला।

पांचवां : 88वें ओवर में अक्षर ने मुश्फिकुर रहीम (23) को बोल्ड कर दिया।

छठा : रहीम के बाद अक्षर ने नुरुल हसन को विकेट के पीछे ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया।

सातवां : 105वें ओवर में सिराज ने मेहदी हसन मिराज (13 रन) को उमेश के हाथों कैच कराया। मिराज ऑफ स्टंप के पास की लेंथ बॉल को खेलना चाहते थे। लेकिन, पॉइंट की दिशा में कैच हुए।

आठवां : कप्तान शाकिब अल हसन को कुलदीप यादव ने 111 ओवर की आखिरी बॉल पर क्लीन बोल्ड कर दिया।

नौवां : इबादत हुसैन को कुलदीप ने श्रेयस अय्यर के हाथों कैच कराया।

दसवां : अक्षर ने तैजुल इस्लाम को बोल्ड कर दिया।

क्रोएशिया को ब्रॉन्ज मेडल

मोरक्को को थर्ड प्लेस मैच में हराया, ग्वार्डिओल और ऑरसिच ने दागे गोल

अर रयान, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2022 में शनिवार को थर्ड प्लेस के मुकाबले में क्रोएशिया ने मोरक्को को 2-1 से हराया। इसी के साथ पिछली बार की फाइनलिस्ट क्रोएशिया ने इस फीफा वर्ल्ड कप में तीसरा स्थान हासिल किया। उसे ब्रॉन्ज मेडल मिला। इससे पहले 1998 में पहली बार क्रोएशिया ने फीफा वर्ल्ड कप खेला था।

उस दौरान भी टीम ने तीसरी पोजीशन हासिल की थी। क्रोएशिया के जोस्को ग्वार्डिओल ने 7वें और मिस्लॉव ऑरसिच ने 42वें मिनट में गोल दागा। मोरक्को के लिए एकमात्र गोल डिफेंडर अशरफ दारी ने 9वें मिनट में किया। इस मैच से पहले भी दोनों टीमें इसी टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज में भिड़ी थी। दोनों ने वहां ड्रॉ खेला था।

क्रोएशिया के ग्वार्डिओल ने दागा पहला गोल

क्रोएशिया के डिफेंडर जोस्को ग्वार्डिओल ने मैच का पहला गोल 7वें मिनट में दागा। क्रोएशिया के कप्तान लुका मोड्रिच ने गोल की तरफ फ्री किक मारी और बॉल टीम के खिलाड़ी इवान पेरिसिच से हो कर ग्वार्डिओल के पास गई। उन्होंने मौके का फायदा उठाते हुए हेडर मार कर गोल दाग दिया।

क्रोएशिया के गोल के ठीक 2 मिनट बाद मोरक्को ने किया स्कोर बराबर

मोरक्को ने क्रोएशिया को लीड बरकरार नहीं रखने दी। क्रोएशिया के गोल के ठीक दो मिनट बाद ही मोरक्को के डिफेंडर अशरफ दारी ने 9वें मिनट में गोल स्कोर किया। मोरक्को के खिलाड़ी जिएच ने गोल की तरफ बॉल मारी। बॉल टारगेट पर नहीं गई लेकिन मौके पर दारी थे। उन्होंने हेडर लिया और बॉल को नेट के अंदर पहुंचा दिया।

क्रोएशिया ने हाफ टाइम के पहले ली लीड

क्रोएशिया ने हाफ टाइम के ठीक पहले लीड ली। टीम के खिलाड़ी मिस्लॉव ऑरसिच ने 42वें मिनट में गोल दागा। पेनल्टी बॉक्स के लेफ्ट साइड पर उनके पास बॉल आई जिसे उन्होंने नजाकत के साथ शॉट लेते हुए राइट कार्नर पर गोल दाग दिया।

पहले हाफ में क्रोएशिया हावी

पहले हाफ में क्रोएशिया का दारोमदार रहा। फर्स्ट हाफ में क्रोएशिया ने गोल की तरफ 7 शॉट मारे, जिनमें से 2 गोल में तब्दील हुए। वहीं, मोरक्को ने गोल की तरफ 4 शॉट मारे, जिनमें से एक ही गोल में कन्वर्ट हुआ। क्रोएशिया ने 60% बॉल पजेशन रखी। जबकि मोरक्को के पास 40% समय बॉल रही। दोनों टीमों ने 2-2 कार्नर लिए।

भारत ने जीता एफआईएच नेशन्स कप

फाइनल में स्पेन को हराया, एचआई ने किया इनाम का ऐलान

ब्रिस्बेन, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने स्पेन को 1-0 से हराया और ये इकलौता गोल उसके लिए अनुभवी डिफेंडर गुरजीत कौर ने अपनी पावरफुल ड्रैग फ्लिक से किया.

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच महिला नेशन्स कप का खिताब जीत लिया. सविता रानी की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने फाइनल में शनिवार 17 दिसंबर को वैलेंसिया में मेजबान स्पेन को 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया.

भारतीय महिला हॉकी टीम ने FIH महिला नेशन्स कप का खिताब जीत लिया. सविता रानी की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने फाइनल में शनिवार 17 दिसंबर को वैलेंसिया में मेजबान स्पेन को 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया.

FIH की ओर से पहली बार आयोजित किए गए इस टूर्नामेंट को जीतकर टीम ने 2023-24 प्रो लीग में अपनी जगह पक्की कर ली. प्रो लीग में पहुंचने के लिए इस टूर्नामेंट को जीतना जरूरी था.

भारत की ओर से अनुभवी डिफेंडर गुरजीत कौर ने छठे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला जो निर्णायक साबित हुआ. कॉमनवेल्थ गेम्स की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट भारतीय टीम ने आठ देशों के टूर्नामेंट में अपने अभियान का अंत लगातार पांच जीत के साथ किया.

इससे पहले टीम इंडिया ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में आयरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 2-1 से हराया था, जिसमें टीम की कप्तान और दिग्गज गोलकीपर सविता ने अहम भूमिका निभाई थी.

भारतीय टीम की इस जीत से खुश हॉकी इंडिया ने भी खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को इनाम देने का ऐलान कर दिया. हॉकी संघ ने टीम की हर खिलाड़ी को 2-2 लाख रुपये और सपोर्ट स्टाफ के हर सदस्य को 1-1 लाख रुपये देने का ऐलान किया.

ऑस्ट्रेलिया ने 2 दिन में साउथ अफ्रीका को हराया

6 विकेट से जीते कंगारू; मैच में 504 रन बने, 34 विकेट गिरे

पैट कमिंस ने लिए 7 विकेट

ब्रिस्बेन, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला दो दिन के अंदर ही खत्म हो गया है। इस मैच को ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से जीत लिया है। शनिवार को ब्रिस्बेन में शुरू हुए मुकाबले में गेंदबाजों का बोलबाला रहा। दो दिन में 34 विकेट गिरे। दोनों दिन 15-19 विकेट ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका के गेंदबाजों ने लिया। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए दूसरी पारी में 33 रन की जरूरत थी। जिसे 4 विकेट खोकर ऑस्ट्रेलिया ने बना लिया। इससे पहले कंगारू टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और साउथ अफ्रीका को महज 152 रन पर ऑल-आउट कर दिया। काइल वेरेन्ने ने सबसे ज्यादा 64 रन बनाए। मिचेल स्टार्क और नाथन लायन ने 3-3 विकेट लिए। पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड को दो-दो सफलता मिली। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने सभी विकेट खोकर 218 रन बनाए। वहीं साउथ अफ्रीका ने दूसरी पारी में 99 रन ही बनाए। ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में 34 रन चाहिए थे। जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट गंवाने के बाद आखिरकार हासिल कर लिया। अफ्रीका की ओर से ये चारो विकेट कगिसो रबाडा ने लिए।

दूसरी पारी में भी अफ्रीकी बल्लेबाज फ्लॉप

अफ्रीका को पहला झटका ओपनर डीन एलगर के रूप में लगा। वे पैट कमिंस की गेंद पर एलबीडब्ल्यु होकर पवेलियन लौटे। उस समय टीम का स्कोर 2 रन ही था। वहीं एक रन बाद रेसी वैन डेर ड्यूसेन भी लौट गए। उनके जाने के बाद दूसरे ओपनर सरल इरवी भी 5 रन पर चलते बने। चौथे विकेट के रूप में ऑस्ट्रेलिया को टेंबा बावुमा के विकेट मिला। वह 47 रन पर पवेलियन लौट गए। वहीं अगली गेंद पर काइन भी आउट होगए। 99 रन तक अफ्रीका सभी विकेट खो दिए। 8 बल्लेबाज दहाई तक का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए। अफ्रीका की ओर से दूसरी पारी में सबसे ज्यादा रन खाया जोंडो ने बनाए। उन्होंने 85 गेंदों पर 36 रन बनाए। इनके अलावा टेंबा बावुमा ने 29 और केशव महाराज ने 16 रन बनाए।

पैट कमिंस को दूसरी इनिंग में मिली 5 सफलता

वहीं दूसरी इनिंग में पैट कमिंस सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 11.2 ओवर में 4 विकेट लिए। मिशेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड ने 2-2 विकेट लिए। वहीं नाथन लायन को 1 विकेट मिला।

दूसरे दिन 73 रन पर ऑस्ट्रेलिया ने गंवाएं 5 विकेट

वहीं पहली बारी में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज भी संघर्ष करते नजर आए। शनिवार को पहले दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट खोकर 145 रन बनाए। वहीं रविवार को कंगारू 73 रन पर ही बचे 5 विकेट गंवां दिए। 145 रन से आगे खेलने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने छठा विकेट 181 पर खो दिया। कैमरून ग्रीन 18 रन बना कर मार्को जनसन के शिकार बने। उनका कैच इरवी ने पकड़ा। वहीं नाथन लायन और पैट कमिंस भी बिना खाता लौट गए और मिशेल स्टार्क 14 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। जबकि एलेक्स कैरी 22 रन के साथ नाबाद लौटे।

भारत बना ब्लाइंड टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप का चैंपियन

लगातार तीसरी बार उठाया खिताब; सुनील रमेश और अजय कुमार के शतक

खेल डेस्क, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत की ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने लगातार तीसरी बार ब्लाइंड टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया है। टीम इंडिया ने फाइनल में बांग्लादेश ब्लाइंड क्रिकेट टीम को 120 रन से हराया। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए टीम इंडिया ने 20 ओवर में 277 रन बनाए थे। 278 रन के टारगेट का पीछा करते बांग्लादेश की टीम 157 रन ही बना सकी। भारत के लिए सुनील रमेश ने 63 गेंद में 24 चौकों से 136 और कप्तान अजय कुमार रेड्डी ने 50 गेंद पर 18 चौकों से 100 रन बनाए। 29 रन के स्कोर पर दूसरा विकेट गिरने के बाद दोनों ने भारत की पारी संभाली।

उन्होंने मिलकर 248 रन की पार्टनरशिप की। दोनों ने नॉटआउट रहकर पहली पारी खत्म की।

278 रन के टारगेट का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 3 विकेट खोकर भी 157 रन ही बना सकी। टीम इंडिया के लिए ललित मीना और अजय कुमार ने 1-1 विकेट लिया। एक विकेट रन आउट के रूप में गिरा। टीम इंडिया पूरे वर्ल्ड कप में एक भी मैच नहीं हारी। उन्होंने सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका को 207 रन से हराया था।

करीबी मुकाबले में जीता ऑस्ट्रेलिया

इंडिया विमेन को चौथे टी-20 में हराया; रिचा घोष ने 19 बॉल में 40 रन बनाए

मुंबई, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया विमेन क्रिकेट टीम ने इंडिया विमेन को रोमांचक मुकाबले में 7 रन से हरा दिया। मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में 5 टी-20 की सीरीज का चौथा मैच जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में 3-1 की बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया विमेन से मिले 189 रन के टारगेट के सामने इंडियन टीम 20 ओवर में 5 विकेट पर 181 रन ही बना सकी।

पहली पारी में 47 रन और दूसरी पारी में 2 विकेट लेने वाली ऑस्ट्रेलिया की एशले गार्डनर को प्लेयर ऑफ द मैच दिया गया। भारत के लिए रिचा घोष ने 210 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 40 रन बनाए। लेकिन, वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकी।

24 बॉल में थी 53 रन की जरूरत

टीम इंडिया को एक समय जीत के लिए 24 बॉल में 53 रन की जरूरत थी। 17वें ओवर में 12 और 18वें ओवर से 3 ही रन आए। 19वें ओवर की पहली 3 बॉल पर रिचा घोष ने 2 छक्के और एक चौका जड़ दिया। लेकिन, आखिरी 3 बॉल पर 2 ही रन आए। अब लास्ट 6 बॉल पर 20 रन की जरूरत थी।

मीगन शट के इस ओवर में दीप्ति शर्मा और रिचा घोष 12 रन ही बना सकी। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने 7 रन मुकाबला जीत लिया। सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला 20 दिसंबर को मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में ही खेला जाएगा।

एलिस पेरी ने फिर जड़ी फिफ्टी

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी के 20 ओवर में 3 विकेट पर 188 रन बनाए। तीसरे टी-20 में 75 रन बनाने वाली एलिस पैरी ने चौथे मैच में भी फिफ्टी लगाई। उन्होंने 42 बॉल में 7 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 72 रन बनाए। बाकी बैटर्स में ओपनर एलीसा हिली ने 21 बॉल पर 30 रन बनाए। रनिंग में दिक्कतों के बाद वह रिटायर होकर पवेलियन चली गईं।

एशले गार्डनर ने 27 बॉल पर 3 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 42 रन और ग्रेस हैरिस ने 12 बॉल पर 4 छक्कों और एक चौके की मदद से 27 रन बनाए। बेथ मूनी 2 और ताहीलिया मैक्ग्रा 9 रन बनाकर आउट हुईं। भारत के लिए दीप्ति शर्मा ने 2 और राधा यादव ने एक विकेट लिया।

49 पर गंवा दिए 3 विकेट

189 रन के विशाल टारगेट का पीछा करने उतरी टीम इंडिया को तीसरे ही ओवर में पहला झटका लगा। स्मृति मंधाना 10 बॉल में 16 रन बानकर आउट हो गईं। पावरप्ले के आखिरी ओवर में ओपनर शेफाली वर्मा भी 20 रन पर आउट हो गई। 7वें ओवर में टीम के 49 रन के स्कोर पर जेमिमा रोड्रिग्ज भी चलती बनीं।

जीत न दिला सकीं कप्तान हरमनप्रीत

8वें ओवर में आईं कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 30 बॉल में 6 चौकों और एक छक्के से 46 रन बनाए। उन्होंने देविका वैद्य (32) के साथ चौथे विकेट के लिए 45 बॉल में 72 रन जोड़े। 15वें ओवर में हरमन के आउट होने के बाद 18वें ओवर में देविका भी आउट हो गईं।

6ठे नंबर पर उतरीं रिचा घोष ने टीम इंडिया को जीत की उम्मीदें दीं। लेकिन, 19 बॉल में उनकी 40 रन की पारी टीम के काम न आ सकी। आखिर में दीप्ति शर्मा 8 बॉल में 12 रन बनाकर रिचा के साथ नाबाद रहीं। ऑस्ट्रेलिया के लिए एलाना किंग और एशले गार्डनर ने 2-2 विकेट लिए। वहीं, डार्सी ब्राउन को एक सफलता मिली।

कराची टेस्ट के पहले दिन पाकिस्तान 304 पर ऑलआउट

18 साल के रेहान अहमद ने लिए 2 विकेट

कराची, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। कराची के नेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच 3 टेस्ट की सीरीज का आखिरी मैच खेला जा रहा है। सीरीज में 0-2 से पिछड़ रही पाकिस्तान टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। वह 79 ओवर में 304 पर ऑल आउट हुई। दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने अपनी पारी शुरू कर दी। टीम ने 7 रन के स्कोर पर एक विकेट गंवा दिया। ओपनर बेन डकेट और ओली पोप नाबाद हैं।

पहली पारी में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने 2022 में अपनी 16वीं फिफ्टी जमाई। उन्होंने टीम के लिए सबसे ज्यादा 78 रन बनाए। टीम 79 ओवर में 304 रन पर ऑलआउट हुई। इंग्लैंड के लिए जैक लीच ने 4 विकेट लिए। 3 बॉलर्स को 1-1 विकेट मिला। वहीं, अपना पहला टेस्ट खेल रहे 18 साल के रेहान अहमद ने 2 विकेट लिए।

पहले दिन ही इंग्लैंड ने भी अपनी पहली पारी शुरू कर दी। दिन का खेल खत्म होने तक टीम ने 3 ओवर में 7 रन पर एक विकेट भी गंवा दिया। ओपनर जैक क्रॉले 5 बॉल खेलकर अबरार अहमद का शिकार हुए। एलबीडब्ल्यू होने से पहले क्रॉले अपना खाता भी नहीं खोल सके थे। ओपनर बेन डकेट 4 रन और ओली पोप 3 रन बनाकर नाबाद हैं। पहली पारी में पाकिस्तान के लिए बाबर आजम और सलमान आगा के अलावा कोई भी बैटर फिफ्टी नहीं बना सका। बाबर ने 78 और सलमान ने 56 रन की पारी खेली। अपना आखिरी टेस्ट खेल रहे अजहर अली 68 बॉल में 45 रन बनाकर आउट हुए। ओपनर शान मसूद ने 37 बॉल में 30 रन बनाए। साउद शकील 23, नौमान अली 20 और विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान 19 रन बनाकर आउट हुए।

लोगों के लिए डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने का प्रयास : मनसुख मंडाविया

एम्स बीबीनगर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन सेवाएं शुरू

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने रविवार को एम्स बीबीनगर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) सेवाओं का उद्घाटन किया और कहा कि नई सुविधाएं तेलंगाना के लोगों के लाभ के लिए रोगी देखभाल बढ़ाने और समग्र डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में मदद करेंगी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि एबीडीएम देश भर में स्वास्थ्य रिकॉर्ड को डिजिटल बनाने के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई पहल है और इसमें क्यूआर कोड-आधारित रोगी पंजीकरण, स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) शामिल है, जो कई डिजिटल सेवाओं सहित किसी भी अस्पताल में डेटा का प्रबंधन करने वाला एक सॉफ्टवेयर है। मंडाविया ने कहा कि आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (एबीएचए) कार्ड की मदद से मरीज देश भर में कहीं भी, कभी भी अपने मेडिकल रिकॉर्ड तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने देश भर में नए मेडिकल कॉलेजों का निर्माण करके और मेडिकल सीटों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि करके चिकित्सा शिक्षा को सभी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों पर भी प्रकाश डाला। एमबीबीएस छात्रों के नए शामिल बैच (2022-23) ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा संचालित महर्षि चरक शपथ ली।

मंडाविया ने कहा कि एम्स एक प्रतिष्ठित संस्थान है और इसकी प्रतिष्ठा ऐसी है कि लोग सोचते हैं कि अगर यहां इलाज उपलब्ध नहीं है तो पूरे देश में कहीं और इलाज उपलब्ध नहीं है। उन्होंने दोहराया कि स्वास्थ्य को व्यवसाय के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए बल्कि यह मानवता की सेवा है। यह याद करते हुए कि कैसे भारत ने संकट का लाभ उठाए बिना पूर्व केंविड की कीमतों पर दुनिया के बाकी हिस्सों में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन और एज़िथ्रोमाइसिन की आपूर्ति की, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सिद्धांत के अनुसार था।

तेलंगाना की उच्च शिक्षा मजबूत : यूजीसी प्रमुख

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष प्रो. ममिडाला जगदीश कुमार ने तेलंगाना में उच्च शिक्षा की प्रशंसा की है, जिन्होंने इसे देश के कई अन्य राज्यों की तुलना में 'मजबूत' बताया। प्रो. कुमार यहां आंध्र महिला सभा कला और विज्ञान महाविद्यालय के छठे स्नातक दिवस समारोह के लिए शहर में थे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना से अपनी पढ़ाई पूरी करने वाले विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के छात्र भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में नामांकन के अलावा सॉफ्टवेयर, प्रशासन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम के इतर पत्रकारों से बात करते हुए प्रोफेसर कुमार ने कहा कि तेलुगु छात्र अच्छा कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने राज्य के विश्वविद्यालयों से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को जल्दी से लागू करने का अनुरोध किया ताकि छात्रों को अधिक "स्वतंत्रता और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा" दी जा सके।

प्रो. कुमार ने यह भी खुलासा किया कि जुलाई 2023 में शुरू होने वाले नेशनल डिजिटल यूनिवर्सिटी की उच्च रोजगार क्षमता वाले फिनटेक, वित्तीय प्रबंधन, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस सहित उभरते क्षेत्रों में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री प्रोग्राम की पेशकश करने की योजना है। उन्होंने कहा कि इन पाठ्यक्रमों को डिजिटल मोड में पेश किया जा सकता है और यदि किसी अनुकरण की आवश्यकता है, तो छात्र इसे ऑनलाइन कर सकते हैं।

यूजीसी के अध्यक्ष के अनुसार, राष्ट्रीय डिजिटल विश्वविद्यालय में दाखिला लेने वाले छात्रों को अनुभवात्मक शिक्षा सुनिश्चित करने वाले उद्योगों में इंटर्नशिप प्रदान की जाएगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले कई छात्र जो उच्च शिक्षा के लिए शहरों में नहीं आ सकते, विश्वविद्यालय के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करेंगे।

प्रोफेसर कुमार ने कहा कि यूजीसी द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी चार वर्षीय यूजी और एकीकृत डिग्री छात्र न्यूनतम 75 प्रतिशत अंकों के साथ पीएचडी प्रवेश के लिए पात्र है। हालांकि, जिन लोगों ने अपने यूजी पाठ्यक्रम में परियोजनाओं, थीसिस और अनुसंधान का अनुसरण नहीं किया है, उन्हें अपने पीएचडी कार्यक्रम में अनुसंधान में अतिरिक्त पाठ्यक्रमों का विकल्प चुनना चाहिए। यूजीसी के अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षण और अनुसंधान के मानकों को बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालयों को स्वायत्तता होनी चाहिए। एनईपी भी यही बात कहता है। हम देश भर के संस्थानों को स्वायत्त बनने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं।

राज्य में मंदिरों के विकास और भक्तों की सुविधाओं को प्रथमिकता : हरीश राव

वित्त मंत्री ने कोमुरावेली मंदिर के लिए 11 करोड़ रुपये के विशेष अनुदान की घोषणा की

सिद्दीपेट, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि राज्य सरकार मंदिरों के विकास और पूरे तेलंगाना में भक्तों के लिए सुविधाएं प्रदान करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। राज्य सरकार की ओर से, हरीश राव ने मंत्रियों तलसानी श्रीनिवास यादव और सी. मल्लारेड्डी, मेदक सांसद कोठा प्रभाकर रेड्डी, जनगांव विधायक मुत्तिरेड्डी यादगिरी रेड्डी और अन्य लोगों के साथ श्री कोमुरवेली के आकाशीय विवाह के अवसर पर सिद्दीपेट में पीठासीन देवता मल्लिकार्जुन स्वामी को रेशम वस्त्र भेंट किए।

वार्षिक कल्याणम में भाग लेने के बाद सभा को संबोधित करते हुए, श्री राव ने कहा कि राज्य सरकार ने यदाद्री मंदिर के पुनर्निर्माण पर 11,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, इसके अलावा धर्मपुरी में श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर को 50 करोड़ रुपये, वेमुलावाड़ा में श्री राजा राजेश्वर स्वामी मंदिर, श्री कालेश्वर मुक्तेश्वर स्वामी मंदिर और कई अन्य मंदिरों को 30 करोड़ रुपये।

राव ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने हाल ही में कोंडागट्टू अंजनेय स्वामी मंदिर के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये के विशेष अनुदान की घोषणा की थी। कोमुरावेली में लाइन लाइन बनाने के लिए 11 करोड़ रुपये के विशेष अनुदान की घोषणा करते हुए राव ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले मंदिर के विकास के लिए 30 करोड़ रुपये दिए। उन्होंने कहा कि मंदिर में 50 बिस्तरों की चौकी और अन्य सुविधाओं का निर्माण चल रहा है। चूंकि मुख्यमंत्री को मल्लिकार्जुन स्वामी में विश्वास है, राव ने कहा कि चंद्रशेखर राव ने मल्लना सागर का नाम भगवान के नाम पर रखा है। कालेश्वरम परियोजना को पूरा करने में विपक्षी दलों द्वारा कई बाधाएं खड़ी करने के बावजूद, मंत्री ने कहा कि वे भगवान मल्लिकार्जुन के आशीर्वाद से तीन साल के रिकॉर्ड समय में परियोजना को पूरा कर सकते हैं। इस साल फरवरी में मल्लाना सागर परियोजना को लोगों को समर्पित करने के बाद राव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने गोदावरी के पानी से यहां के प्रमुख देवता के चरण धोए थे। मल्लिकार्जुन स्वामी के दिव्य विवाह में उनकी पत्नी केठम्मा और मेडला देवी के साथ बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। जिला परिषद अध्यक्ष वी रोजा शर्मा, वोंटरू प्रताप रेड्डी, एरोला श्रीनिवास और अन्य उपस्थित थे।

गांजा बेचने व उपयोग करने वाले 12 लोग गिरफ्तार

एक किलो गांजा, नकदी, 10 मोबाइल बरामद

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा स्पेशल ऑपरेशंस टीम (मल्काजगिरी) ने 12 लोगों को गांजा बेचने व उपयोग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों के पास से एक किलो गांजा, 13 हजार रुपए नकद, दो बाइक, 10 मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस ने करीब एक किलो गांजा, दो बाइक, एक लाख रुपये बरामद किया है। पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ओंटेड्धु वेंकटेश (20) और कवेती साई तेजा (26) को दस उपभोक्ताओं के साथ पकड़ा। दो सप्लायर उदय व लड्डू फरार हैं। वेंकटेश और साई तेजा ने उदय और लड्डू से गांजा खरीदा और इसे उपभोक्ताओं को बेच दिया। सूचना पर, एसओटी टीम ने 12 लोगों को जवाहरनगर के अंबेडकरनगर में गिरफ्तार कर लिया। उपयोगकर्ता तरून साई, वाला नरसिम्हा, गणेश, शिवा कुमार, कोंडा शिवा कुमार, कौशिक, विनय रेड्डी, राम बालाजी, खुशवंत सिंह, अमन वर्मा शामिल है।

रैतु बंधु राशि का 28 दिसंबर से वितरण शुरू करेगी तेलंगाना सरकार

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार 28 दिसंबर से यासंगी (रबी) सीजन के लिए रैतु बंधु योजना के तहत योग्य किसानों को 5,000 रुपये प्रति एकड़ के कृषि निवेश समर्थन का वितरण शुरू करेगी। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने वित्त मंत्री टी. हरीश राव को इस संबंध में किसानों के बैंक खातों में 7,600 करोड़ रुपये जारी करने का निर्देश दिया है। तदनुसार, कृषि निवेश सहायता शुरू में एक एकड़ और उससे कम वाले किसानों के बैंक खातों में जमा की जाएगी, इसके बाद चरणबद्ध तरीके से अधिक भूमि वाले किसानों के बैंक खातों में जमा की जाएगी। पूरी राशि अगले साल जनवरी में संक्रांति पर्व से पहले वितरित कर दी जाएगी।

हैदराबाद पुलिस ने नये साल मनाने के लिए गाइडलाइंस जारी की

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में नए साल के कार्यक्रमों के आयोजकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी प्रदर्शन में अश्लीलता और नग्नता न हो, इसके अलावा समारोह में परिधान, नृत्य कृत्यों, इशारों और शब्दों की शालीनता सुनिश्चित करनी होगी।

हैदराबाद पुलिस ने नए साल के जश्न के लिए जारी दिशा-निर्देशों में आयोजकों को आयोजन स्थल पर नशीले पदार्थों की बिक्री पर नजर रखने को कहा है, ऐसा न करने पर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंदने कहा कि किसी भी व्यक्ति को ड्रग्स या नशीले पदार्थों और नशीले पदार्थों का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और यदि प्रबंधन इसे रोकने में विफल रहता है, तो यह प्रबंधन की जिम्मेदारी होगी और कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। पार्किंग क्षेत्रों और अन्य जगहों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए जहां ड्रग्स चोरी-छिपे बेचे जाते हैं। उन्होंने कहा कि आयोजकों को 45 डेसिबल से कम ध्वनि स्तर बनाए रखना चाहिए, घटनाओं की निगरानी के लिए रिकॉर्डिंग सुविधा के साथ निगरानी कैमरों को ठीक करना चाहिए और सुरक्षा पहुंच और यातायात प्रबंधन के लिए पर्याप्त सुरक्षा गार्ड नियुक्त करना चाहिए।

शराब पीकर गाड़ी चलाने पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने कहा कि यह पब/बार के प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि वह नशे की हालत में ग्राहकों को ड्राइवर/कैब उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्था करे।

आंध्र प्रदेश के सरकारी स्कूलों में लागू होंगे सेमेस्टर सिस्टम

अमरावती, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के सरकारी स्कूलों में सेमेस्टर सिस्टम लागू किया जाएगा और इस आशय के आदेश शनिवार को जारी किए गए। इसके अनुसार अगले शैक्षणिक वर्ष 2023-24 से कक्षा एक से नौ तक के लिए दो सेमेस्टर होंगे।

वर्ष 2024-25 से दसवीं कक्षा के लिए सेमेस्टर सिस्टम लागू किया जाएगा। सरकार ने जगन्नाथ विद्या कनुका कार्यक्रम के तहत दोनों सेमेस्टर के लिए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में पाठ्य पुस्तकें वितरित करने का भी निर्णय लिया है।

वाईएसआरसीपी का अगला चुनाव में सफाया तय : पवन कल्याण

नरसरावपेटा, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्म अभिनेता और जन सेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण ने रविवार को कहा कि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी नहीं जीतेगी और उसे अगला चुनाव जीतने की अनुमति नहीं दी जाएगी क्योंकि वह अपने वचन के प्रति प्रतिबद्ध है कि वह वाईएसआरसीपी विरोधी वोट को विभाजित होना।

'जन सेना कोलू रायथु भरोसा यात्रा' के तहत एक बैठक को संबोधित करते हुए, जहां उन्होंने पालनाडु जिले के सथेनापल्ली मंडल के धुलीपल्ला में उन किरायेदार किसानों को चेक दिए, जो नुकसान में थे, उन्होंने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी नेता राज्य और सत्ता को लूट रहे हैं। चुनाव दूर नहीं होने के कारण पार्टी ने 'भ्रष्टाचार अवकाश' घोषित किया ह। वे मुझे वीकेंड पॉलिटिशियन कहते हैं और कापू नेताओं को मुझे गाली देने के लिए शामिल करते हैं। जब मैं सप्ताह में केवल एक बार बाहर आता हूं तब भी वाईएसआरसीपी मेरा सामना करने में असमर्थ है। मेरे पास लूट की संपत्ति नहीं है और मैं अपनी गाढ़ी कमाई से किसानों की मुश्किल समय में मदद कर रहा हूं। यह बताते हुए कि वाईएसआरसीपी सरकार के अत्याचारों को रोकने के लिए ही उन्हें खुले में आना पड़ा, पवन कल्याण ने आशंका जताई कि आने वाले चुनावों में बहुत परेशानी हो सकती है। लेकिन आप इसे मुझ पर छोड़ दें। मेरे पास योजनाएँ हैं और मैं चीजों का ध्यान रख सकता हूँ। जन सेना पार्टी को सत्ता में लाना मेरी जिम्मेदारी है।

एसआई ने परित्यक्त शिशु को बचाया

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को कुशाईगुड़ा के एक अपार्टमेंट में अपने माता-पिता द्वारा छोड़े गए एक शिशु के बचाव में पुलिस के एक उप निरीक्षक सामने आए। घटना कुशाईगुड़ा के कमलानगर कॉलोनी स्थित एक अपार्टमेंट बिल्डिंग में हुई। निवासियों ने अपार्टमेंट के परिसर में एक बच्चे को देखा और माता-पिता को खोजने के बाद पता चला कि उन्होंने शिशु को छोड़ दिया है। अपार्टमेंट वालों ने इसकी सूचना कुशाईगुड़ा पुलिस को दी और सब इंस्पेक्टर एम साई कुमार अपार्टमेंट पहुंचे। उन्होंने मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस को सूचना दी और बाद में एक स्थानीय निजी अस्पताल में प्रारंभिक जांच के बाद नीलोफर अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। स्थानीय लोगों से सूचना मिलने पर एसआई मौके पर पहुंचे तो बच्चे को कपड़े में लिपटा देखा। कुशाईगुड़ा उप निरीक्षक एम. साई कुमार ने कहा कि संभावना जताई जा रही है कि माता-पिता कुछ समस्याओं के कारण बच्चें को मौके पर ही छोड़ कर चले गए हों। बच्चे को इलाज के लिए नीलोफ़र अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। बच्चें के मां-बाप को पहचान करने और उन्हें ट्रैक करने का प्रयास किया जा रहा है, जिन्होंने शिशु को छोड़ दिया है।

अरमूर में दो स्थानों पर चोरों ने धावा बोला

निजामाबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के अरमूर शहर के पेड्डा बाजार में चोरों ने एक घर में सेंध लगाई और 5 लाख रुपये, 8 तोला सोना और 21 तोला चांदी ले गए, जब परिवार अपने रिश्तेदारों के घर एक समारोह में शामिल होने के लिए गया था।

अरमूर कस्बे के सीआई सुरेश बाबू के अनुसार, मकान मालिक दिनेश और उसके परिवार के सदस्य शुक्रवार को अपने रिश्तेदार के यहां एक कार्यक्रम के लिए निकले थे और शनिवार की रात जब वे वापस आए, तो उन्होंने दरवाजे का ताला टूटा हुआ पाया और उनका सारा कीमती सामान और नकदी गायब थी। उन्होंने तुरंत इसकी शिकायत पुलिस से की। जांच के दौरान यह पाया गया कि चोरों ने रजका संगम कार्यालय में भी सेंध लगाई, हालांकि, चूंकि कार्यालय में कोई नकदी नहीं थी, इसलिए वे वहां से चले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है।

शवयात्रा

श्री दोलारामजी काग

: सुपुत्र : स्व.श्री भेरारामजी काग - मरुधर मे कोलपुरा (राज.)

(स्वर्गवास: 18.12.2022) - उम्र: 101 वर्ष

शवयात्रा आज सोमवार दि.19 दिसम्बर 2022 प्रात: 11 बजे हमारे निवास स्थान H.M.T. सोसाईटी, शापुरनगर से जीडिमेटला शमशान वाटिका जायेगी

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :

नोजीबाई (धर्मपत्नी), स्व.पेमाराम, मेगाराम (भाई), स्व.जसाराम, हीराराम, केसाराम, भीमाराम, भँवरलाल, ताराराम (पुत्र), स्व.कुकीबाई, मांगीबाई, पेपीबाई (पुत्री), स्व.देवाराम, रमेश, वोराराम, नारायणलाल, सुरेश, प्रवीण, नरेश, विकास, मनोहर, सुरेन्दर, हीतेश, हिमांशु (पौत्र), मुकेश, कुशाल, दिनेश, मनोज, महेश (पड़पौत्र), दिपु, दिया, नीतू, भावना, दिव्या (पड़पौत्री)

एवं समस्त काग परिवार

श्री रामदेव इलेक्ट्रीकल्स | महालक्ष्मी इलेक्ट्रीकल्स | रामदेव इन्टरप्राईजेस | अम्बीका इलेक्ट्रीकल्स

शापुरनगर, हैदराबाद

MOB. NO. : 9440608339, 8000801658, 9490175248

P.Solankey

तेलुगु राज्यों में ज़रूरतमंदों की मदद कर रहे हैं कांस्टेबल व उसके दोस्त

वारंगल, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर समान विचारधारा वाले लोगों की मदद से कोविड-19 के कठिन समय के दौरान जरूरतमंदों को सहायता प्रदान करना शुरू करने वाला एक कांस्टेबल 'माना आपदबंधुलु फाउंडेशन' नामक एक स्वैच्छिक संगठन बनाकर सेवा गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। संगठन ने अब तक तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में लगभग 3,500 परिवारों को 30 लाख रुपये खर्च करके वित्तीय और अन्य सहायता प्रदान की है। जे. चिन्ना मल्लैया और तिरुपतिम्मा के बेटे जब्बू वेंकटेश नागरकुर्नूल जिले के एक गांव के रहने वाले हैं। वह 2018 में तीसरी बटालियन टीएसएसपी, इब्राहिमपटनम में एक कांस्टेबल के रूप में पुलिस बल में शामिल हुए।

कांस्टेबल ने बताया कि मई 2020 में जब वह राजेंद्रनगर में एक चेक-पोस्ट पर काम कर रहा था, तब लॉकडाउन के दौरान काम खो चुके एक राजमिस्त्री की दुर्दशा से मैं हिल गया था। मैंने कुछ दोस्तों को बुलाया और उनके लिए चावल और अन्य आवश्यक वस्तुएं प्रदान कीं। वेंकटेश ने कहा, उस घटना को याद करते हुए जिसने उन्हें जरूरतमंदों की मदद करने के लिए प्रेरित किया।

2 मई, 2020 को उन्होंने जरुरतमंदों की सेवा शुरू की तथा अब तक 3,500 से अधिक परिवारों को 30 लाख रुपये की वित्तीय और अन्य प्रकार की सहायता प्रदान की गई। हमने मुख्य रूप से चावल के बैग और किराने का सामान वितरित किया। हमारे सदस्य अपने जन्मदिन, शादी की सालगिरह और कुछ अन्य विशेष अवसरों पर पैसे दान करते हैं। सदस्य हर महीने पैसा भेजते हैं। इस में सहयोग करने वालों में शिक्षक, सरकारी कर्मचारी, निजी कर्मचारी और अन्य इस फाउंडेशन के सदस्य हैं। हाल ही में, फाउंडेशन ने नलगोंडा में एक सड़क दुर्घटना में अपने माता-पिता को खोने वाले दो बच्चों की मदद की।

उन्होंने नागरकुर्नूल जिले के एक कैंसर रोगी को उसकी जान बचाने के लिए 3 लाख रुपये प्रदान किए, क्योंकि उसके माता-पिता गरीब हैं। लेकिन हम उसे बचा नहीं सके। फाउंडेशन के सदस्यों में से एक, एक्साइज सब-इंस्पेक्टर के सैदुलु ने कहा कि फाउंडेशन के प्रत्येक सदस्य की सराहना करनी चाहिए जो उनके समर्थन के लिए जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से हैं।

राजन्ना सिरसिला जिले के सब-इंस्पेक्टर महेश ने भी मदद के लिए जब्बू वेंकटेश और फाउंडेशन के अन्य सदस्यों के प्रयासों की सराहना की है। टीम ने हाल ही में रुद्रंगी मंडल केंद्र से चावल और अन्य आवश्यक वस्तुओं के साथ दो व्यक्तियों की मदद की है, एसआई ने कहा।

एजेंसी क्षेत्र में अडानी परियोजनाओं की अनुमति अवैध : ईएएस सरमा

विशाखापत्तनम, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के पूर्व सचिव ईएएस सरमा ने देखा है कि एजेंसी क्षेत्र में अडानी परियोजनाओं को अनुमति देना और कुछ नहीं बल्कि पेसा और वन अधिकार अधिनियम का उल्लंघन है, और राज्य सरकार से इस फैसले को तुरंत वापस लेने का आग्रह किया।

रविवार को यहां मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी को संबोधित एक पत्र में, उन्होंने कहा कि पार्वतीपुरम एजेंसी और अल्लूरी सीतारामाराजू जिले में अडानी हाइड्रो पंप स्टोरेज परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का निर्णय अधिनियमों का उल्लंघन था। उन्होंने कहा कि कानून के तहत ग्राम सभाओं में पूर्व अनुमति प्राप्त की जानी चाहिए और राज्य सरकार को ऐसी परियोजनाओं पर मनमाना निर्णय लेने का कोई अधिकार नहीं है।

हार्दिक आमंत्रण

जागो जैनो - अभी नही तो कभी नही

वर्तमान मे जैन धर्म, जैन समाज की समस्याओ, जैन धर्म पर हो रहे आक्रमण, जैन धर्म के उज्जवल इतिहास एवं जैन समाज, जैन धर्म, से संबंधीत धार्मिक सामाजिक, राजनितिक आदि कई विषयो पर विशिष्ट उद्बोधन-न कभी सुनी, न कभी सोची-एसी ऐतिहासिक तथ्यो की जानकारी - सुनने जरूर पधारे

आज सोमवार दि. 19-12-2022 दोपहर 2.30 बजे से, श्री जैन सेवा संघ भवन, रामकोट, हैदराबाद मे

मुख्य वक्ता : श्री सोहन मेहता 'क्रांति' (कवि, लेखक, पत्रकार) जोधपुर

आप सभी जैन श्रावक-श्राविका बंधुओ से निवेदन है कि आप सभी समय पर पधारकर कार्यक्रम को सफल बनावे ।

निवेदक: आल इंडिया जैन माईनॉरिटी फेडरेशन

आर.के. जैन 8522804895, रिद्धीश जागीरदार 9849988999

विजय सुराणा 9848025554, मुकेश चौहान 9030808416

मुकेश कटारीया 9848051001, दिनेश गोसर 9848099011

सौजन्य : प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.